राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 18.00 संख्या 69
सजारू मौत
सुपर कमांडो ध्रुव
एक आकर्षक स्टीकर मुफ्त
राज कॉमिक्स विशेषांक
सजारू मौत
by अनुपम
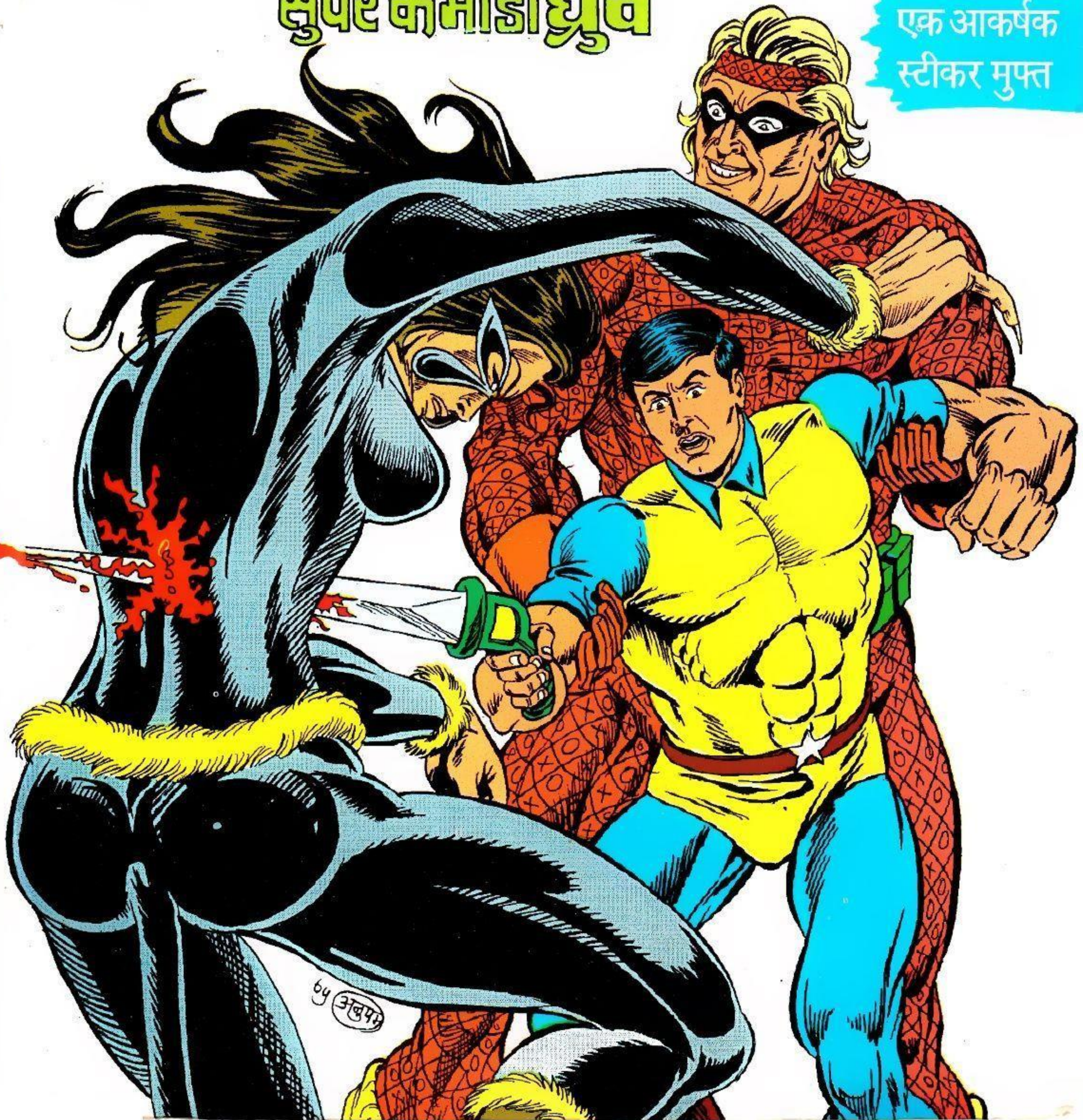
जब रात खत्म होने वाली होती है, और सुबह की रोशनी फूटने लगती है...
...तो जेल की काल कोठरी के बाहर बूटों की पदचापें गूंजने लगती हैं...
...क्योंकि यह समय होता है...
...फांसी की सजा पाए कैदी को काल कोठरी से बाहर निकालकर...
...उसको जिन्दगी के आखिरी सफर पर ले जाने का–
जिस सफर के आखिरी छोर पर इंतजार कर रहा होता है मौत का दूत–
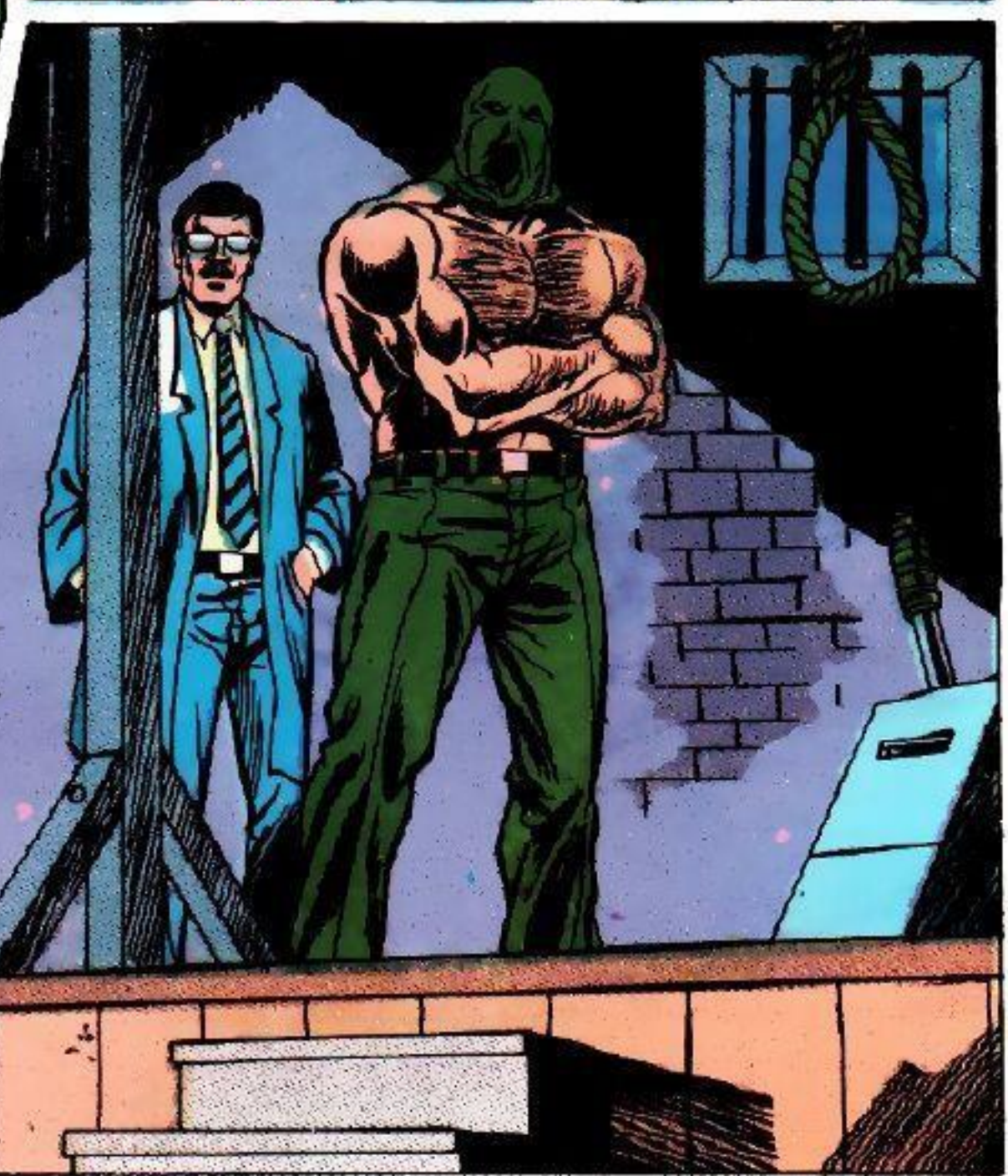
जो कैदी के चेहरे पर थैली पहनाने की कोशिश करता है...
...और मना करने पर हटा भी लेता है–
क्योंकि कुछ मौत की सजा पाए कैदी, मौत को सामने देखकर मरना ज्यादा पसन्द करते हैं–
जल्लाद, फंदे को चैक करके कैदी की गर्दन में डाल देता है–
लीवर खिंचता है...
खट
... और कैदी का शरीर, गर्दन से कुछ पल झूलने के बाद...
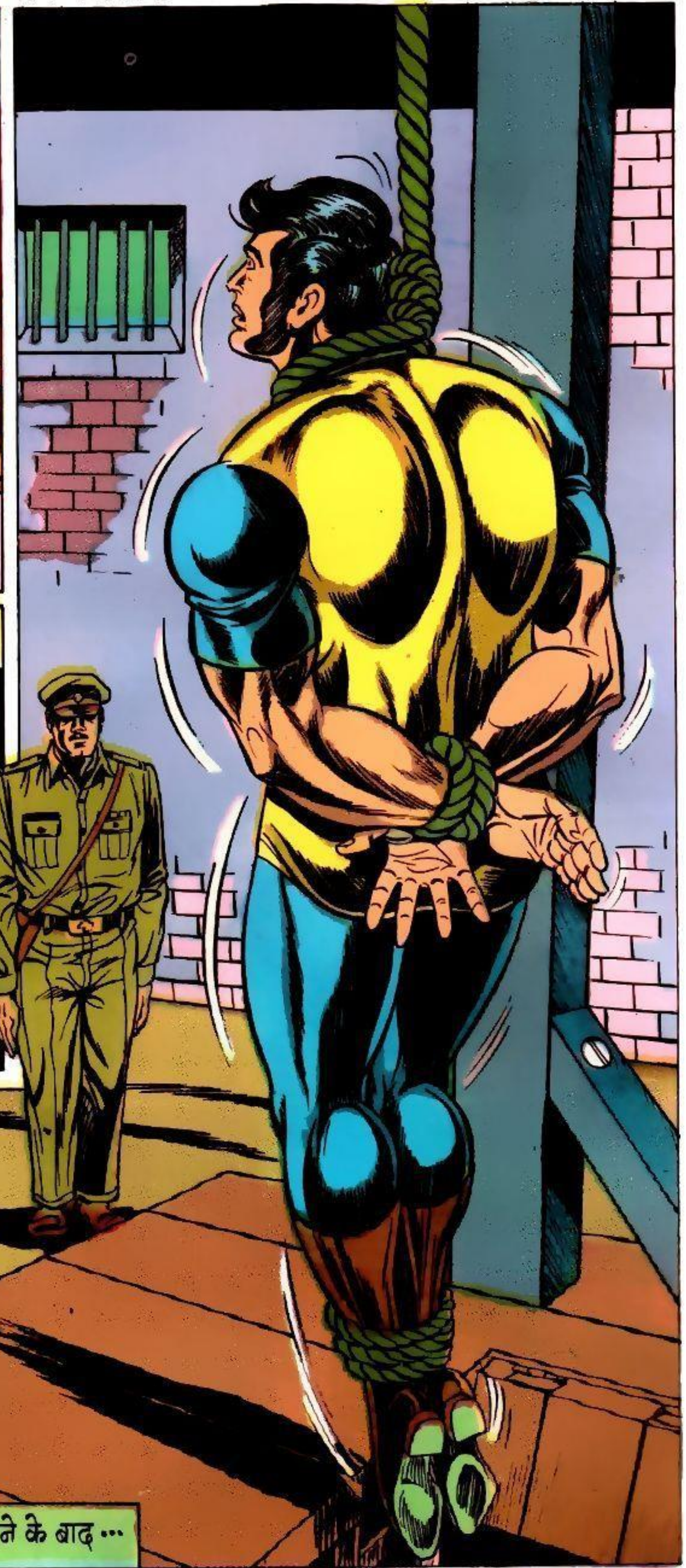
... तड़पकर शांत हो जाता है-
अच्छा है! अच्छा है। अच्छी फिल्म बनाई है। लेकिन इसका मतलब क्या है?...
... और तुमने अब तक यह भी नहीं बताया कि तुम हो कौन?
जुर्म की अंतर्राष्ट्रीय दुनिया मुझे 'स्कीमर' कहती है, बार्को! क्योंकि मैं दुश्मन को गोलियों से नहीं, बल्कि अपनी स्कीमों से मारता हूं ...
... जो कैसेट अभी तुम देख रहे थे, वह तुम्हारे लिए खास तौर से बनाई गई स्कीम है। और इस स्कीम का नाम है...
सजाए मौत
कथा एवं चित्रः अनुपम सिन्हाः इंकिंगः विनोद कुमारः संपादकः मनीष गुप्ताः

ओह! तो तुम बिना मुझसे मिले यह भी जान गए कि मुझे काम क्या है? पर कैसे?
स्कीमर जब कोई काम हाथ में लेता है, तो, सबसे पहले अपने 'क्लाइंट' यानी मुवक्किल की छान-बीन करता है और फिर शिकार की...
... मैंने काम हाथ में लेने से पहले तुम्हारी छानबीन की थी, और फिर 'हां' कहा था!
पर तुमने यह नहीं बताया कि तुम यहां आए कैसे?
तुमने 'इंटरनेशनल क्राइम-सिंडिकेट' से एक पेशेवर हत्यारा भेजने के लिए संपर्क किया था! और उन्होंने मुझको भेजा है!
ओह!
मैं तो अत्याधुनिक हथियार हाथों में लिए, आदमियों की सोच में बैठा था!
तुम अभी तक यह नहीं समझ पाए बाकों कि ध्रुव को गोलियों से मारने की कोशिश करोगे, तो खुद मारे जाओगे...
... दुश्मन को हमेशा उसकी कमजोरी से मारा जाता है। और सुपर कमांडो ध्रुव की कमजोरी, कानून के प्रति उसकी वफादारी है।
आइडिया तो करोड़ों का है, लेकिन ये होगा कैसे?
अगर तुम ये जान जाओ तो तुमको भी दुनिया स्कीमर नाम से बुलाने लगेगी...
अगर कानून, सुपर कमांडो ध्रुव की मौत की सज़ा सुना दे तो ध्रुव उससे लड़ने की कोशिश कभी नहीं करेगा।
... काम कैसे करना है, यह तुम स्कीमर पर छोड़ दो...
... और तुम मेरी फीस का इंतज़ाम करो, पचास लाख रुपए।

यह क्या कर रहे हैं, बार्को सर? ध्रुव के लिए पचास लाख रुपए?

इतना पैसा खर्च करने की क्या जरूरत है? और... और ध्रुव से तो फिलहाल हमारी कोई दुश्मनी भी तो नहीं है।

है नहीं तो हो जाएगी कैप्टेन!

☆ यह कहानी जानने को पढ़ें 'कमांडर नताशा' और 'मौत के चेहरे'।

बार्को का डर बेबुनियाद नहीं था...
... क्योंकि जैसे-जैसे दिन बीतते जा रहे थे, उस लड़के के बचने की संभावनाएं बढ़ती जा रही थीं-
ये अधूरा बयान देकर फिर बेहोश हो गया है, ध्रुव...
...एक दो दिनों में इसे पूरी तरह से होश आ जाएगा।...
...लेकिन मुझे यह नहीं समझ में आ रहा है कि इस मामूली से आदमी के लिए इतनी सुरक्षा व्यवस्था क्यों है?...
...और तुम्हारे जैसा व्यस्त आदमी इसमें इतनी दिलचस्पी क्यों दिखा रहा है?
आभास, डॉक्टर साहब। मुझे ऐसा आभास हो रहा है कि इस लड़के पर हमले के पीछे एक बहुत बड़ा षड्यंत्र है...
... अगर ऐसा न होता, तो इस मामूली से लड़के को मारने के लिए तीन पेशेवर गुंडे न भेजे जाते।...
... और वह षड्यंत्र क्या है, यह सिर्फ ये लड़का ही बता सकता है।
खैर, अभी तो मैं चलता हूं। मुझे घर जाकर कुछ जरूरी सामान लेना है और फिर रात की गश्त पर निकलना है!
RECE
ध्रुव इस बात से बेखबर था...
...कि उसकी हर एक हरकत पर नजर रखी जा रही थी-
हैलो! एजेंट X-2 बोल रहा हूं। पुलिस हॉस्पीटल से! ध्रुव यहां से घर जा रहा है। फिर वहां से रात की गश्त पर निकलेगा!
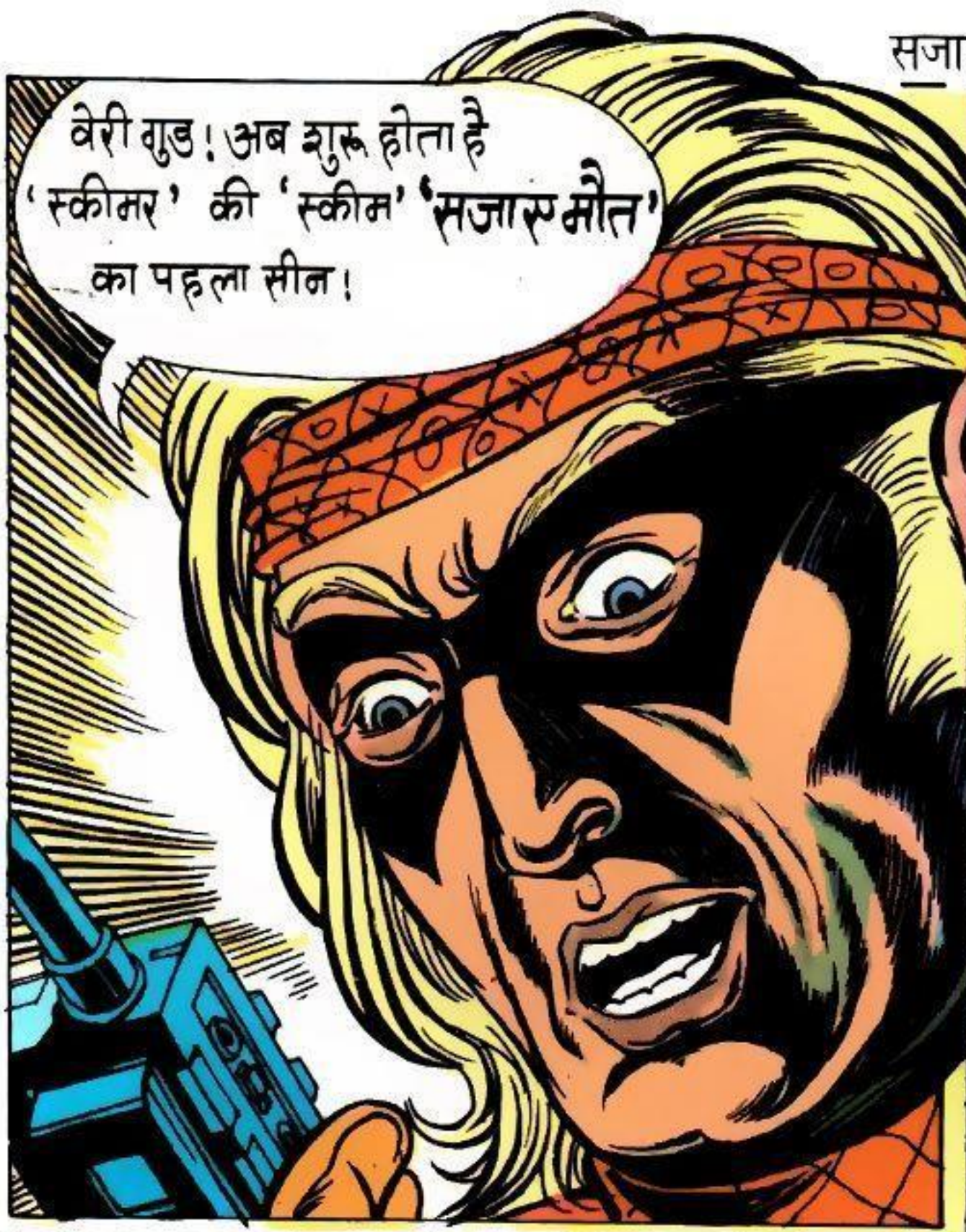
वेरी गुड! अब शुरू होता है 'स्कीमर' की 'स्कीम' 'सजाए मौत' का पहला सीन!
ध्रुव अपने ऊपर निकल चुके मौत के फर्मान से अंजान था-
ओह! रास्ते में मत खड़ी रहा कर श्वेता!
ओफ्फ! मैं रास्ते में नहीं खड़ी हूं। तुम अपने बदन की गाड़ी गलत साइड से निकाल रहे हो!
वैसे क्या मैं पूछ सकती हूं कि ये आंधी की तरह घुसकर तूफान की तरह कहां जा रहे हो?
मुझे कुछ जरूरी सामान लेकर रात की गश्त पर जाना है, श्वेता!
ओह! तो फिर निकल रही है राजकुमार की सवारी आवारागर्दी के लिए!
आवारा! मैं आवारा हूं?
हुम! रात-रात भर बाहर रहने वाले को, कम से कम अच्छा बच्चा तो नहीं कहा जा सकता!
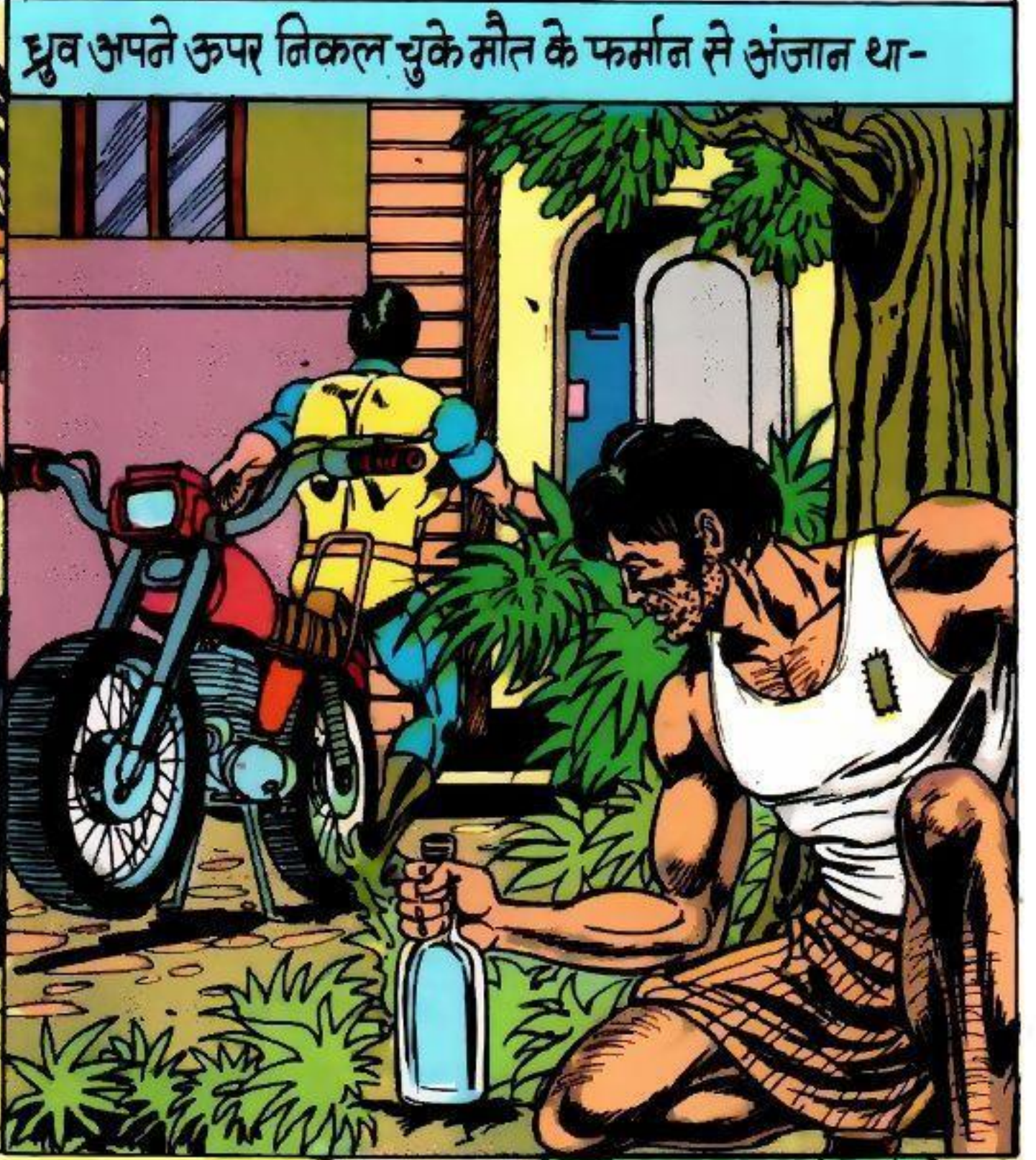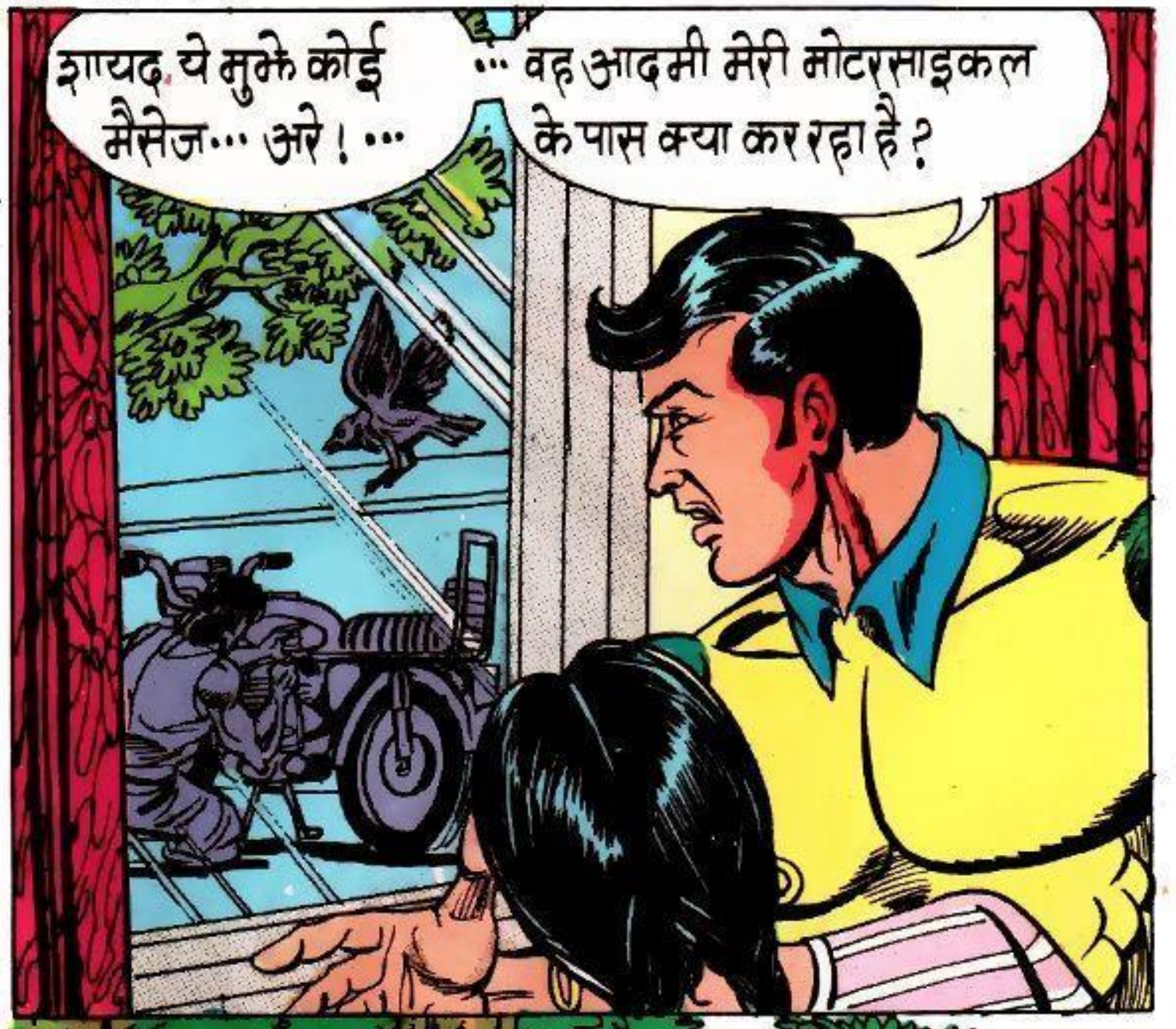
लगता है आज फिर तेरी पिटाई का मुहूर्त...
...अरे! ये चिड़िया खिड़की के शीशे को क्यों ठकठका रही है?
ठक
ठक
शायद ये मुझे कोई मैसेज... अरे! ...
... वह आदमी मेरी मोटरसाइकल के पास क्या कर रहा है?
अगले ही पल, ध्रुव का बदन हवा में तैरता हुआ...
... अपने शिकार से जा टकराया -
आह! माफी, माफी दे दो, बाबूजी!
धाड़
म... मैं चोर नहीं हूं, बाबूजी! मजदूरी करता हूं। दो दिनों से कहीं मजदूरी नहीं मिली! बच्चा भूख से बिलख रहा था... मुझसे देखा नहीं गया...
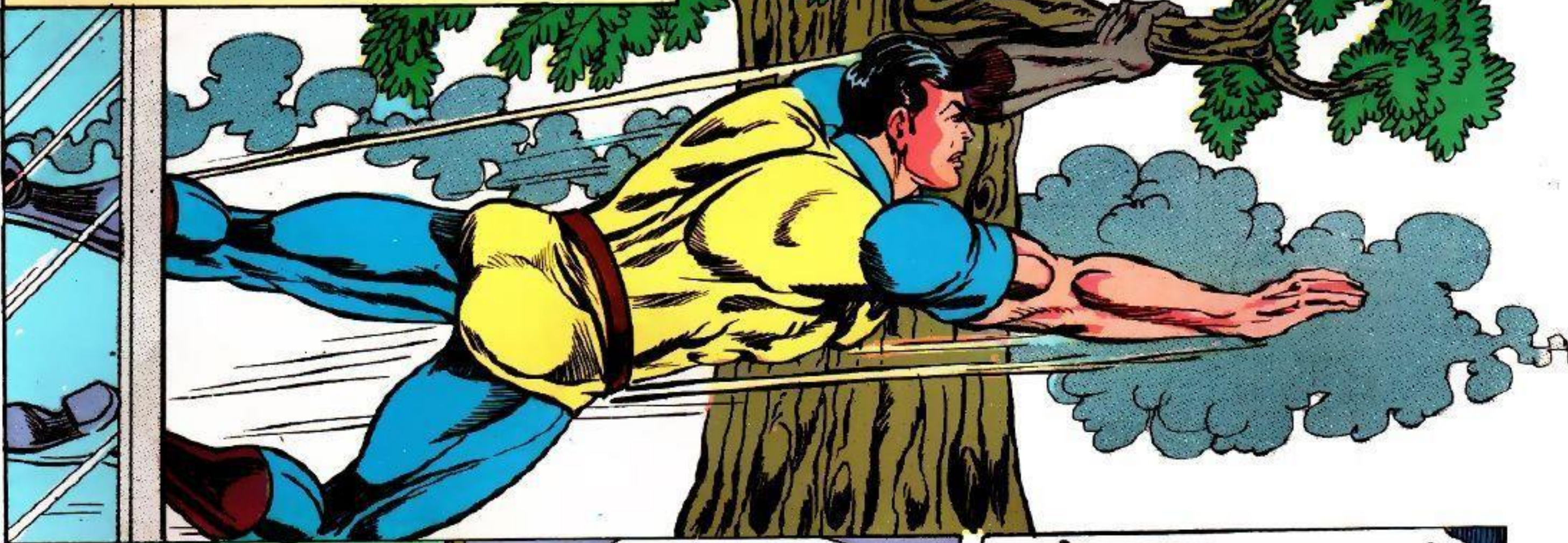
मैं चोरी के इरादे से निकला था, पर हिम्मत नहीं पड़ी। यहां आपकी मोटरसाइकल देखी, तो दीवार फांदकर पेट्रोल चुराने के लिए आ गया। बस यही मेरा कुसूर है सरकार! चाहें तो हथकड़ी लगा दें!
नहीं! यह चोरी तुमने मजबूरी के कारण की है। अभी मैं तुमको सिर्फ चेतावनी देकर छोड़ रहा हूं।
इसने मेरी मोटरसाइकल का सारा पेट्रोल नीचे गिरा दिया है। अब इसमें सिर्फ इतना ही पेट्रोल बचा होगा कि यह पेट्रोल पंप तक जा सके। खैर, पेट्रोल भरवाकर रात की गश्त पर तो जाना ही है।
सजाए मौत की शुरुआत हो चुकी थी-
एजेंट X-५ हियर! मैंने उसकी मोटरसाइकल का पेट्रोल निकाल दिया है। अब वह पेट्रोल भरवाने जाएगा...
...और पेट्रोल भरवाने के लिए वह उसी पेट्रोल पंप पर जाएगा, जिस पर वह हमेशा जाता है...
...और वहां पर उसका इंतजार करेगा... स्कीमर! ओ० के० X-५! ओवर!
यह पेट्रोल पंप, ध्रुव का फेवरिट इसलिए था क्योंकि घर के पास होने के साथ ही, वहां पर रात के वक्त ज्यादा भीड़ नहीं होती थी-
000 000
OIL

आइए सर ! बहुत घूम लिए क्या ? अभी कल ही तो टैंक फुल कराया था !
बगैर घूमे ही खत्म हो गया ! अभी फिर टैंक फुल कर दो गंगाराम !
ध्रुव पर दो जलती हुई आंखें गड़ी हुई थीं-
किलर टीम ! अटैक ! शिकार जाल में आ चुका है !
और अगले ही मिनट-
खबरदार जो किसी ने हिलने की कोशिश की !
जितना कैश है, चुपचाप निकाल दो ! ...
?
... वरना एक गोली से यह पूरा पेट्रोल पंप हवा में उड़ता नजर आएगा !
लुटेरे ! इस सुनसान पेट्रोल पंप को लूटने की कोशिश में हैं ...
... इनको बहुत होशियारी से रोकना होगा ! वर्ना सचमुच यह पेट्रोल पंप दहकती भट्ठी बन जाएगा !
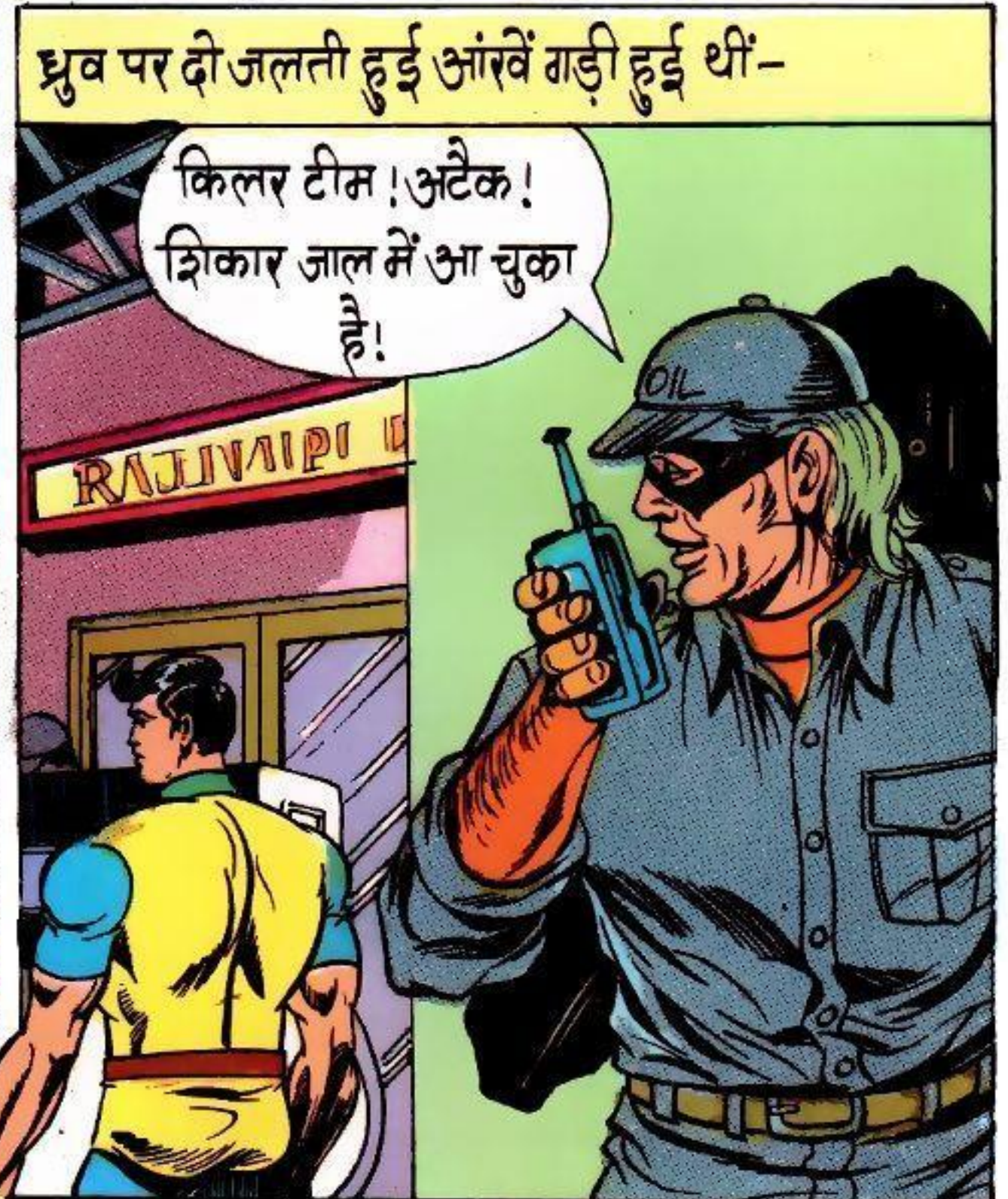
मुझे पहले इनकी ऑटोमैटिक बंदूकों का रुख, पेट्रोल पंप से उल्टी दिशा में मोड़ना होगा...
... गंगाराम, कैश से भरा बैग मुझे दे दो! मैं इन तक वह कैश पहुंचा दूंगा!
मर गया रे!
अगर यह गंगाराम का बच्चा पहले मुझे पेट्रोल दे देता, तो अब तक मैं इस पेट्रोल पंप से बाहर निकल चुका होता! अभी तो यहां से हिलना भी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है।
लाओ! नोटों से भरा बैग इधर दे दो!
लेकिन ध्रुव ने बैग देने के बजाय...
... पेट्रोल पंप से बाहर की तरफ छलांग लगा दी–
बंदूकों का रुख बाहर की तरफ मुड़ गया–
और वातावरण गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजने लगा–

मेरा इस गोलियों की बौछार को पेट्रोल पंप से दूर खींचने का प्लान तो सफल हो गया।...
...अब इनके हाथों से इन ऑटोमैटिक हथियारों को अलग करना है...
टन्न टन्न
टन्न
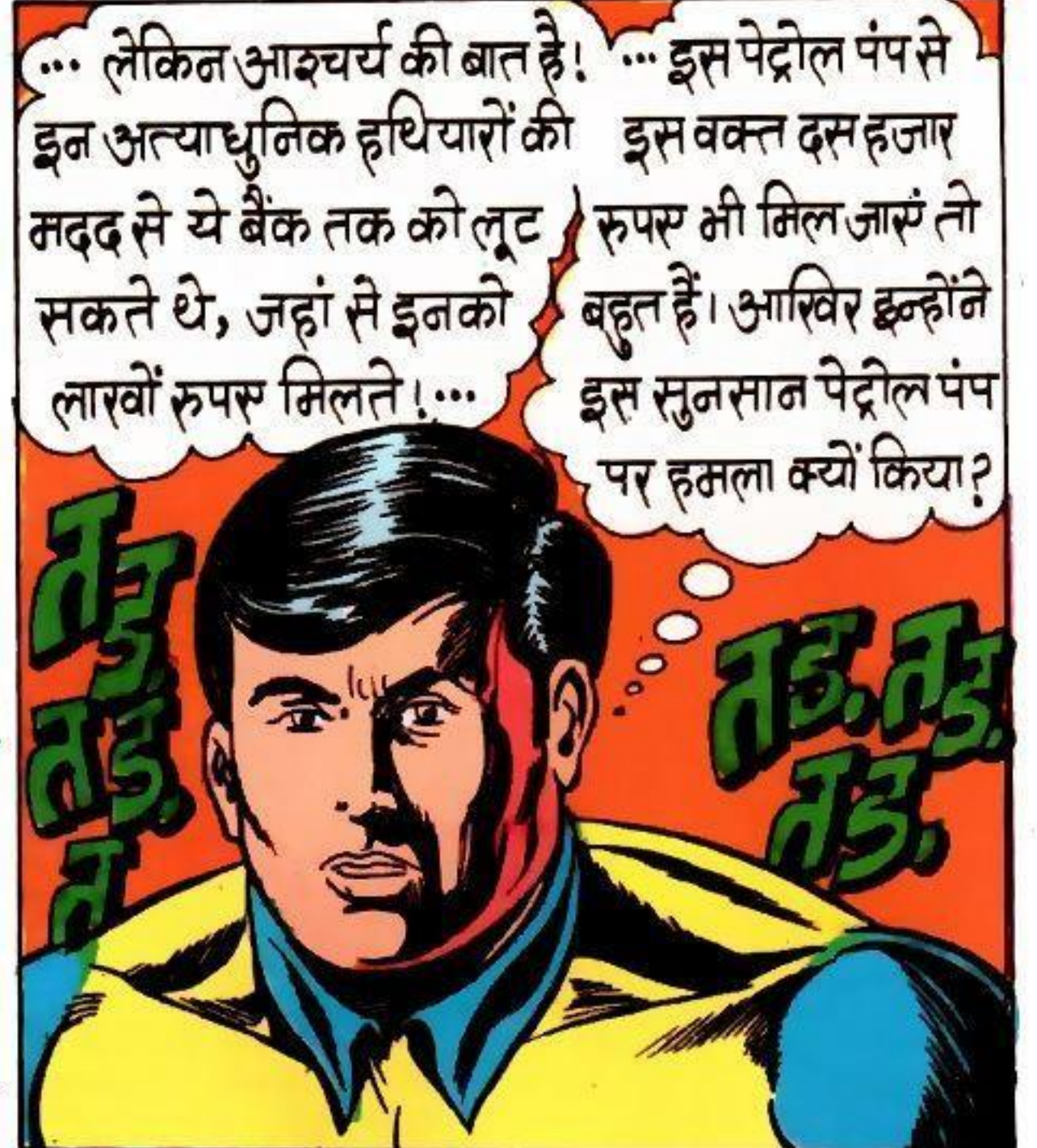
... लेकिन आश्चर्य की बात है! इन अत्याधुनिक हथियारों की मदद से ये बैंक तक को लूट सकते थे, जहां से इनको लाखों रुपए मिलते!...
... इस पेट्रोल पंप से इस वक्त दस हजार रुपए भी मिल जाएं तो बहुत हैं। आखिर इन्होंने इस सुनसान पेट्रोल पंप पर हमला क्यों किया?
तड़ तड़ तड़ तड़
तड़, तड़, तड़, तड़

कारण यहां पर खड़ा था—
सब-कुछ प्लान के हिसाब से जा रहा है। लेकिन इस वक्त एक और मौका मेरे हाथ लग गया है...
... ध्रुव की मोटर साइकल की पेट्रोल की टंकी का ढक्कन खुला हुआ है...
... यह मेरे ओरीजिनल प्लान में तो नहीं था। लेकिन शायद यह तरीका काम कर ही जाए।

अगले ही पल- स्कीमर ने एक काली गोली को हवा में उछाल दिया—

जो अचूक निशाने की तरह सीधे मोटर साइकल के पेट्रोल टैंक के छेद के किनारे से लड़ती हुई टंकी में जा गिरी—
ठक
छ्लॉप
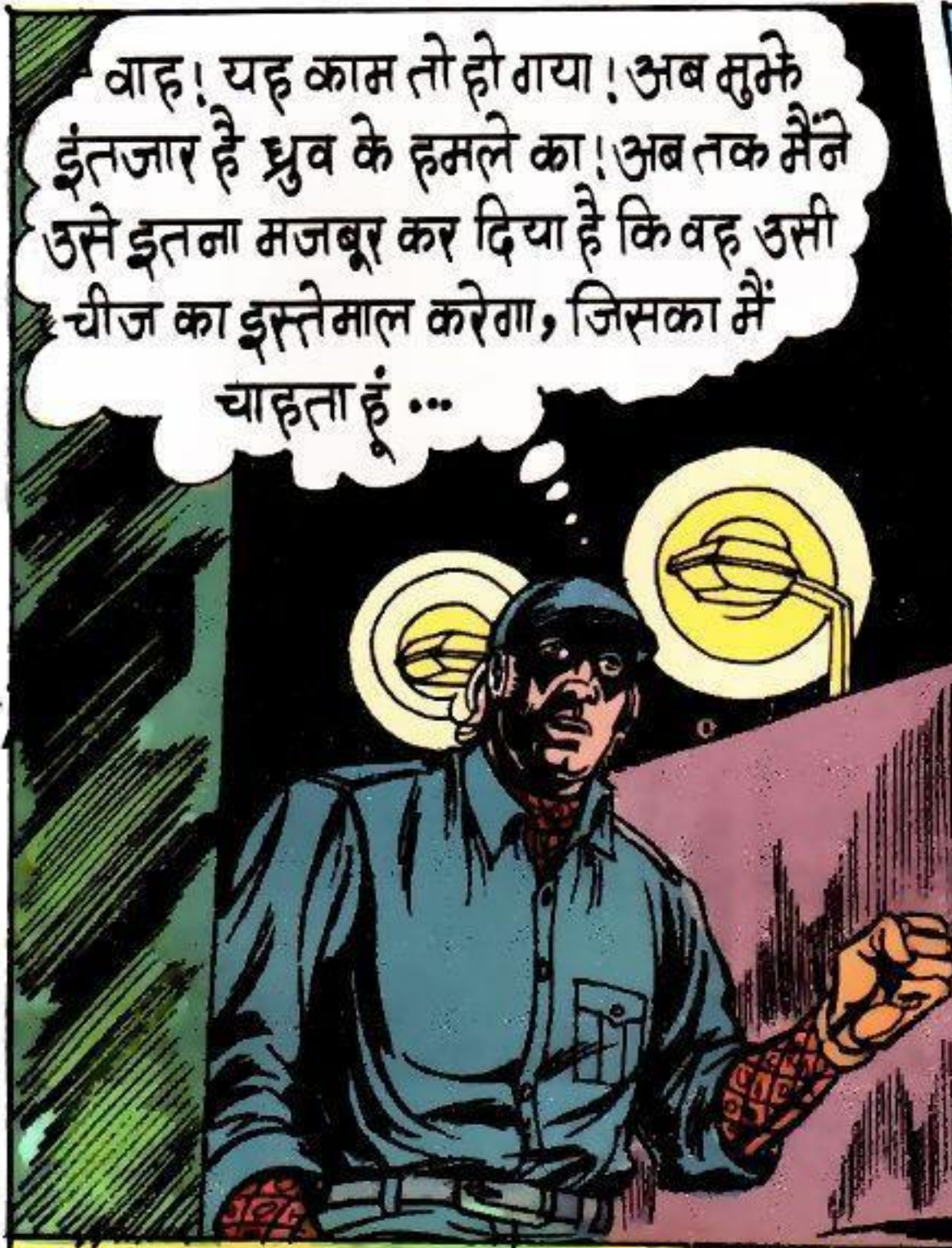
वाह! यह काम तो हो गया! अब मुझे इंतजार है ध्रुव के हमले का! अब तक मैंने उसे इतना मजबूर कर दिया है कि वह उसी चीज का इस्तेमाल करेगा, जिसका मैं चाहता हूं ...
स्कीमर ने सचमुच ध्रुव को इतना मजबूर कर दिया था...
... कि वह 'स्टार-ब्लेड' का इस्तेमाल करने पर विवश हो गया था–
अगर इनके हाथों में मामूली बंदूकें या रायफल होतीं, तो मैं इनको ऐसे ही रोक लेता! ...
... लेकिन इन स्वचालित हथियारों के लिए मुझे अपने 'स्टार-ब्लेडों' का इस्तेमाल करना ही पड़ेगा!
अगले ही पल- स्टार ब्लेड हवा में उड़े ...
... गुंडों ने बचने की भरसक कोशिश की–
सांय
सट
झड़ाक
तड़ाक
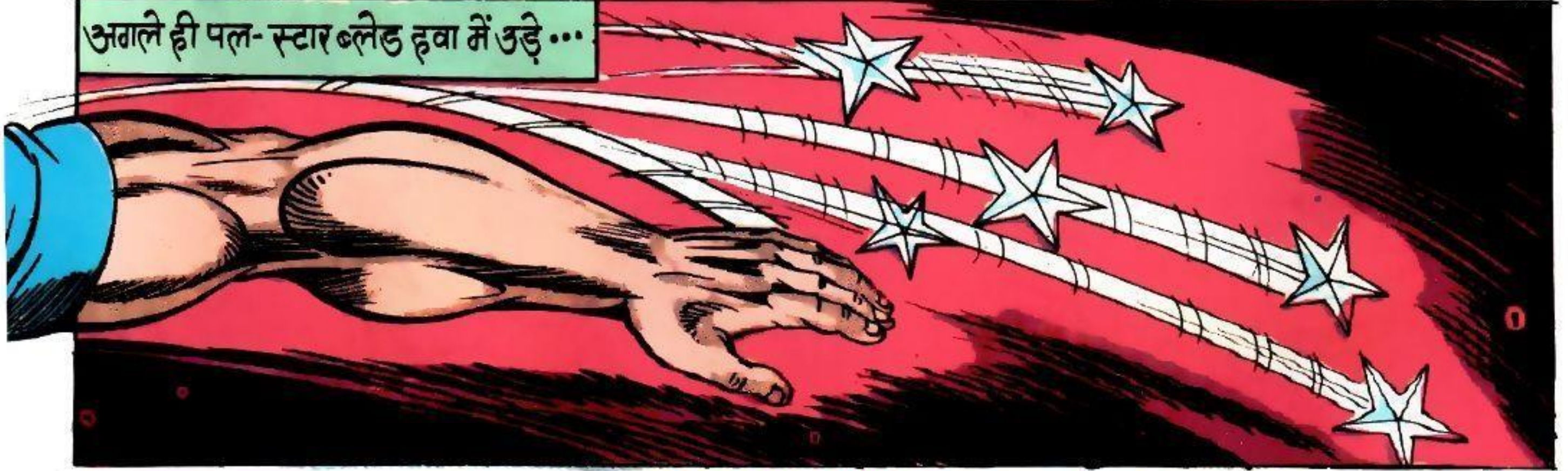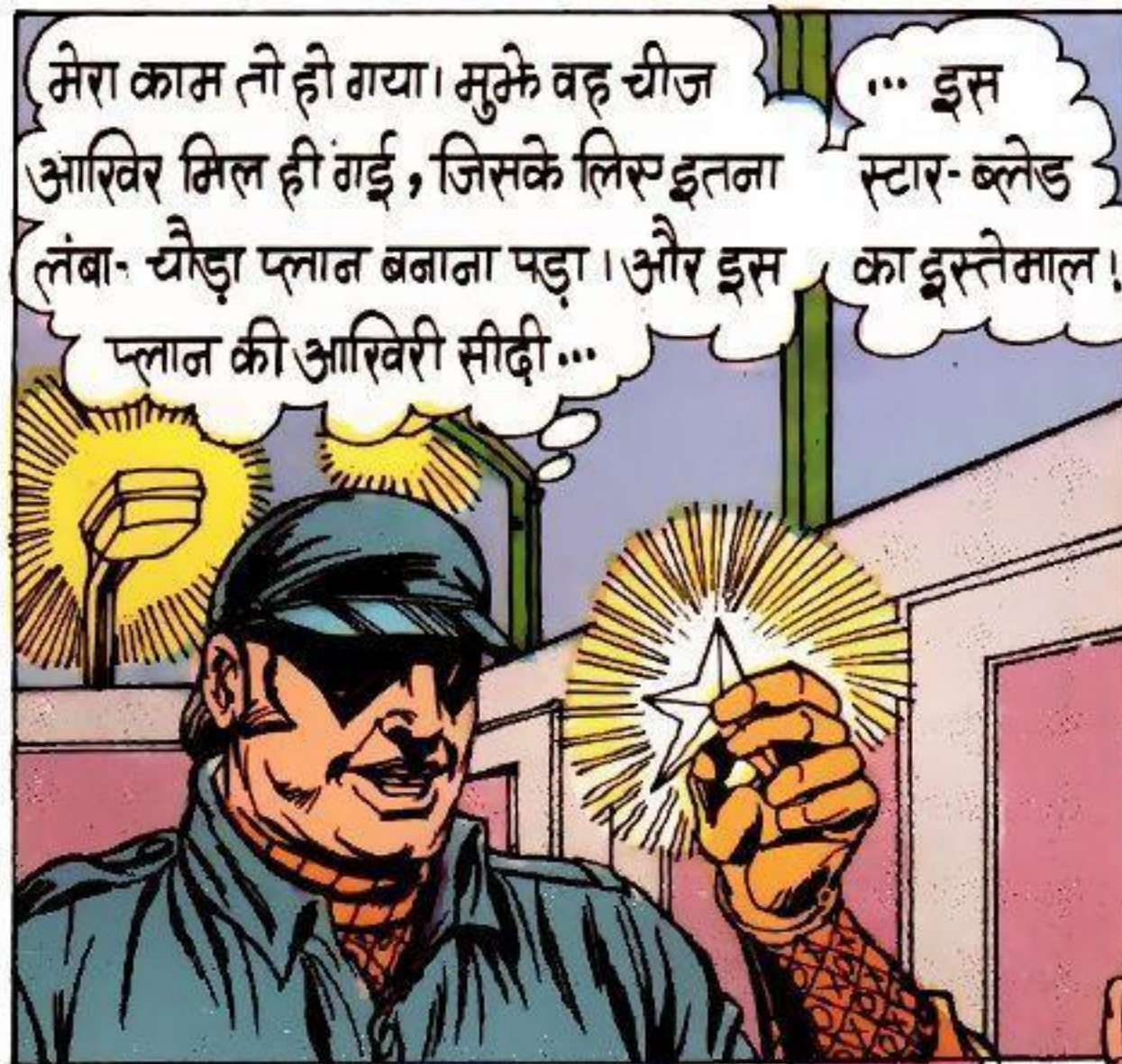
... लेकिन बच नहीं सके-
तड़ाक
बंदूकें नीचे जा गिरीं-
तड़
और साथ में 'स्टार-ब्लेड्स भी-
टन
मेरा काम तो हो गया। मुझे वह चीज आखिर मिल ही गई, जिसके लिए इतना लंबा-चौड़ा प्लान बनाना पड़ा। और इस प्लान की आखिरी सीढ़ी...
... इस स्टार-ब्लेड का इस्तेमाल!
नकाबपोश लुटेरे बेबस थे। और अब बारी ध्रुव की थी-

लेकिन लुटेरों को हर अगले कदम का आभास पहले से ही था -
वे ध्रुव के लिए तैयार थे -
लेकिन ध्रुव भी ऐसे गुंडों के लिए कई सालों से तैयार था-
और अक्सर ऐसी लड़ाइयों में उसे दूसरा वार नहीं करना पड़ता था-
धाड़

ध्रुव, मेरे आदमियों के साथ लड़ने में व्यस्त है, और बाकी सभी उसे देखने में! ...
... यही मौका है अपना काम कर जाने का!
इधर ध्रुव ने अपना आखिरी वार किया ...
... और उधर- एक 'स्टार-ब्लेड' खामोशी के साथ हवा में सनसना उठा-
सांय
निशाना सटीक था-
अक्!
खच्च
निशाने को चिल्लाने तक का मौका नहीं मिला -
और इससे पहले कि ध्रुव का ध्यान इस हादसे की तरफ जा पाता, एक दूसरी हरकत ने उसका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया-
ऐ, कौन हो तुम? रुक जाओ!

वह एक गाड़ी में बैठकर भाग रहा है! मुझे मोटरसाइकल से उसका पीछा करना होगा!
गंगाराम! तुम पुलिस को फोन कर देना! मैं उस कार के पीछे जा रहा हूं!
अच्छा! तो ध्रुव मेरे पीछे लगा है...
... लेकिन उसको इसका आभास नहीं है कि वह अपना पीछा ज्यादा देर तक जारी नहीं रख पाएगा!
मुझे बार-बार ऐसा क्यों लग रहा है कि कहीं पर कुछ गड़बड़ है...

...कोई 'चीज' ऐसी है जो बार-बार मेरे ध्यान में आ रही है।...
...लेकिन वह 'चीज' आखिर है क्या?

याद आ गया। वह 'चीज' है पेट्रोल पंप पर हमला करने वाले गुंडों की कलाई पर बना 'कट्टम-जीरो' का निशान!
यही निशान उस आदमी की कलाई पर भी गुदा था, जिसने मेरी मोटर साइकल से पेट्रोल चुराया था।...

...यानी वह आदमी भी इन लुटेरों का ही साथी था। और उसका काम था मुझे इस पेट्रोल पंप पर आने के लिए मजबूर करना। पर क्यों?...
...ताकि ये लुटेरे मुझे मार सकें? नहीं! यह प्लान बनाने वाला यह भी समझता होगा कि मुझे गोलियों से मार पाना मुश्किल है। फिर क्यों?...
...एक ही जवाब बचता है...
...पेट्रोल!

जरूर मेरी मोटर साइकल में भरे पेट्रोल के साथ कुछ छेड़छाड़ की... अरे!...
...टंकी के छेद के बगल में यह कोलतार कैसा लगा है?

कोलतार!
अगले ही पल ध्रुव समझ गया कि क्या हुआ है-

धमाका होने के एक सेकेंड पहले ही, वह कूद चुका था-
धड़ाााााााम
ओफ्फ! बाल-बाल बचा!
टंकी के ऊपर कोलतार लगा देखकर ही मैं समझ गया था कि मुझे मारने के लिए एक पुराने, मगर विश्वसनीय तरीके का इस्तेमाल किया गया है।
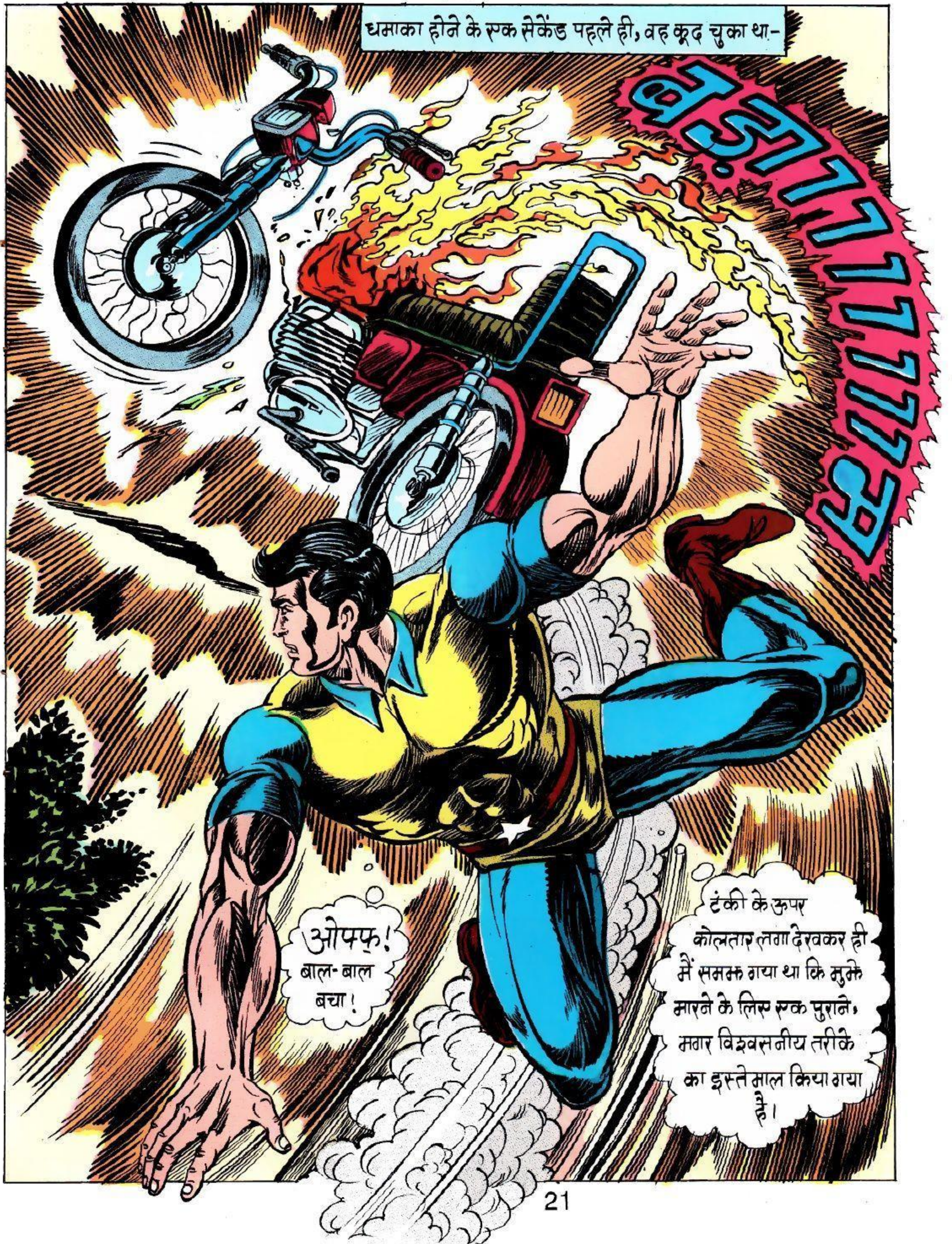
ध्रुव को वापस पेट्रोल पंप पहुंचने में कुछ ही मिनटों का समय लगा। लेकिन इन कुछ ही मिनटों में–

पुलिस यहां पर पहुंच चुकी है। यानी तुमने फोन कर दिया था...

शाबाश गंगाराम!

पुलिस तो पहुंच गई, ध्रुव साहब! लेकिन इनके यहां पर पहुंचने तक वो तीनों गुंडे भाग चुके थे!...

...शायद वे बेहोशी का नाटक कर रहे थे। आपके जाते ही भाग खड़े हुए।

आपके हाथों से एक हत्या हो गई है मिस्टर ध्रुव!
यह देखिए!
आपका स्टार-ब्लेड इस पूरे पेट्रोल पंप की दीवारों के साथ-साथ इस आदमी की गर्दन में भी धंसा है।
ओह, भगवन! ये क्या हो गया?

हम समझते हैं कि यह एक हादसा था ध्रुव! लेकिन कार्यवाही तो पूरी करनी ही पड़ेगी!
आप जरा मेरे साथ पुलिस-स्टेशन चलिएगा!
चलिए!

इंस्पेक्टर की नजरों में यह एक हादसा जरूर था...

☆ पीटर घायल कैसे हुआ? जानने के लिए पढ़ें विशेषांक 'सर्कस'
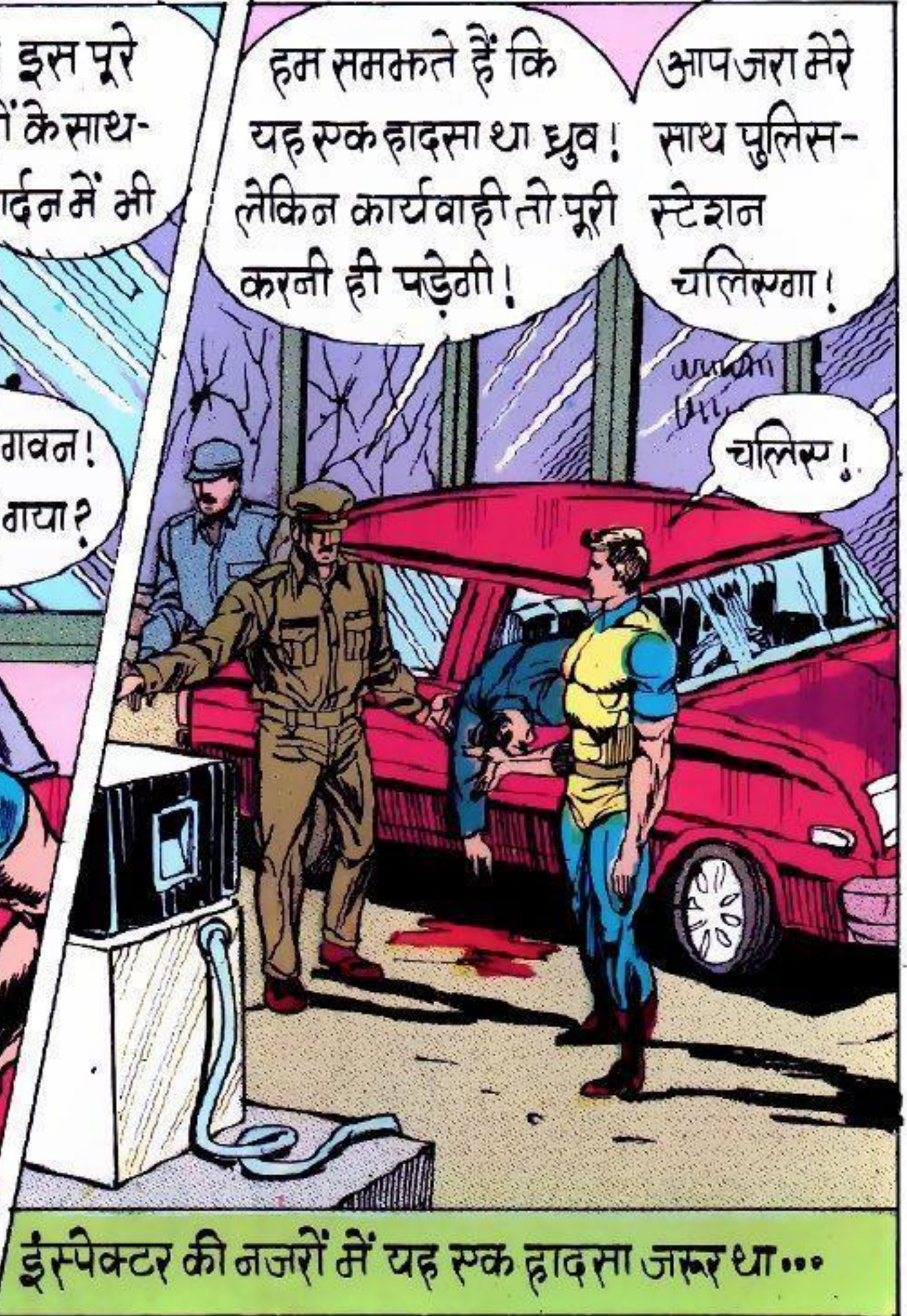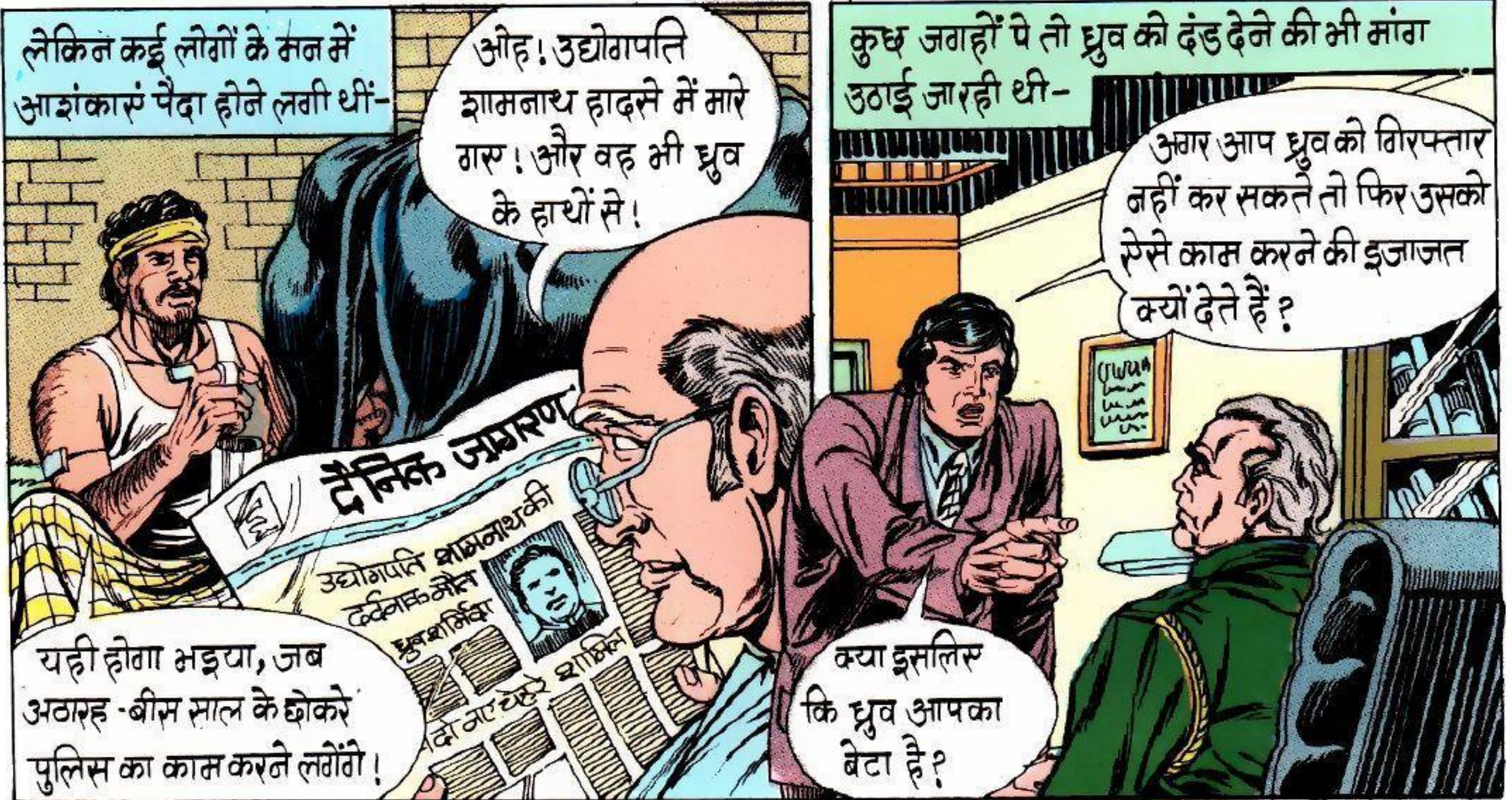
हां! पुलिस हॉस्पीटल जा रहा हूं। दरअसल अभी ध्रुव ने एक लड़के को कुछ गुंडों से बचाया था। लड़का गंभीर अवस्था में हॉस्पीटल में लाया गया था। मैं उसी को देखने हॉस्पीटल जा रहा हूं।...
...तुम भी चलना चाहो तो चलो। यहां का काम रेणु देख लेगी।
नो प्रॉब्लम!
ऐसी क्या खास बात है उस लड़के में?
वह लड़का कुछ दिनों पहले, कुछ समय के लिए होश में आया था। उसने बयान दिया था कि एक आदमी ने उसको हेरोइन के पैकेट से भरा वीडियो कैसेट, नताशा तक पहुंचाने के लिए दिया था। ताकि इंस्पेक्टर शमशेर सिंह नताशा को रंगे हाथों पकड़ सके!...
...लेकिन उसने डर के मारे उस आदमी का नाम बताने से साफ इंकार कर दिया, जिसने उसे कैसेट दिया था!
इतना बताने के बाद वह फिर बेहोश हो गया। इसलिए ध्रुव ने उस पर सख्त पहरा बैठा दिया है, ताकि उसको मारने की कोशिश न की जा सके! उस लड़के को अब धीरे-धीरे होश आ रहा है। अब देखना यह है कि वह उस आदमी का नाम अभी बताता है या नहीं!
वरूंऊऊऊ
वैसे तो उसको देखने ध्रुव ही जाता था। लेकिन तुमको पेपर से पता चल ही गया होगा कि फिलहाल वह अपनी दूसरी समस्या से निबटने में व्यस्त है।
हां, पढ़ा तो था! लेकिन यकीन नहीं आया।
कैप्टेन किसी को नहीं मार सकता! दुर्घटनावश भी नहीं! उसका निशाना कभी चूकता ही नहीं!
अगर पीटर को ध्रुव के निशाने पर भरोसा था...
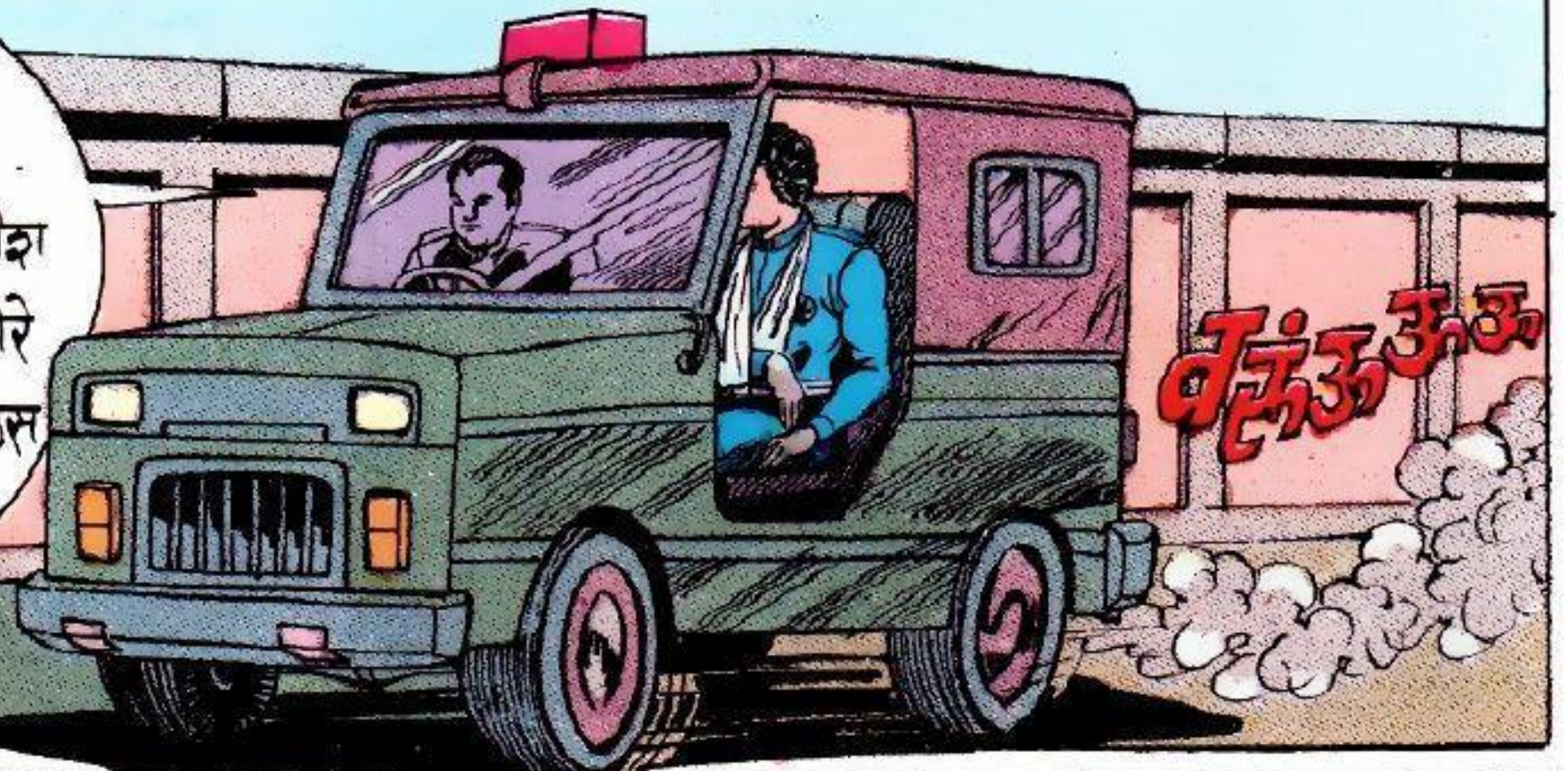
... तो किसी और को भी अपने निशाने पर पूरा विश्वास था-

एक निशाना तो लग गया। सुपर कमांडो ध्रुव अपराधी साबित होकर ही रहेगा...

... क्योंकि उस स्टार-ब्लेड पर सिर्फ ध्रुव की उंगलियों के निशान हैं, जिसने शामनाथ की हत्या की है।

लेकिन पुलिस इसे एक हादसा मान रही है स्कीमर!...

... इससे ध्रुव को कोई सजा नहीं होगी!
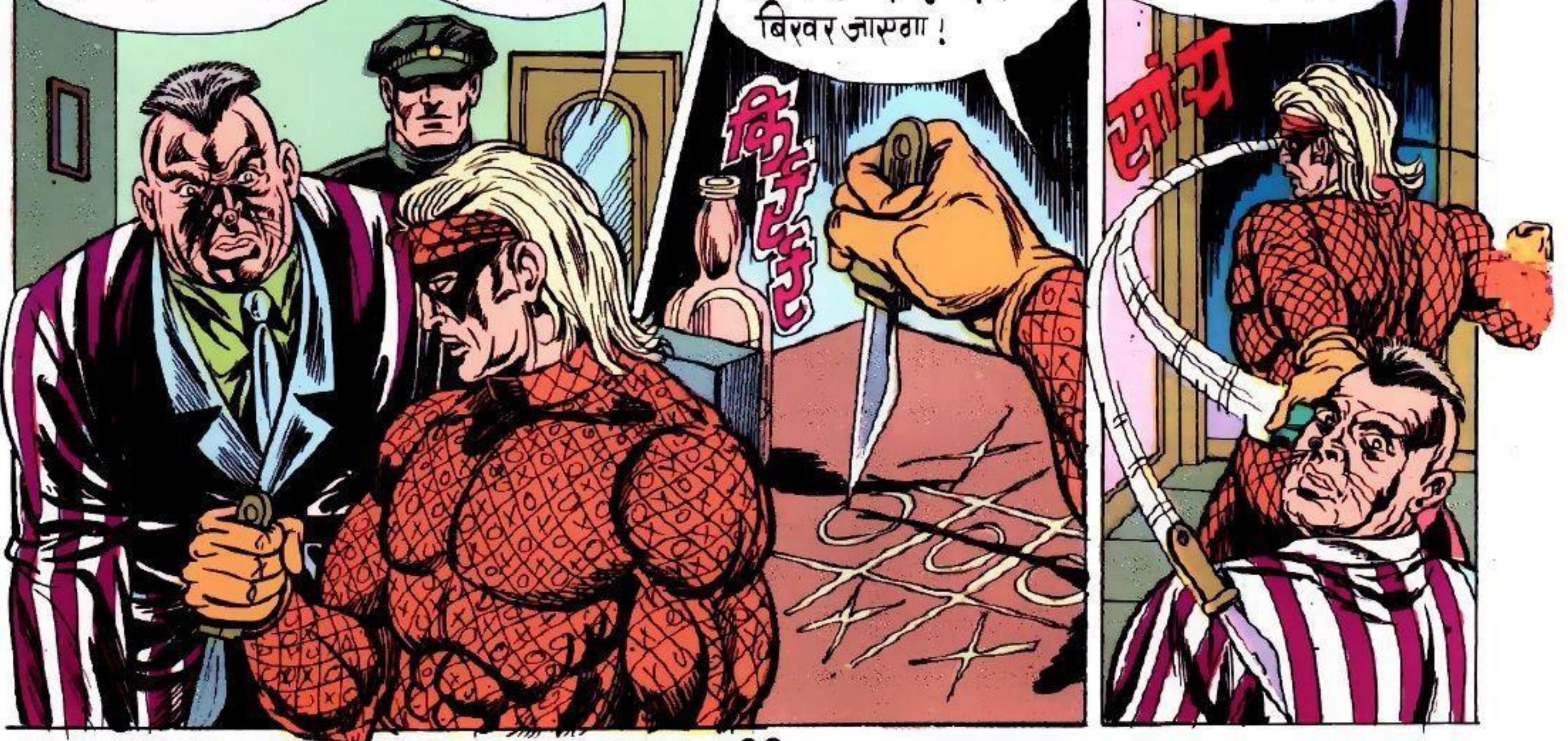
और वहां से दूर-

ये सब झूठ है। मेरा भइया किसी की हत्या नहीं कर सकता!

चर्र र्र र्र

ये सच है श्वेता! ऐसा मैंने जानबूझ कर नहीं किया, लेकिन अंजाने में मेरे हाथों से एक व्यक्ति मारा गया!

और इस वक्त कानून का रखवाला सुपर कमांडो ध्रुव जमानत पर है!

अब तुमको बहुत संभलकर काम करना पड़ेगा ध्रुव! अगर इस वक्त तुम्हारे हाथों से फिर कोई गड़बड़ हो गई, तो एक तो जमानत रद्द हो जाएगी, और दूसरे जज का रुख भी ज्यादा कठोर हो जाएगा...

आप फिक्र मत कीजिए पापा! कोई गड़बड़ नहीं होगी। मुझे बस उस सुनहरे बाल वाले आदमी का पता मिल जाए जो पेट्रोल पंप से भागा था तो...
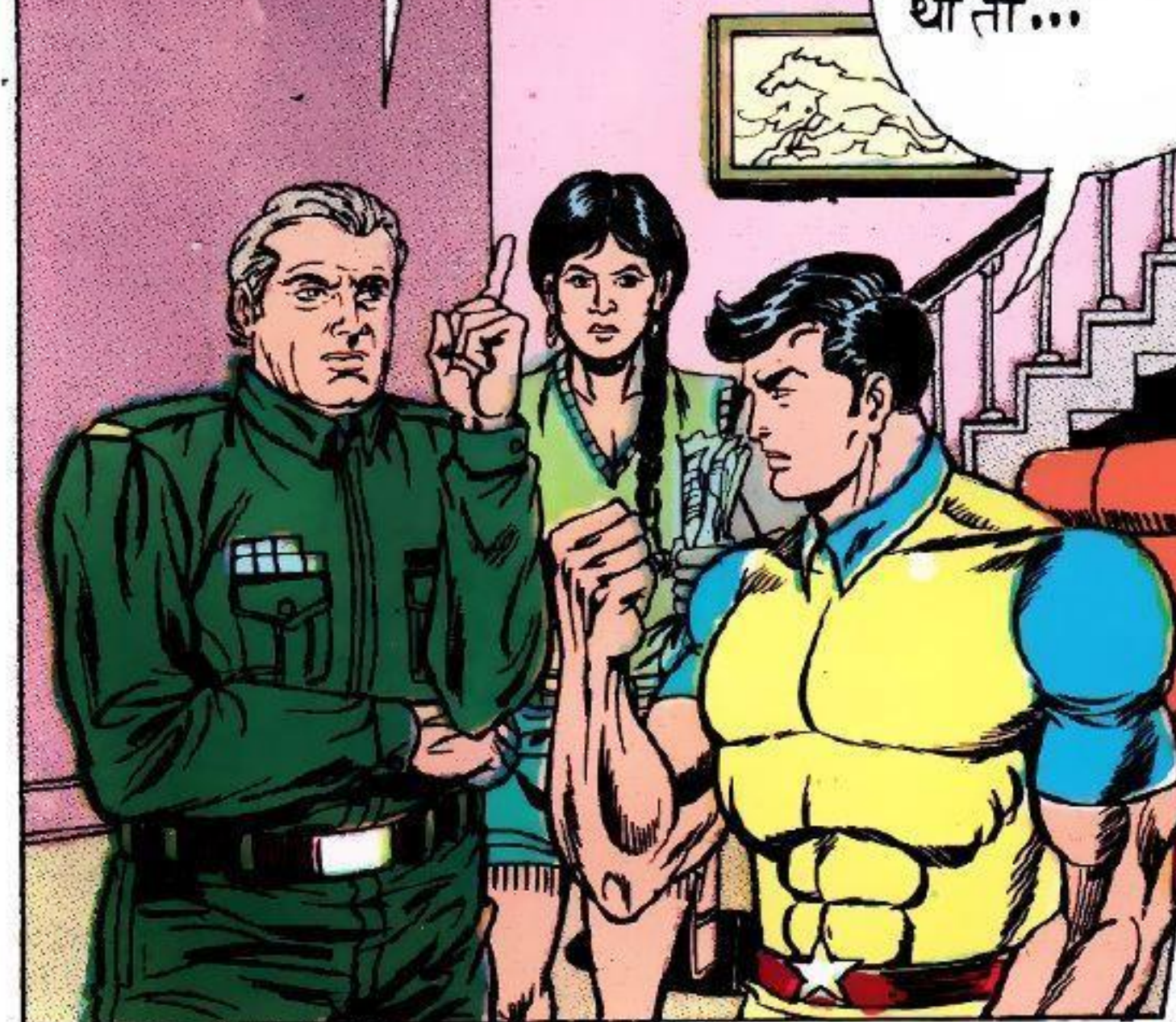
ट्रिन ट्रिन ट्रिन..

मैं देखता हूं!

हैलो!

सुपर कमांडो ध्रुव! ध्यान से सुनो! अगर तुम पेट्रोल पंप वाले हादसे के बारे में सच्चाई जानना चाहते हो तो मुझसे मिलो...

... मैं तुमको पोद्दार रोड पर, एमको कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा बनाई जा रही बिल्डिंग साइट पर मिलूंगा। पर ध्यान रहे, अकेले आना, और जल्दी आना।
मैं तुरन्त आता हूं।
कहां जा रहे हो ध्रुव ?
एक रहस्यमय की गुत्थी सुलझाने, पापा ! ...
... घबराइए मत ! मैं सही-सलामत वापस लौट आऊंगा !
यह या तो मेरा कोई हमदर्द है और या फिर मेरा शिकारी ! ...
... मैं दोनों ही परिस्थितियों के लिए तैयार रहूंगा। क्योंकि सच्चाई तो मुझे जाननी ही है।
और इसी वक्त-किसी और स्थान पर-
ध्रुव के हाथों दुर्घटनावश एक हत्या
इंपासिबिल ! ध्रुव अगर आंखों पर पट्टी बांधकर निशाना साधे, तो भी उसका निशाना चूक नहीं सकता। यह जरूर उसको फंसाने की चाल है। ...
... किसकी मौत ने आवाज दी है, जो उसने ध्रुव के साथ ऐसा करने की जुर्रत की ?
अपने सारे अंडर-वर्ल्ड के संपर्क सूत्रों से पता करो हल्क कि किस मच्छर ने ध्रुव का एक बूंद खून चूसने की कोशिश की है ?
जी आज्ञा कमांडर नताशा।

और पोद्दार रोड पर-
AMC CONSTRUCTION
यह मैं 'एमको कंस्ट्रक्शन कंपनी' की साइट पर तो आ गया। लेकिन यहां तो कोई नजर नहीं आ रहा है! शायद आज काम बंद है, और मुझे बुलाने वालों को इस बात का पता है...
...लेकिन यहां पर मैं उसको ढूंढूंगा, या वह मुझको ढूंढ लेगा...
...यह आवाज कैसी है?
हवा की सरसराहट ने ध्रुव को इतना सतर्क कर दिया...
सर्रर्रर्रर्रर्र
...कि वह अपनी तरफ बढ़ती मौत से बच सके—
ओ माई गॉड! इतना खतरनाक बूमरैंग! यानी मेरे मेजबान ने ही मुझे ढूंढ लिया है!
खचाक
हवा में घूमता हुआ बूमरैंग---

... वापस अपने मालिक की तरफ घूम गया–

और साथ ही साथ ध्रुव की भी नजरें घूमती हुई...

... बूमरैंग को फेंकने वाले पर जा टिकीं–

आओ सुपर कमांडो ध्रुव! तुम्हारी शवयात्रा में तुम्हारा स्वागत है। देखो, मौत का फरिश्ता बूमबैंग खुद तुम्हारे स्वागत के लिए खड़ा है।...

... लेकिन मुझे तुम्हारी बॉडी देखकर लग रहा है कि तुम्हारा वजन काफी ज्यादा है। तुमको दो टुकड़ों में बांट दिया जाए, तो अर्थी उठाने वालों को शायद कम वजन उठाना पड़े।...

... क्योंकि तब वे दो टुकड़ों की दो अर्थियां बना सकते हैं।

ऐसे मामूली खिलौनों से मेरे टुकड़े हो सकते तो मैं कभी का दुनिया से उठ गया होता बूमबैंग!

तड़.

ये ऊंचाई पर खड़ा है! और ये बात इसकी ताकत बन गई है। इसको नीचे लाना होगा।...
...ताकि मुकाबला बराबरी का हो सके।
ध्रुव ने उस लंबे बांस को पोल-वॉल्ट की तरह तानकर एक तेज दौड़ लगाई-
और बूमबैंग के पैर उस ऊंचाई से उखड़ गए-
ताड़
इतनी ऊंचाई से गिर कर यह मरेगा तो नहीं! लेकिन इस हालत में जरूर पहुंच जाएगा कि बगैर एंबुलेंस के अस्पताल न जा सके!
लेकिन ध्रुव का मुकाबला इस बार किसी मामूली गुंडे से नहीं था-
गिरते-गिरते भी बूमबैंग ने अपनी पीठ पर लगे विशाल बूमरैंग को उतारा...
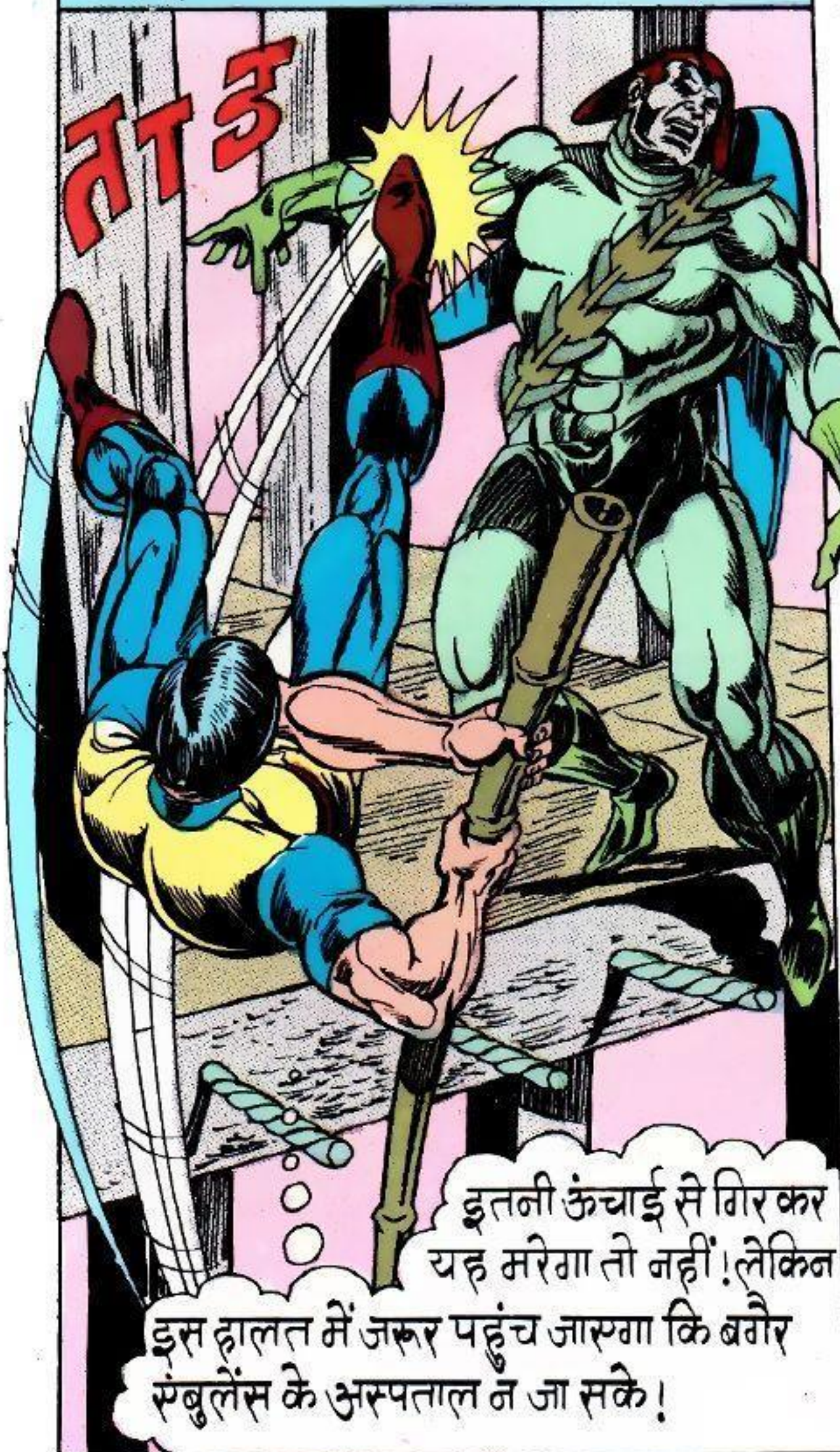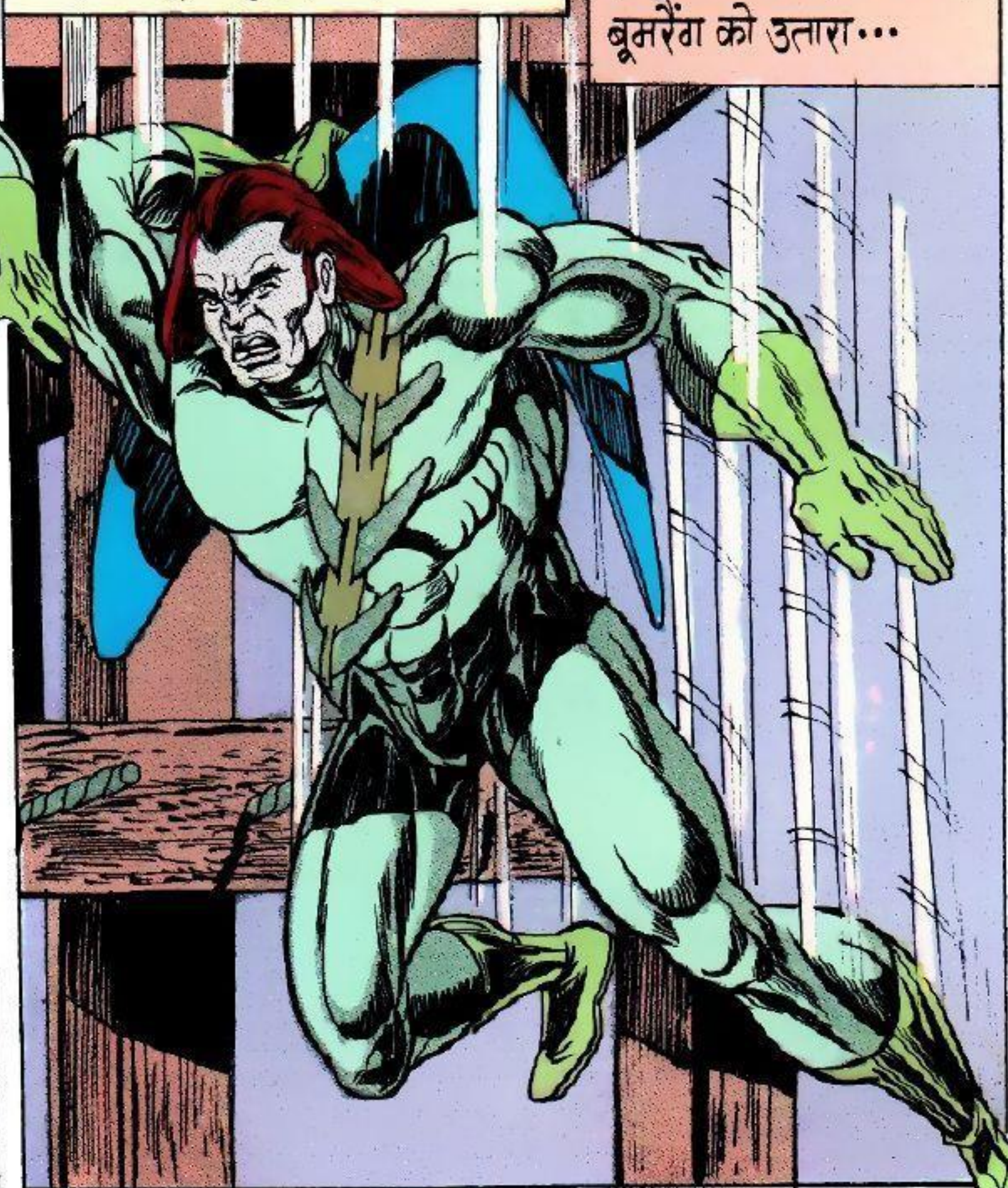
...उसका हाथ हवा में ही घूमा...
सर्ररररररर
...और हवा में उड़ता हुआ बूमरैंग, हवा में ही वापस घूमकर...
...उसके पैरों के नीचे आ टिका –
घटप
और हवा में तैरता हुआ बूमबैंग सुरक्षित जमीन पर उतर गया –
इस करतब से ध्रुव भी कुछ क्षणों के लिए स्तब्ध रह गया –
और बूमबैंग ने इसका पूरा फायदा उठाया –
?
बहुत खेल हो गया, ध्रुव! ले संभाल मेरे 'विस्फोटक' बूमरैंग को ...
... ये तेरे चिथड़े उड़ा देंगे। बच सकता है तो बचकर दिखा!
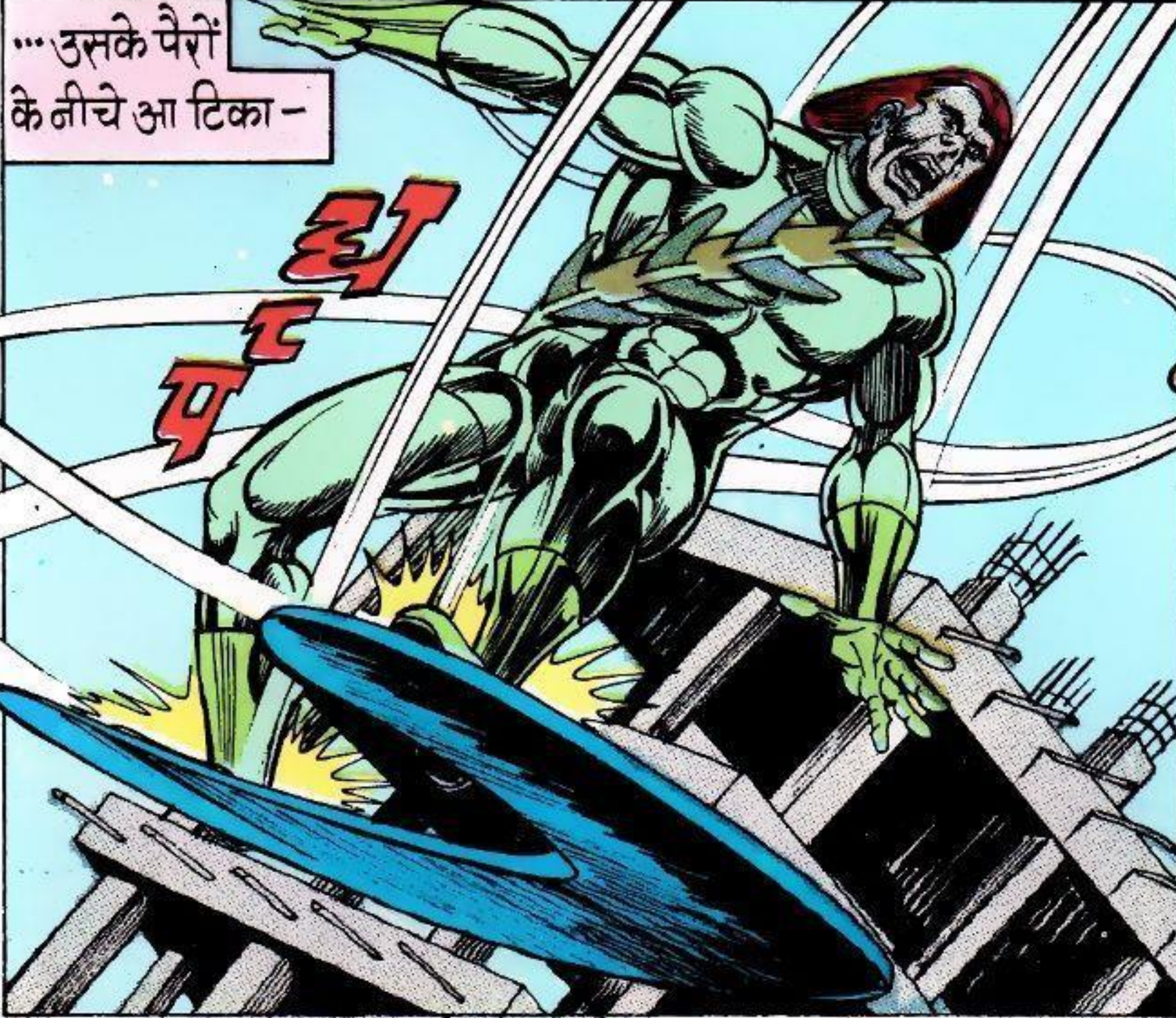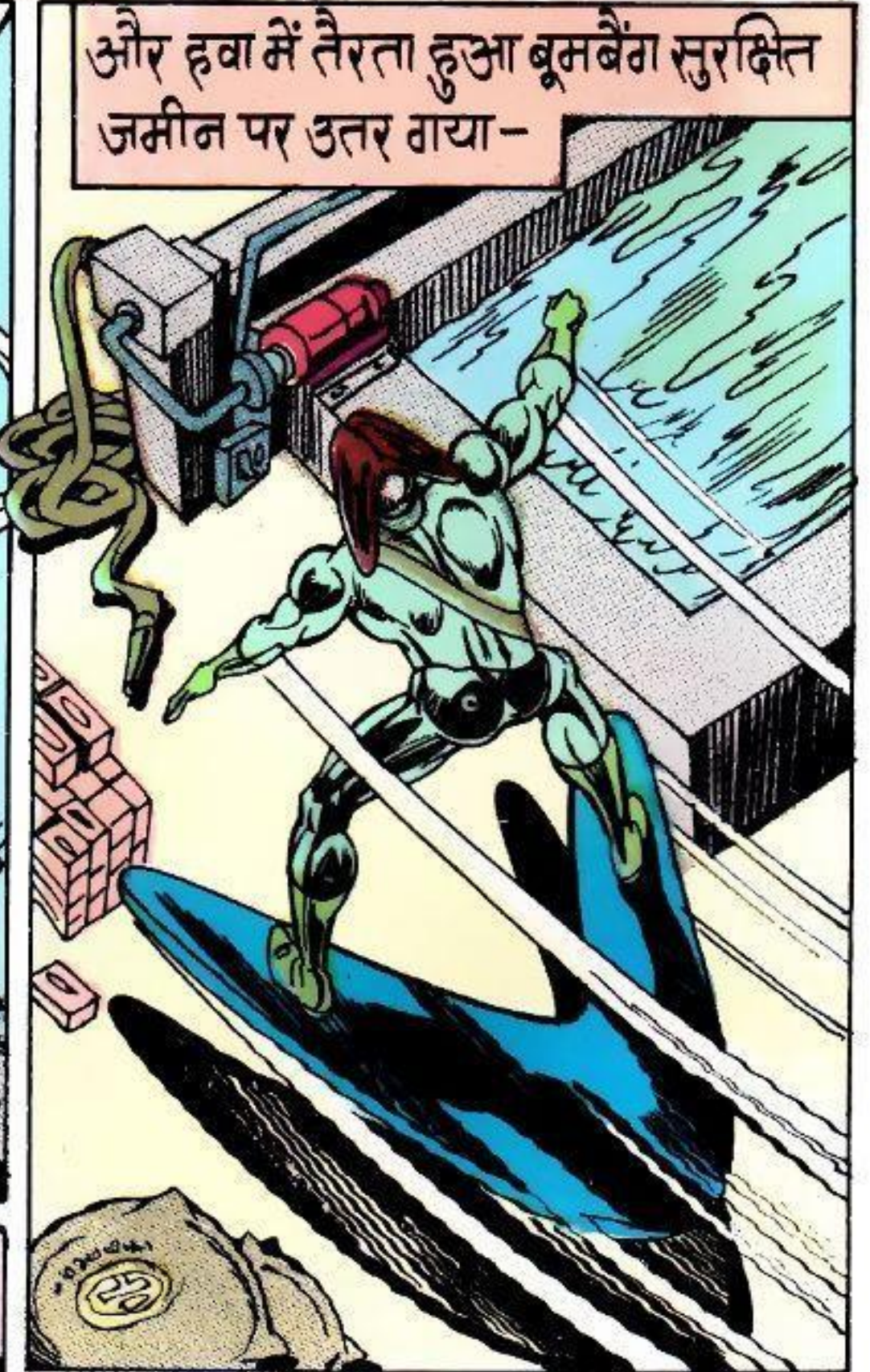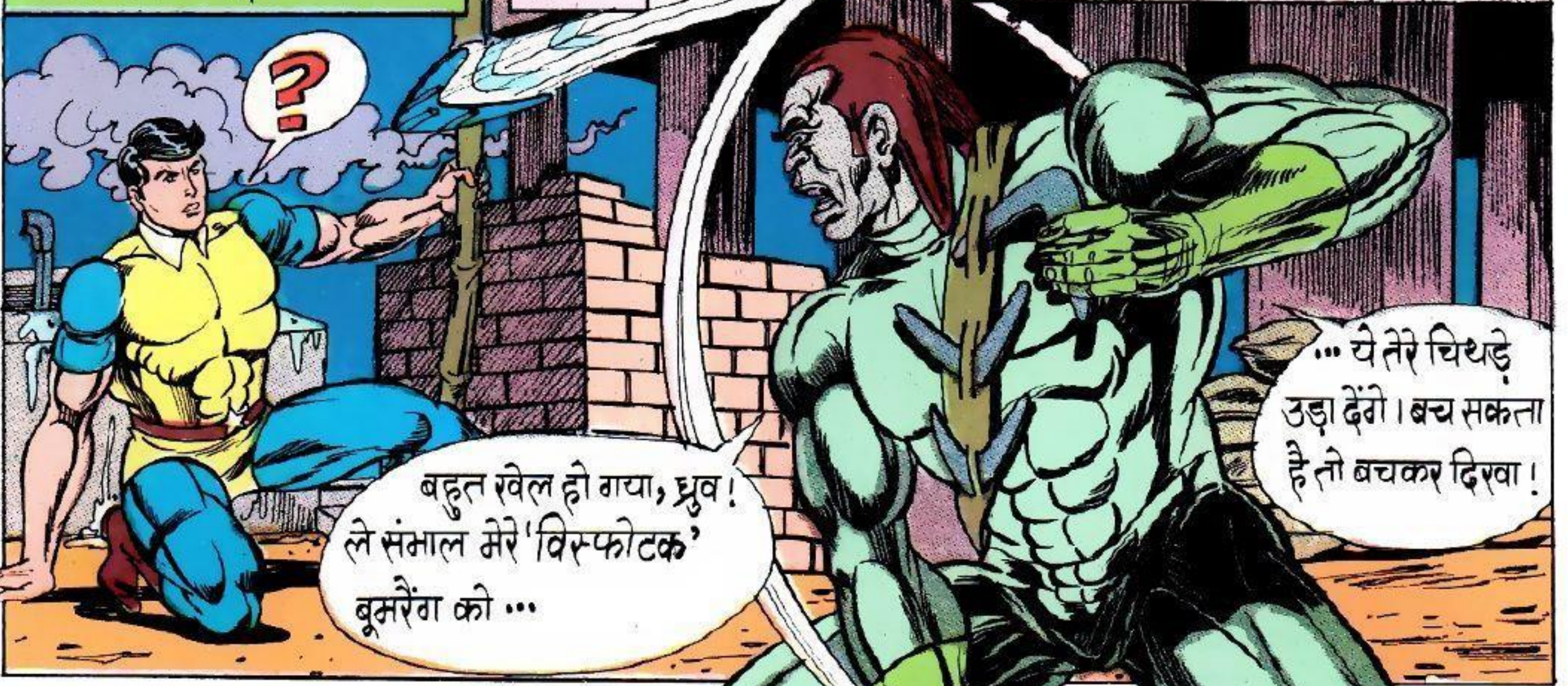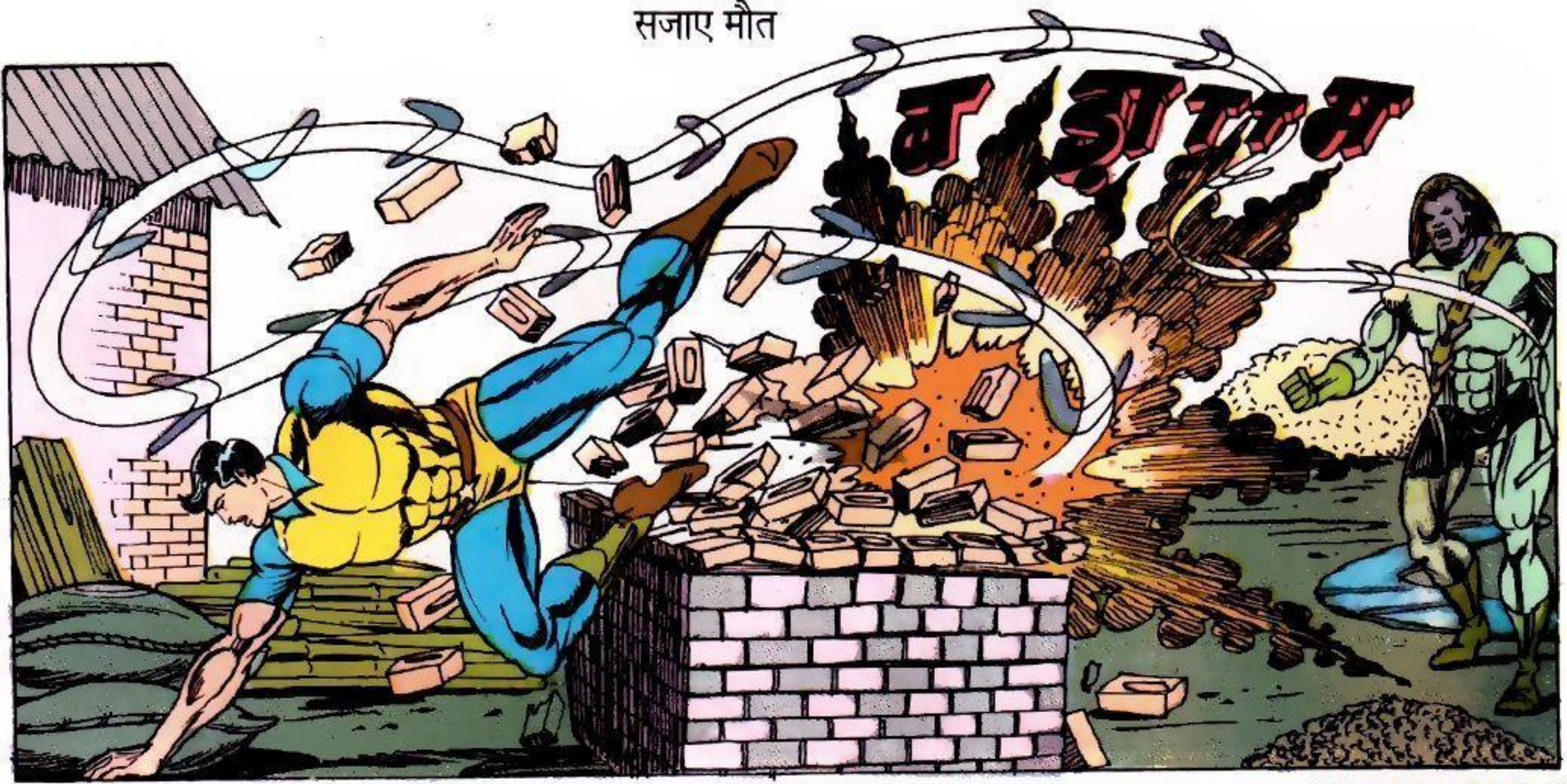
ब ड़ा ा ा म
ओह! ये बूमरैंग तो बड़े शक्तिशाली विस्फोटक हैं। और इनके उड़ने की दिशा इतनी आड़ी-तिरछी है कि इस पर स्टार-ब्लेड से निशाना लगा पाना बहुत मुश्किल है।...
...लेकिन इनसे निबटने का कोई न कोई रास्ता जल्दी सोचना होगा, वर्ना ये विस्फोटक कहीं मुझको ही निशाना...
...न बना लें!...
आऽऽऽह!
बड़ा ा ा म
एकदम पास हुए धमाके की लहर ने...
...ध्रुव को उठाकर दूर फेंक दिया—
ओह! इनको निष्क्रिय करना ही होगा, और बमों को निष्क्रिय करने का एक ही तरीका है, कि उनको पानी में डुबो दिया जाए। पर इस बूमरैंग को पकड़कर पानी में डुबोया कैसे जाएगा?
एक मिनट! यह बोरिंग शायद मेरे काम आ सके! फिलहाल तो यही एक तरीका नजर आ रहा है।
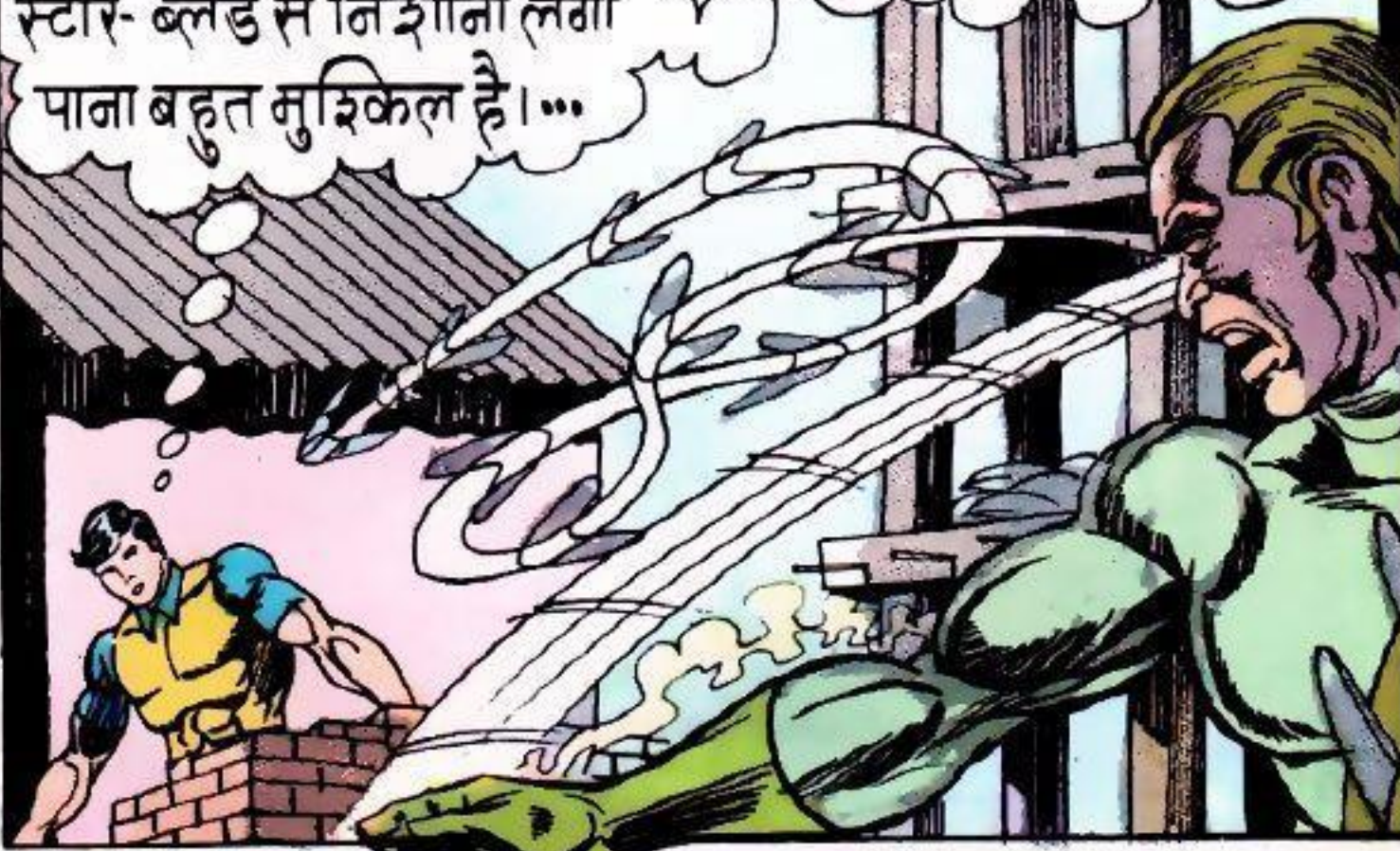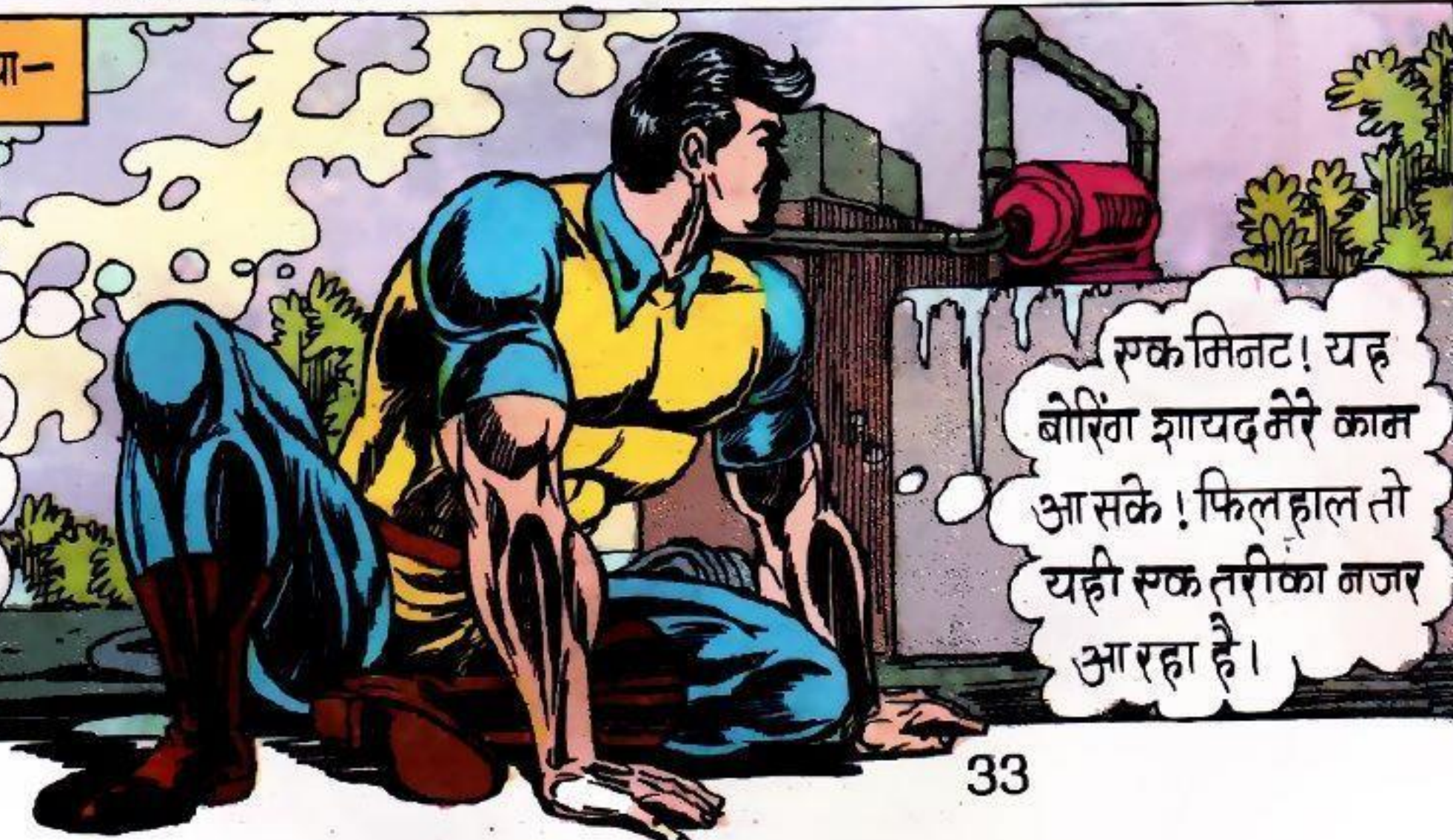
इधर ध्रुव ने लपककर, बोरिंग की मोटर-पंप का स्विच ऑन किया-
क्लिक
और उधर से एक और विस्फोटक बूमरैंग उसकी तरफ हवा में उड़ा-
लेकिन इस बार ध्रुव के पास निशाना लगाने के लिए हथियार था-
फ्रिच्छ
धड़ाक
...स्कीमर ने ठीक ही कहा था...
ओह! एक तो बूमरैंग बम पानी में भीगकर निष्क्रिय हो गया, और दूसरे तेज धार ने उसकी उड़ान को भी खत्म कर दिया...
फटाचाक
...कि ध्रुव को हरा पाना असंभव है।
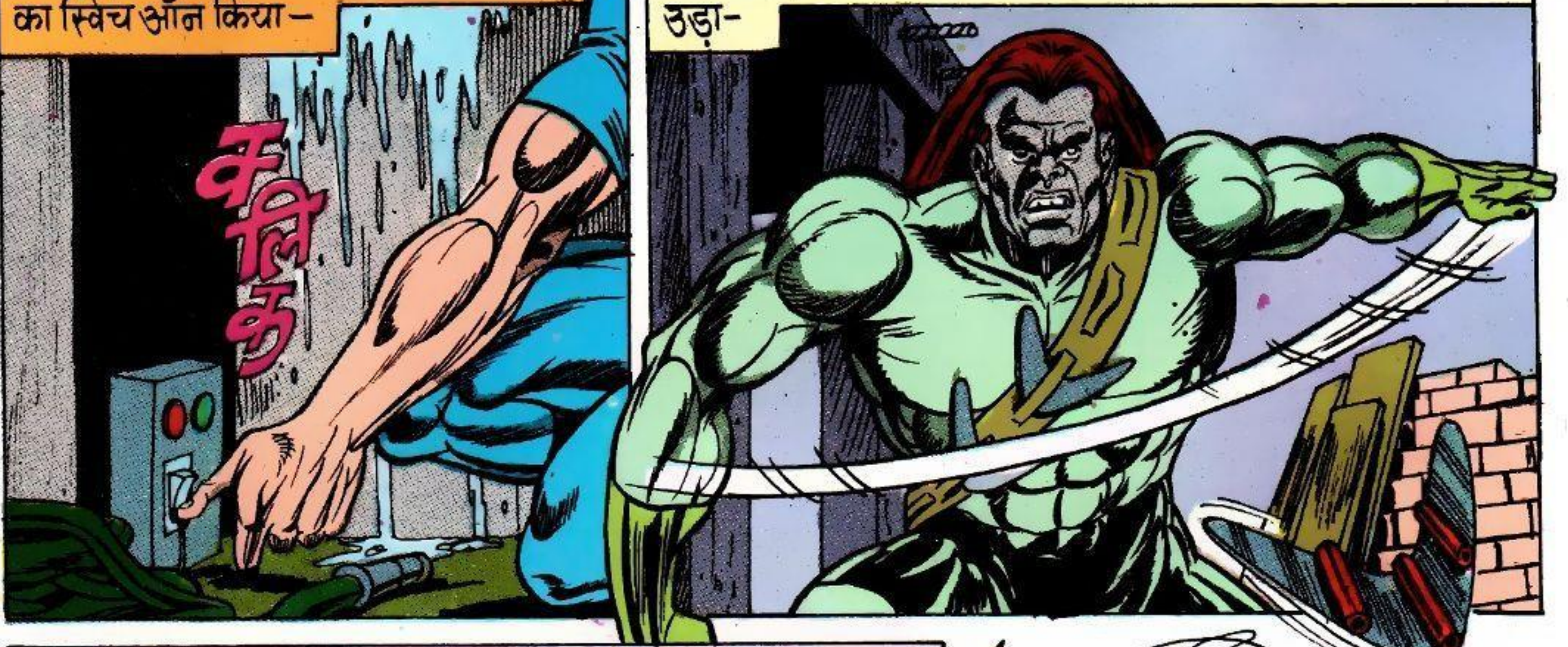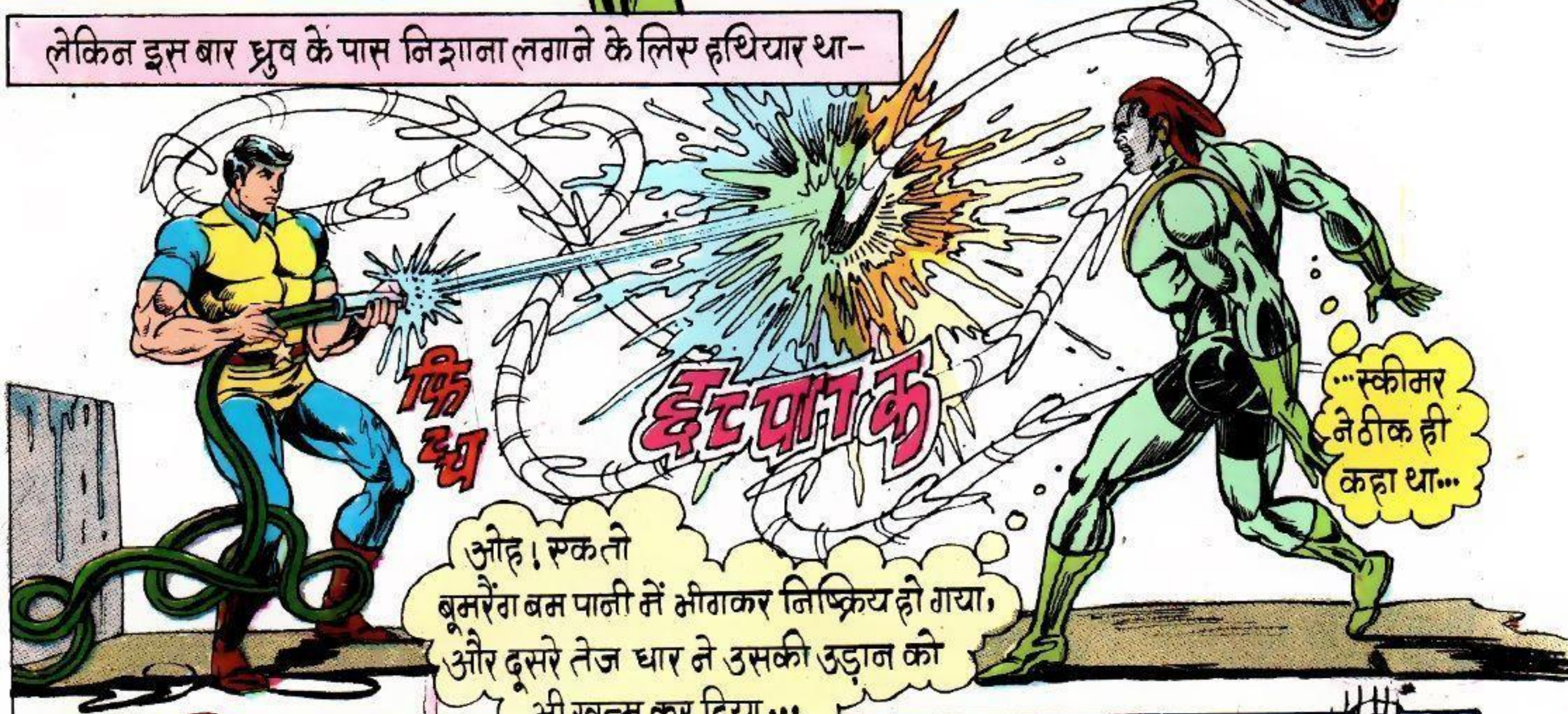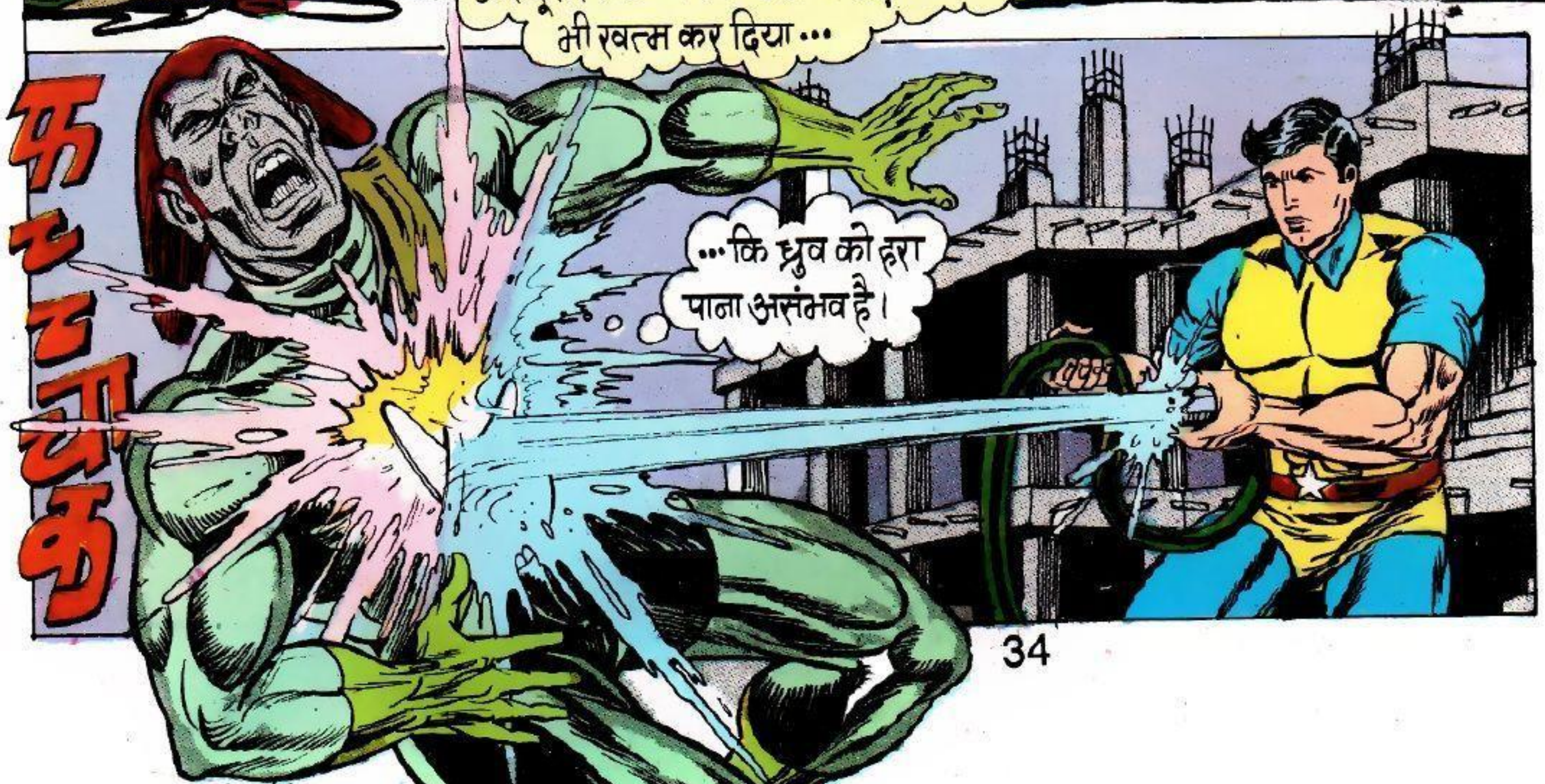
क्योंकि ध्रुव अपने पास स्टार-ब्लेड के अलावा और कोई हथियार नहीं रखता। वह अपने आस-पास की चीजों को ही हथियार बना लेता है। और उन चीजों से निबटने का तरीका तुरन्त सोच पाना बहुत मुश्किल है। ओह! गलब!
इस तेज धार ने मुझे बेबस करने के अलावा, मेरे विस्फोटक बूमरेंगों को भी निष्क्रिय कर दिया है। ...
...अब मुझे स्कीमर के निर्देशों का पालन करना होगा। उसने मुझे, ध्रुव को न हरा पाने की स्थिति में भागकर सेंट्रल मार्केट जाने को कहा था।
और वहीं पर- एक खंभे की आड़ में-
तो आखिरकार बूमबैंग को भागने की अक्ल आ ही गई! मुझे पता था कि इसके फरिश्ते भी ध्रुव को मार नहीं सकते।
वैसे अगर ये न भाग पाता, तो मैं इसकी मदद भी करने को तैयार था...
...अब ये भागकर सेंट्रल मार्केट पहुंचेगा। ध्रुव भी इसके पीछे लगा होगा। और तब बूमबैंग वही करेगा जो मैंने उसे बताया है।
मुझे शॉर्ट-कट से मार्केट इनसे पहले पहुंचना होगा।
ताकि मैं वह मनमोहक नजारा अपनी आंखों से देख सकूं।
सेंट्रल मार्केट, पोद्दार रोड से ज्यादा दूर नहीं था-

ध्रुव ठीक मेरे पीछे आ रहा है...
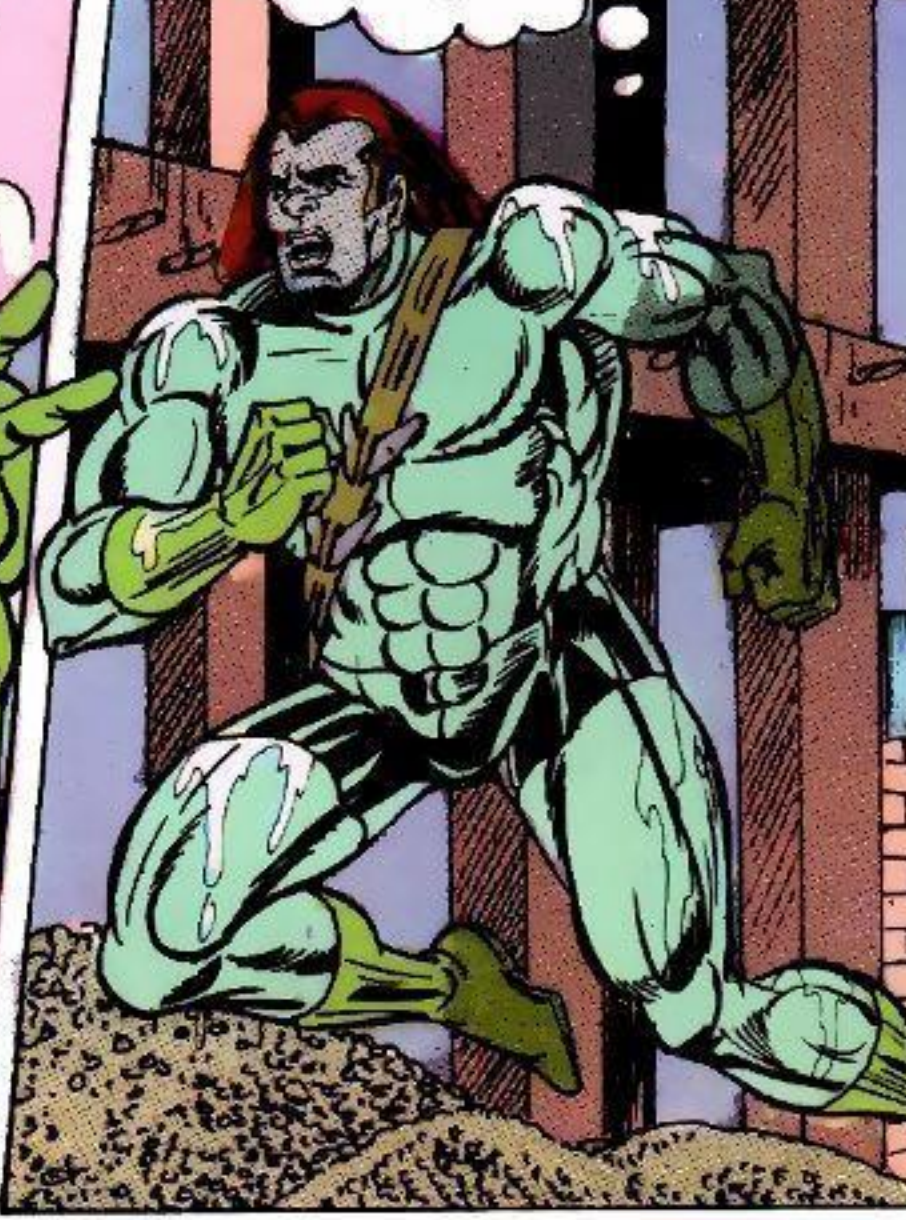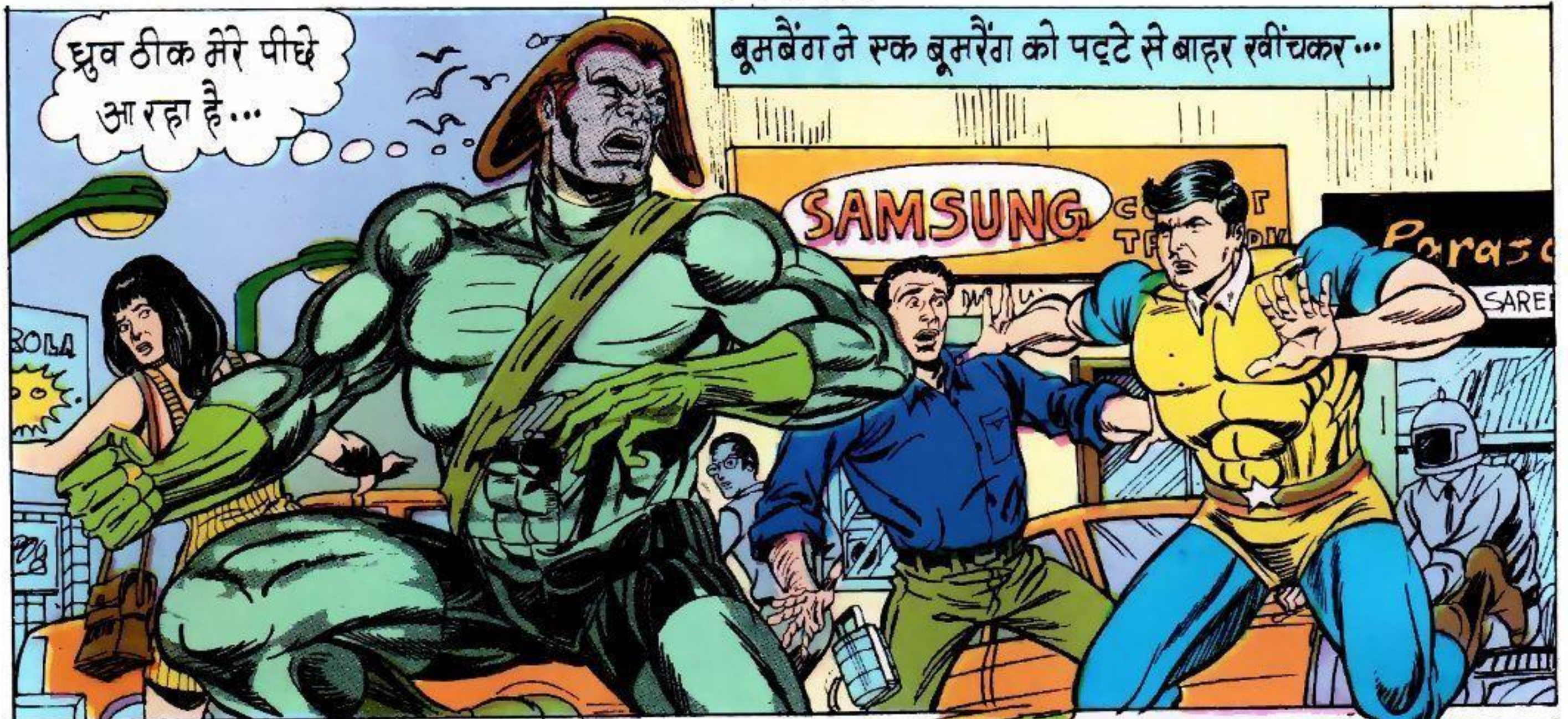
बूमबैंग ने एक बूमरैंग को पट्टे से बाहर खींचकर...

SAMSUNG

...ध्रुव की तरफ उछाल दिया -

ले ध्रुव! पकड़ सकता है तो पकड़ ले इसे!

बूमरैंग जितनी आसानी से फेंका गया था, उतने ही आराम से ध्रुव ने उसे लपक लिया-

हा हा हा! अब तू मेरे जाल में फंस गया है ध्रुव! अब तू मेरा पीछा करना छोड़कर, इस बूमरैंग को ठिकाने लगाने की सोच!...

...क्योंकि यह बूमरैंग एक टाइम-बम बूमरैंग है। ठीक पंद्रह सेकेंड बाद यह फट जाएगा! धड़ाsss क!

और अब मैं हल्ला मचाने जा रहा हूं।

अरे बचो रे! भागो! अपनी-अपनी जान बचाओ!...

...सुपर कमांडो ध्रुव पागल हो गया है। मार्केट में टाइम बम लेकर घूम रहा है। जो पंद्रह सेकेंड बाद फट जाएगा।

क्या?

ध्रुव के पास टाइम-बम है!!

अगले ही पल- मार्केट में भगदड़ मच गई। और सबकी जुबान पर एक ही बात थी-
भागो! ध्रुव के पास टाइम-बम है!
अरे! बम कोई मार्केट में लेकर घूमने की चीज है? कैसे-कैसे पागल हैं!
ये अब शामनाथ की जान लेने के बाद, हम सबकी जान के पीछे पड़ा है!
पुलिस! पुलिस!
हा हा हा! सुपर कमांडो ध्रुव! अब देखते हैं कि तू क्या करता है! अब या तो तू अपने चिथड़े उड़वाले, या फिर जहां पर भी बम फेंकेगा, वहां पर तबाही मचवाले!...
... अब फंस गया तू बच्चे!
यही ख्याल ध्रुव के दिमाग में भी घूम रहे थे-
ओफ! बचने के लिए अच्छी चाल चली है बूमबैंग ने। इसको रखता हूं तो मर जाऊंगा, और फेंकता हूं तो मारा जाऊंगा...
... लेकिन ये चाल इतनी अच्छी नहीं है कि ध्रुव को रोक सके!
चीं चीं चीं!
... क्योंकि कहीं भी फेंकूं, यह बम फटकर कुछ न कुछ तबाही तो मचाएगा ही। और उसका इल्जाम मेरे सिर आएगा...
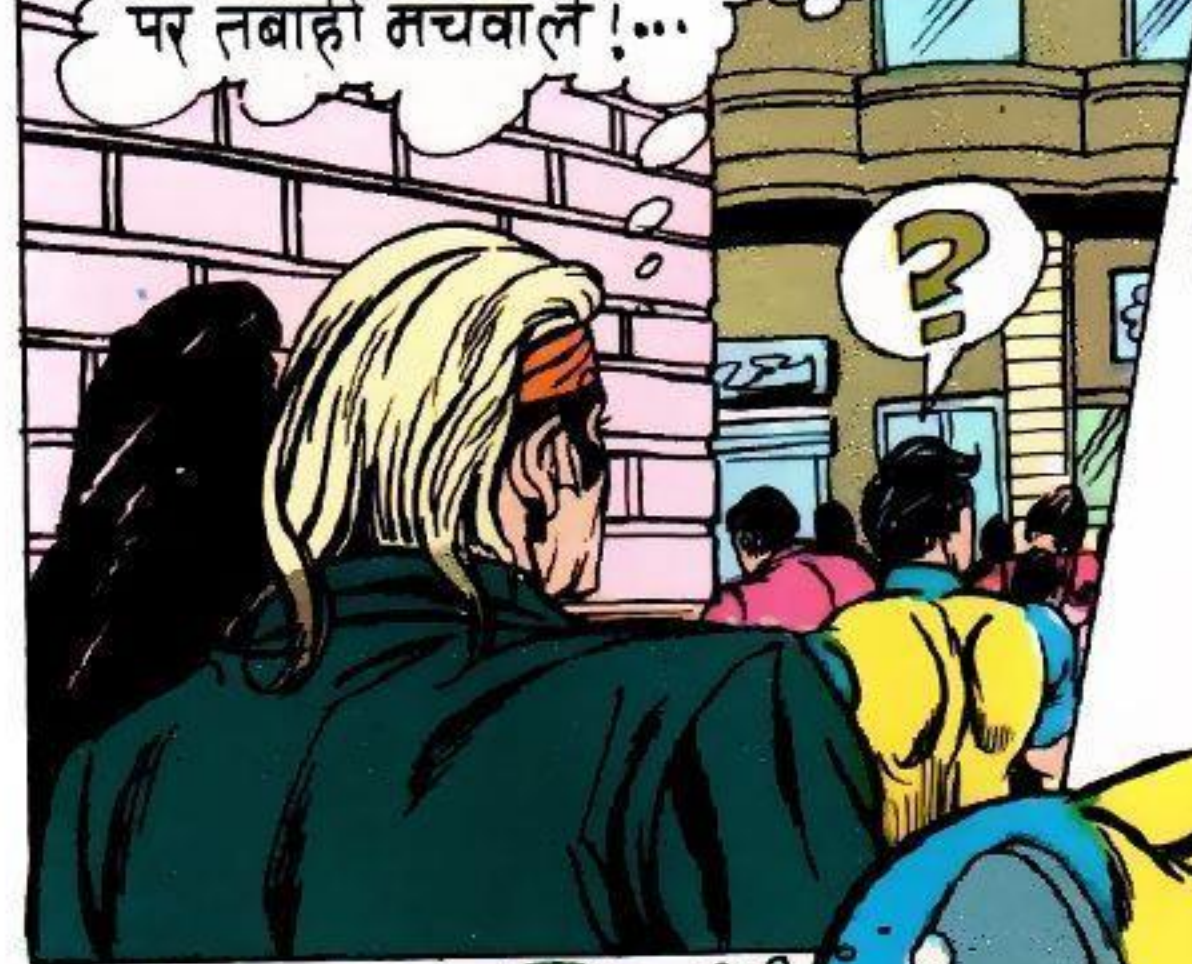
इधर ध्रुव के हाथ से छूटकर टाइम-बम बूमरेंग हवा में ऊपर उछला ...
... और उधर उसके गले से उभरी आवाज को सुनकर एक चील तेजी से नीचे उतरी–

और अपने पंजों में बूमरेंग को दबाकर तेजी से ऊपर की ओर उड़ी–

कुछ ही पलों में चील सैकड़ों फीट की ऊंचाई पर पहुंच चुकी थी–
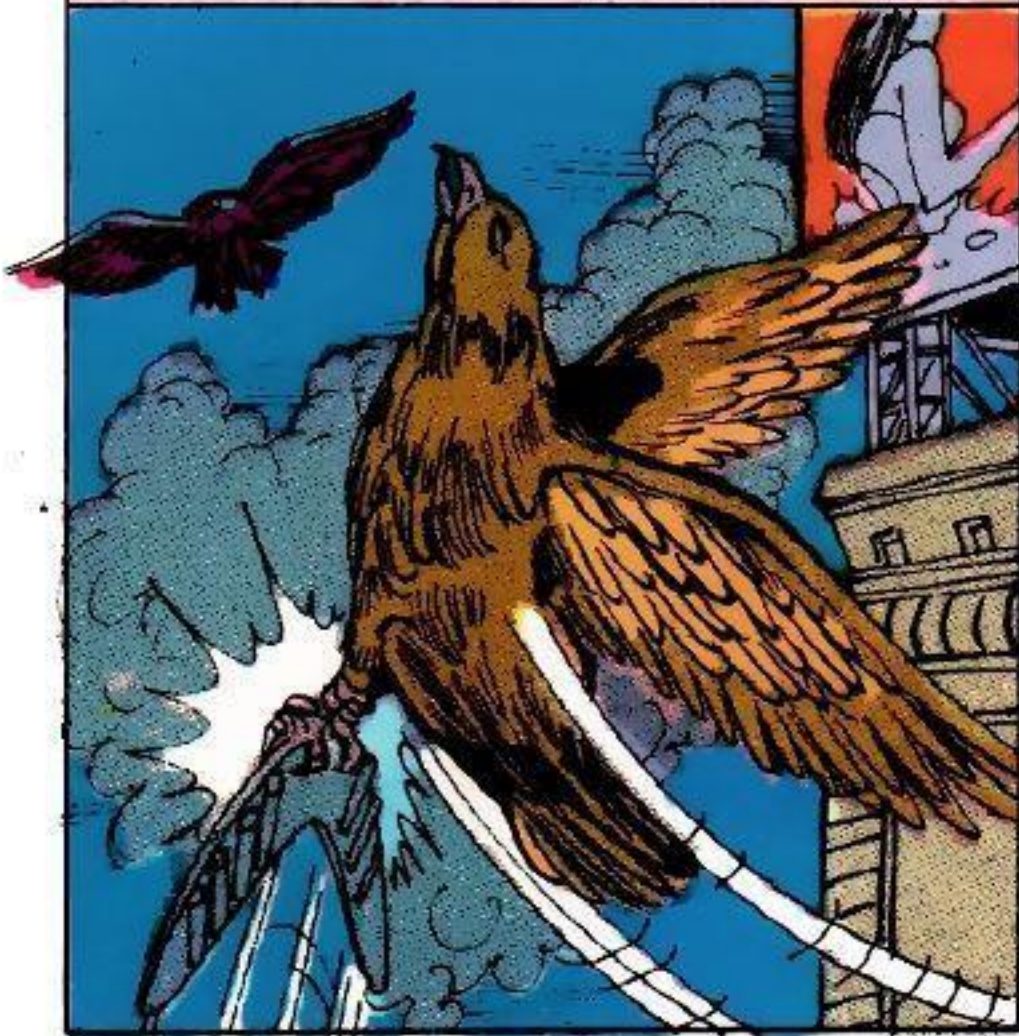
इतनी ऊंचाई पर पहुंचकर उसके पंजों ने बम को छोड़ दिया–

और एक सेकेंड बाद ही एक धमाका हुआ–
धड़ाम
लेकिन यह धमाका किसी को नुकसान नहीं पहुंचा सकता था–

स्कीमर के 'सजाए मौत' का दूसरा सीन फ्लॉप हो गया था–
ओफ्! ध्रुव ने अपनी विलक्षण बुद्धि और फुर्ती से मुझे मात दे दी। अगर ये बम फट जाता, तो ध्रुव को कम से कम उम्र कैद मिलने का रास्ता पक्का हो जाता। लेकिन चलो! ऑपरेशन 'सजा-ए-मौत' के तीसरे सीन में वह रंगे हाथों पकड़ा तो जाएगा ही। तब देख लेंगे!
सुपर कमांडो ध्रुव... जिंदाबाद!

और हॉस्पिटल में-
उस लड़के को होश तो आ गया है करीम, लेकिन वह कोई भी बयान देने से साफ इंकार कर रहा है!
13
कहता है कि वे लोग उसे मार डालेंगे...
...और अब तो उसे बचाने वाला भी कोई नहीं रहा! यही दोहरास जा रहा है!...
इसका क्या मतलब है? मुझे तो कुछ समझ में नहीं आ रहा है?
मतलब साफ है करीम! अभी-अभी उसके किसी करीबी की मौत हो गई होगी। और वह लड़का अपने-आपको असहाय महसूस कर रहा है!
मैं उससे मिलकर उसको समझाने की कोशिश करता हूं।
लेकिन अंदर घुसते ही पीटर की आंखें भी आश्चर्य से फट पड़ीं। और उस लड़के की भी-
जोनाथन! तू यहां पर है! और मैं और फादर परेरा तुझे ढूंढ़-ढूंढ़कर परेशान हो गए!
प...पीटर! मेरे भाई! तू जिन्दा है!
जिन्दा है से तेरा क्या मतलब है?
मैंने सुना था कि किसी ने तुझे गोली मार दी है!
'गोली मार दी' सुनकर तू समझा कि मैं मर गया? अरे, गोली मुझे बाजू में लगी थी पगले...
...लेकिन तू फादर परेरा के पास से भाग क्यों आया था, जोनाथन?

म... मैं घबरा गया था! मैं समझा कि अब मेरा इलाज नहीं हो पाएगा! क्योंकि तेरे पैसे मुझे मिलने बंद हो जाएंगे।

अब तो समझ गया न! अब तो तू बयान देगा न? सब साफ-साफ बताएगा?

बताऊंगा, भाई, बताऊंगा! तू जिन्दा है तो मुझे किस बात का डर? सुन...

और जोनाथन की जुबान सब-कुछ उगलती चली गई-

फिर बाद में-

तो जोनाथन को किसी कैप्टेन ने हेरोइन से भरा वीडियो कैसेट दिया था! पर ये कैप्टेन है कौन?

जोनाथन के बताए हुलिए की मदद से हम कमांडो कंप्यूटर पर उसे तलाश कर सकते हैं।

ठीक है। लेकिन तुमने कभी बताया नहीं कि तुम्हारा एक भाई भी है पीटर!

मेरी बेवकूफी समझ लो करीम! जोनाथन बचपन से ही बुरी संगत में पड़ गया था। छोटी-मोटी चोरियां करने लग गया था। क्योंकि उसे ड्रग्स की लत लग गई थी!

मुझे इस बात का पता तब चला जब मैंने कमांडो फोर्स ज्वाइन कर ली थी।

मैंने तुरन्त उसका इलाज शुरू करवा दिया। लेकिन यह बात तुम सबसे छुपा भी ली थी...

... क्योंकि मुझे डर था कि मेरे भाई के बारे में जानने के बाद मुझे नौकरी से निकाल दिया जाएगा!

मैंने जोनाथन को फॉदर परेरा के अनाथालय में छोड़ दिया और हर महीने उसके खर्चे और इलाज के लिए पैसे भेजता रहा!...

... इस बार अस्पताल में होने के कारण न पैसे भेज पाया और न ही कोई मैसेज! और उसी से सारी गड़बड़ी हो गई।

चलो! अब तो सारी गड़बड़ी दूर हो गई न!

अब चलो, चलकर कैप्टेन को तलाश करो!

कैप्टेन इस वक्त, बार्की और स्कीमर के साथ था-
तुम्हारा दूसरा सीन तो टांय-टांय फिस्स हो गया स्कीमर!
अब मुझे क्या पता था कि वह चील को नीचे बुला लेगा!...
...खैर, 'सजाए मौत' के तीसरे और आखिरी सीन से वह कभी नहीं बच पाएगा।
अब तो उसे शक पड़ चुका है स्कीमर! तुम उसको फांस नहीं पाओगे, क्योंकि वह हर चीज से सतर्क रहेगा!
अपने दोस्तों से सतर्क नहीं रहेगा न? और इस बार वह अपने एक दोस्त से ही टकराएगा।
उधर देखो! मैं अपने अड्डे में बैठा-बैठा भाड़ नहीं झोंक रहा था!
य... यह तो... ब्लैककैट है। इससे तुमने संपर्क कैसे किया?
और इसको ध्रुव से टकराने के लिए राजी कैसे किया?
तुम आम खाओ! पेड़ गिनने का काम मुझ पर छोड़ दो।
आज रात को या तो ध्रुव, ब्लैककैट के हाथों मरेगा...
...और या ब्लैककैट को मारकर फांसी के तख्ते पर चढ़ जाएगा!

और उसी रात-
इस एरिया की मुझे रोज गश्त लगानी पड़ती है। क्योंकि यहां पर 'विजय-महल' होने के कारण टूरिस्ट बहुत आते हैं। जो कभी-कभी रात में देर तक रुक जाने के कारण गुंडों और लुटेरों का शिकार हो जाते हैं।...
...पता नहीं आज भी यहां पर कोई शिकार बनेगा या...
...नहीं...
...यह क्या?
ध्रुव, अपनी मोटरसाइकल से, अलग जा गिरा-
धाड़.
ओफ़! आखिर यह कौन दिलेर लुटेरा है, जो अपने शिकार की ठीक मुझी पर फेंकने की हिम्मत दिखा रहा है।
वह 'लुटेरा' नहीं, 'लुटेरन' है सुपर कमांडो ध्रुव...
...और उसका नाम है...
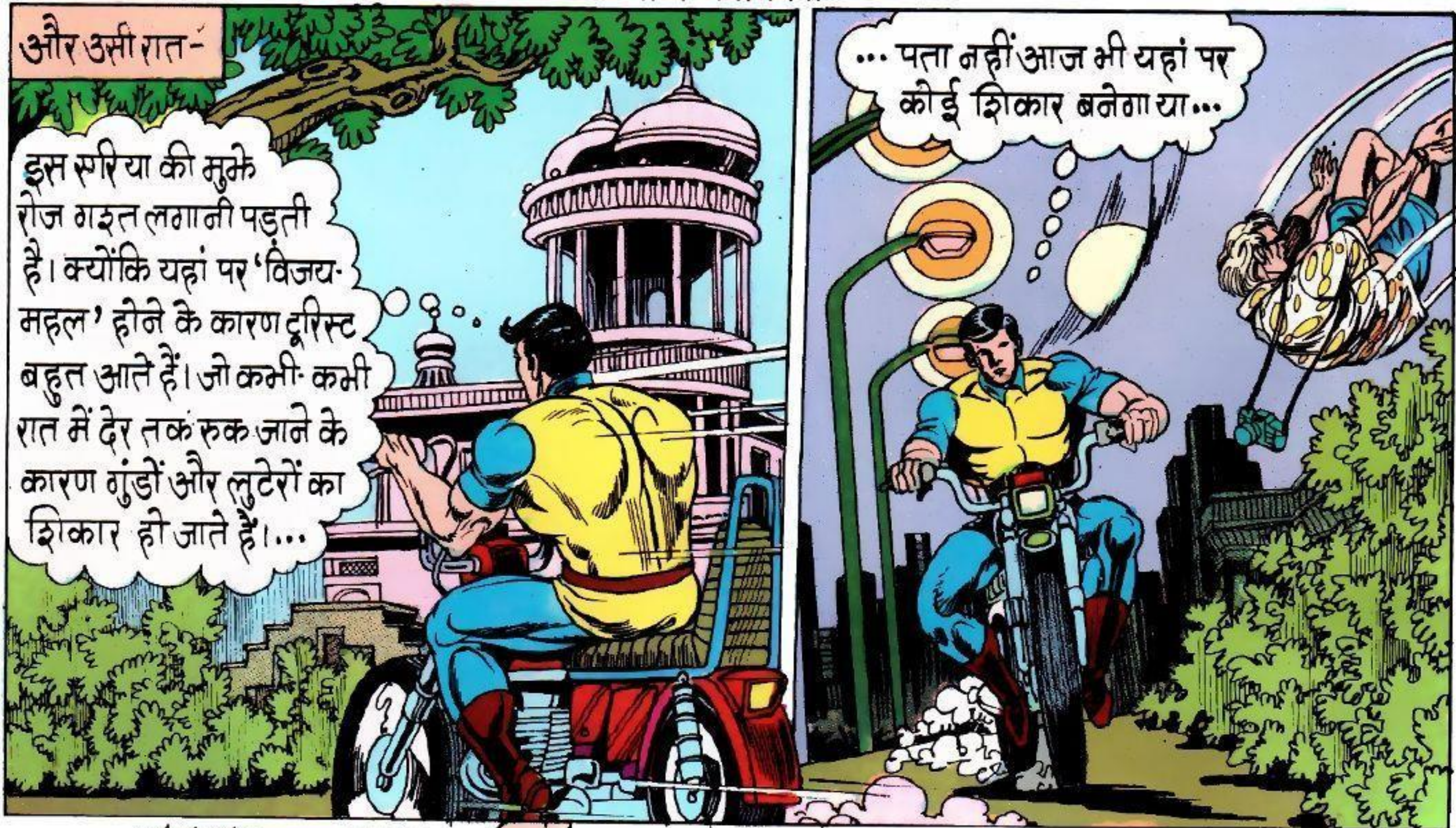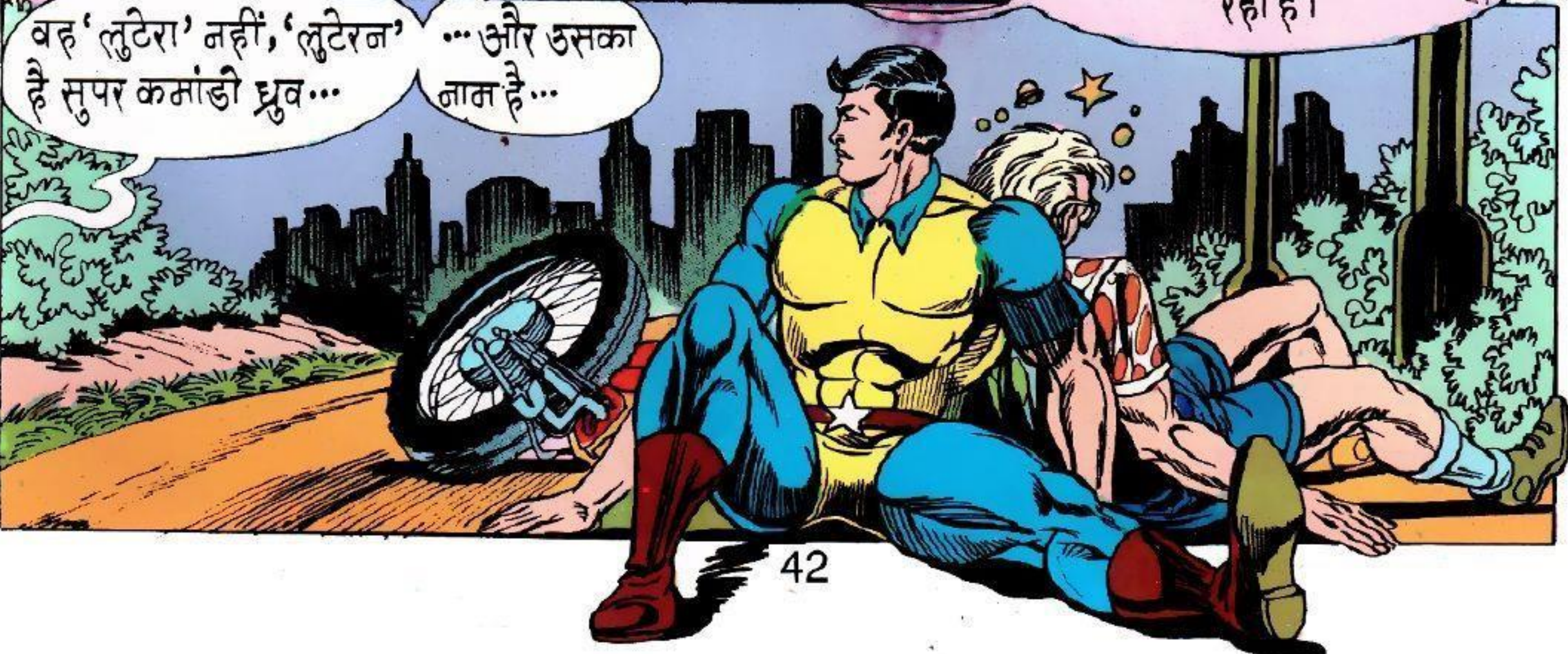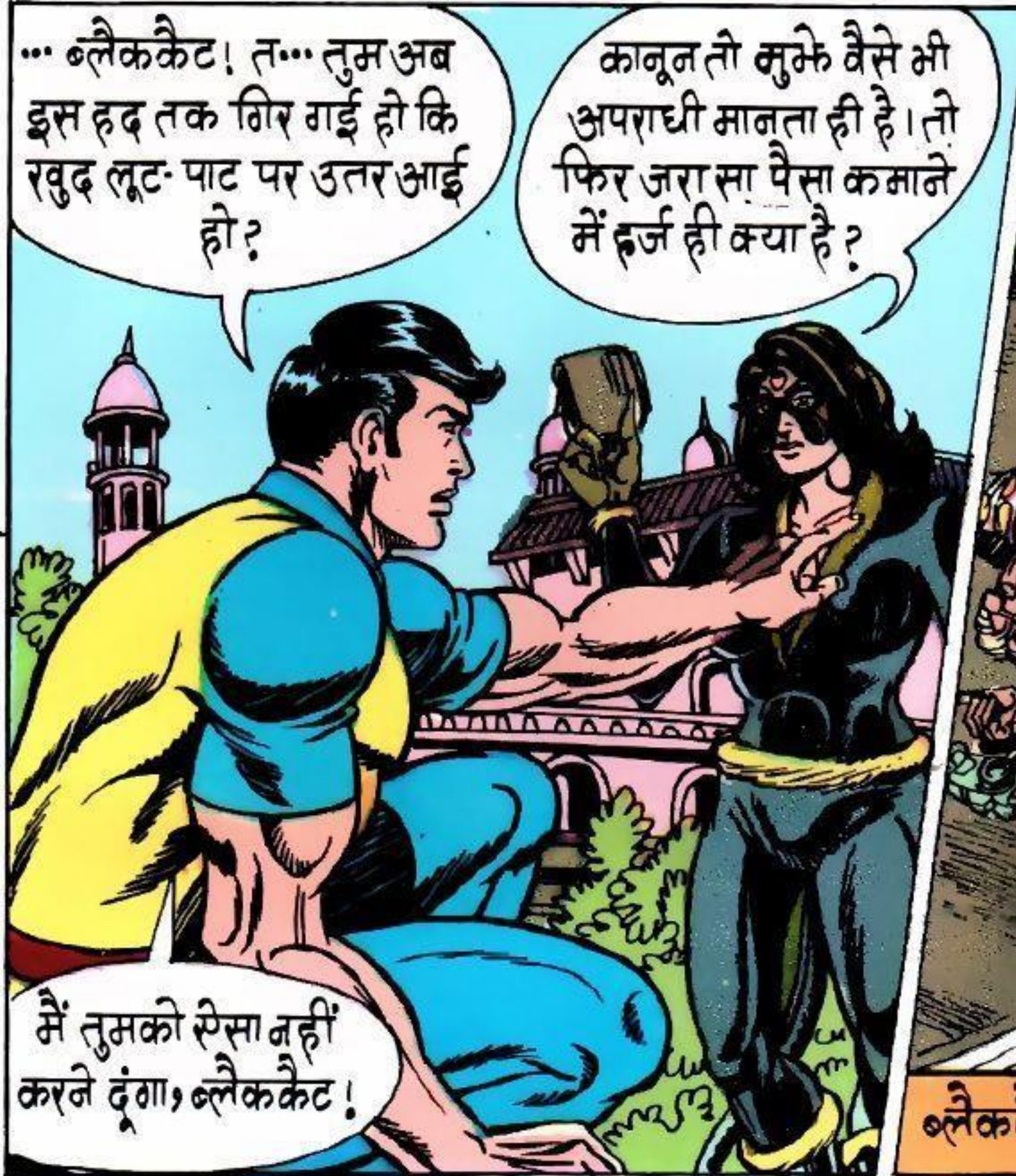
... ब्लैककैट! त... तुम अब इस हद तक गिर गई हो कि खुद लूट-पाट पर उतर आई हो?
कानून तो मुझे वैसे भी अपराधी मानता ही है। तो फिर जरा सा पैसा कमाने में हर्ज ही क्या है?
मैं तुमको ऐसा नहीं करने दूंगा, ब्लैककैट!
तो फिर तू अपनी जान से हाथ धोएगा, ध्रुव!
आऽऽह
तड़ाक
ब्लैककैट, ध्रुव के टक्कर की ही कलाबाज थी–
और उसके ब्लेड जैसे तेज नाखून किसी की खाल उधेड़ देने के लिए काफी थे–
खशाक
चाहे वह खाल, ध्रुव की ही क्यों ना हो?
लेकिन ध्रुव अभी भी ब्लैककैट को अपनी दोस्त ही मानता था–
और दोस्त पर कोई घातक वार करना ध्रुव की आदत में शामिल नहीं था–
धाऽऽड़
ओफ्! तुम तो लड़कियों पर वार नहीं करते थे ध्रुव...
... ये कसम तुमने तोड़ कैसे दी?
कसम मैंने अभी भी नहीं तोड़ी है ब्लैककैट!...
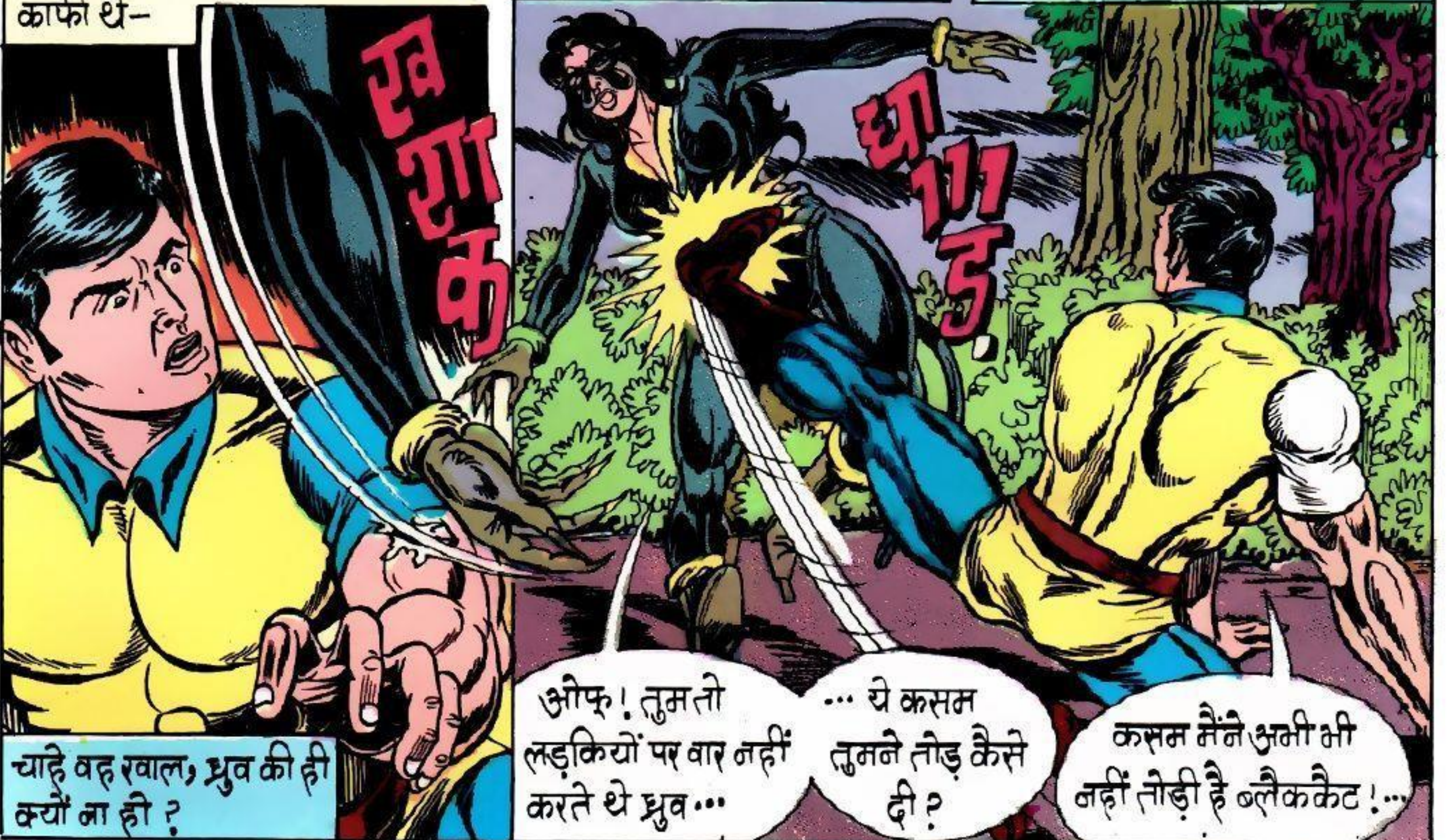
... यह तो सिर्फ आत्म-रक्षा के लिए है...
... लेकिन आज मुझे लगता है कि तुम्हारे लिए मुझे कसम तोड़नी ही पड़ेगी।...
खटाक
... वर्ना तुम मेरी गर्दन तोड़...
...आऽऽऽह!
उफ्!
ब्लैककैट को जल्दी से काबू में करने की कोई तरकीब सोचनी ही पड़ेगी...
... वर्ना मैं इस पर घातक वार करने के लिए मजबूर हो जाऊंगा...
... और इस काम में शायद इस टूरिस्ट का कैमरा मेरी मदद कर सके!
अगले ही पल- फ्लैश की तेज चकाचौंध ने ब्लैककैट को पलभर के लिए अंधा सा कर दिया-
फ्लैश

और फिर उसकी आंखों के आगे तारे नाचने लगे –

तड़ड़ड़ाक

लेकिन इससे पहले कि ध्रुव अगला कदम उठा पाता ...

... ब्लैककैट तेजी से महल की तरफ भागी –
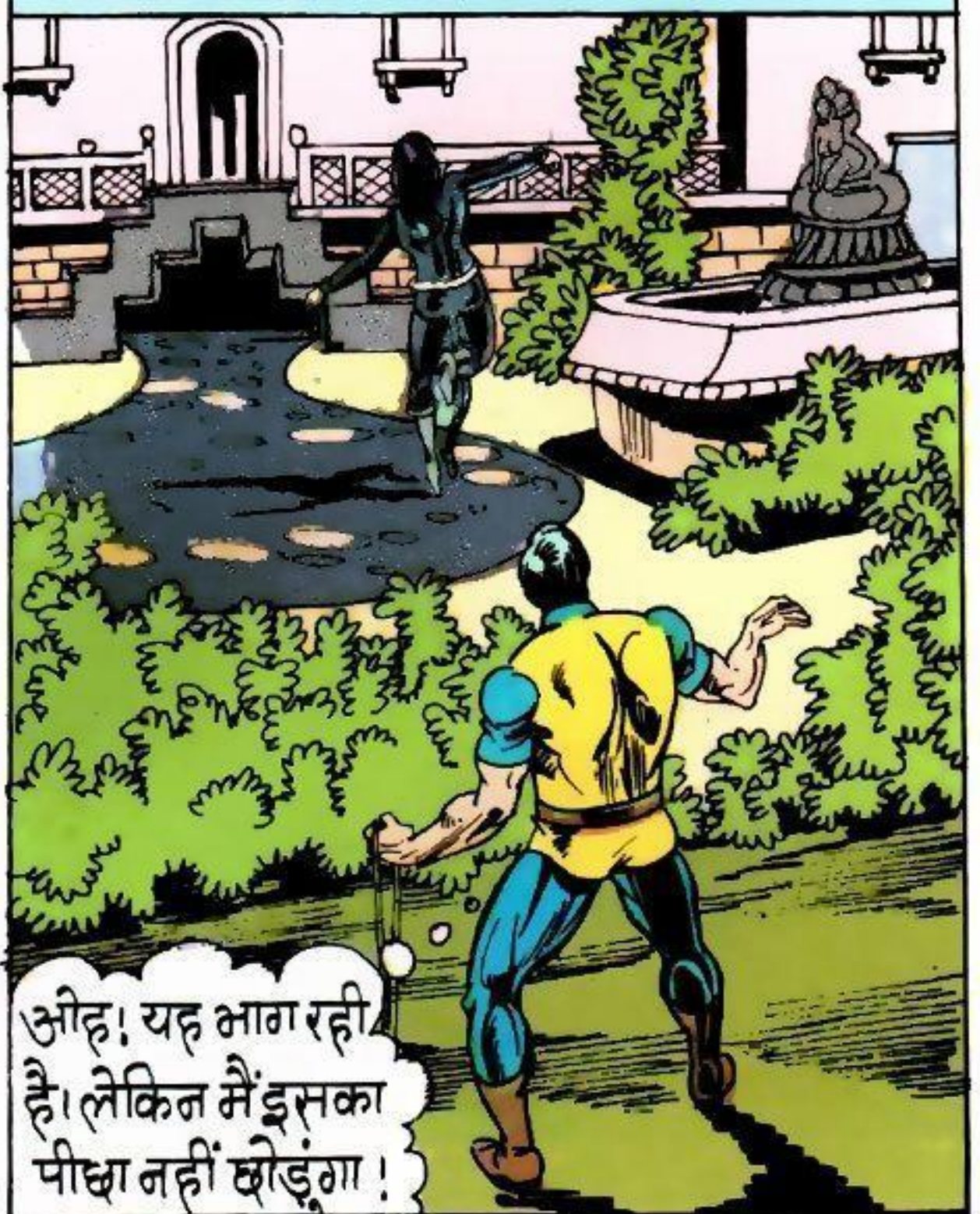
ओह! यह भाग रही है। लेकिन मैं इसका पीछा नहीं छोड़ूंगा!

ध्रुव भी कुछ-कुछ समझ रहा था...

वह छत की तरफ भाग रही है। ओह! अब कुछ-कुछ समझ में आ रहा है।

... और स्कीमर भी –

गुड! सब कुछ स्कीम के हिसाब से ही हो रहा है...
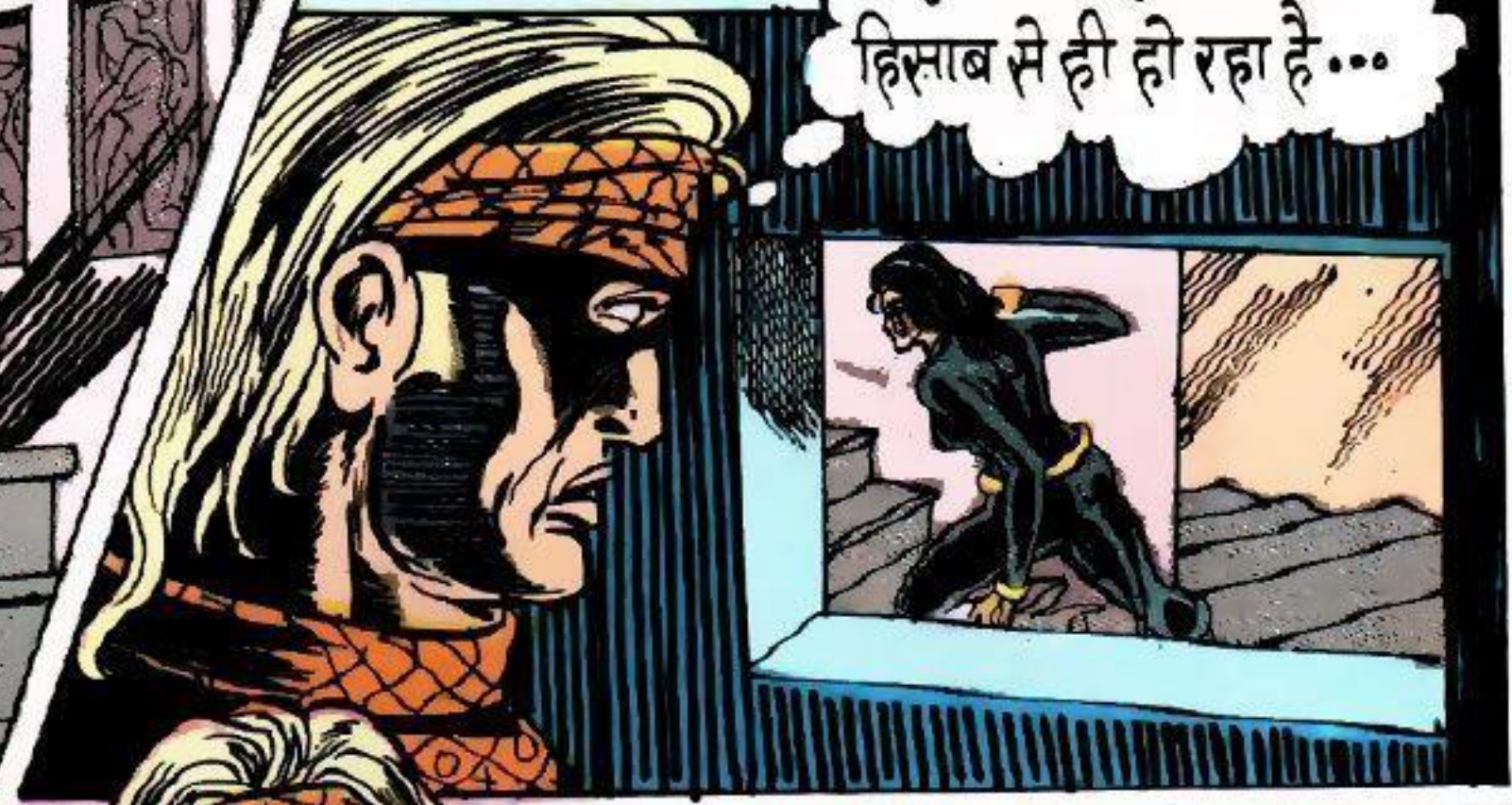
... अब सिर्फ इंतजार करना है तो सही वक्त का! ...

... और उसके बाद ध्रुव के हाथों में होगी हथकड़ियां, और गले में होगा फांसी का फंदा। 'सजाए मौत' का तीसरा सीन फ्लाप नहीं होगा! ...

... क्योंकि इस बार मेरे हाथों में है 'कॉम्प्रेस्ड एयर गन' जो उच्च दाब वाली हवा का तेज जेट छोड़ती है।

और इसका वार कभी खाली नहीं जाता!

कमांडो हैडक्वार्टर में इस वक्त भी काफी चहल-पहल थी-
मिल गया! कैप्टेन उपाधि वाले तो कई अपराधी हैं, लेकिन कैप्टेन नाम का एक ही अपराधी है!...
...यह तो... बार्को का दाहिना हाथ है...
...राजनगर का माफिया बॉस बार्को!
वेरी गुड!
ध्रुव काफी दिनों से बार्को के पीछे पड़ा था...
...लेकिन उसके खिलाफ कोई सुबूत नहीं मिल रहा था। तुरन्त ध्रुव को मैसेज भेजो करीम!
मैं कोशिश तो कर रहा हूं। लेकिन ध्रुव का 'स्टार-ट्रांसमीटर इंगेज आ रहा है। शायद ध्रुव कहीं पर मैसेज भेज रहा है!
कोई बात नहीं! थोड़ी देर बाद फिर से कोशिश करना। ध्रुव तक सूचना तुरन्त पहुंचानी बहुत जरूरी है।
बार्को के नाम का जिक्र कहीं और पर भी हो रहा था-
ओह! तो बार्को ने ध्रुव को खत्म करने के लिए स्कीमर को बुलाया है! अन्तर्राष्ट्रीय अपराधी स्कीमर!
हां, मैडम! और एक धमाकेदार खबर का पता और भी चला है...

...और वह यह कि आप पर पिछले कुछ समय से ही रहे हमलों के पीछे बार्को का ही हाथ था ! शमशेर सिंह भी बार्को का ही आदमी था !
ओह ! यानी पिछले कुछ सालों तक जो कुत्ता हमारे हाथ से हड्डी लेकर चूसता था, वह अब हमको ही काटने की कोशिश कर रहा था...
...बार्को के इस पाप का हिसाब हम खुद अपने हाथों से करेंगे !
नताशा को सवालों के जवाब मिल रहे थे...
...और दूसरी तरफ सजाए मौत का फंदा कसता ही जा रहा था—
ध्रुव को मेरा पीछा करते-करते कम से कम पांच मिनट पहले छत पर आ जाना चाहिए था...
...आखिर वह रुक क्यों गया ?
...रुका नहीं था, मिस ब्लैककेट...
...दरअसल दीवार के रास्ते से ऊपर आने में थोड़ा ज्यादा वक्त लग ही जाता है।
ताड़
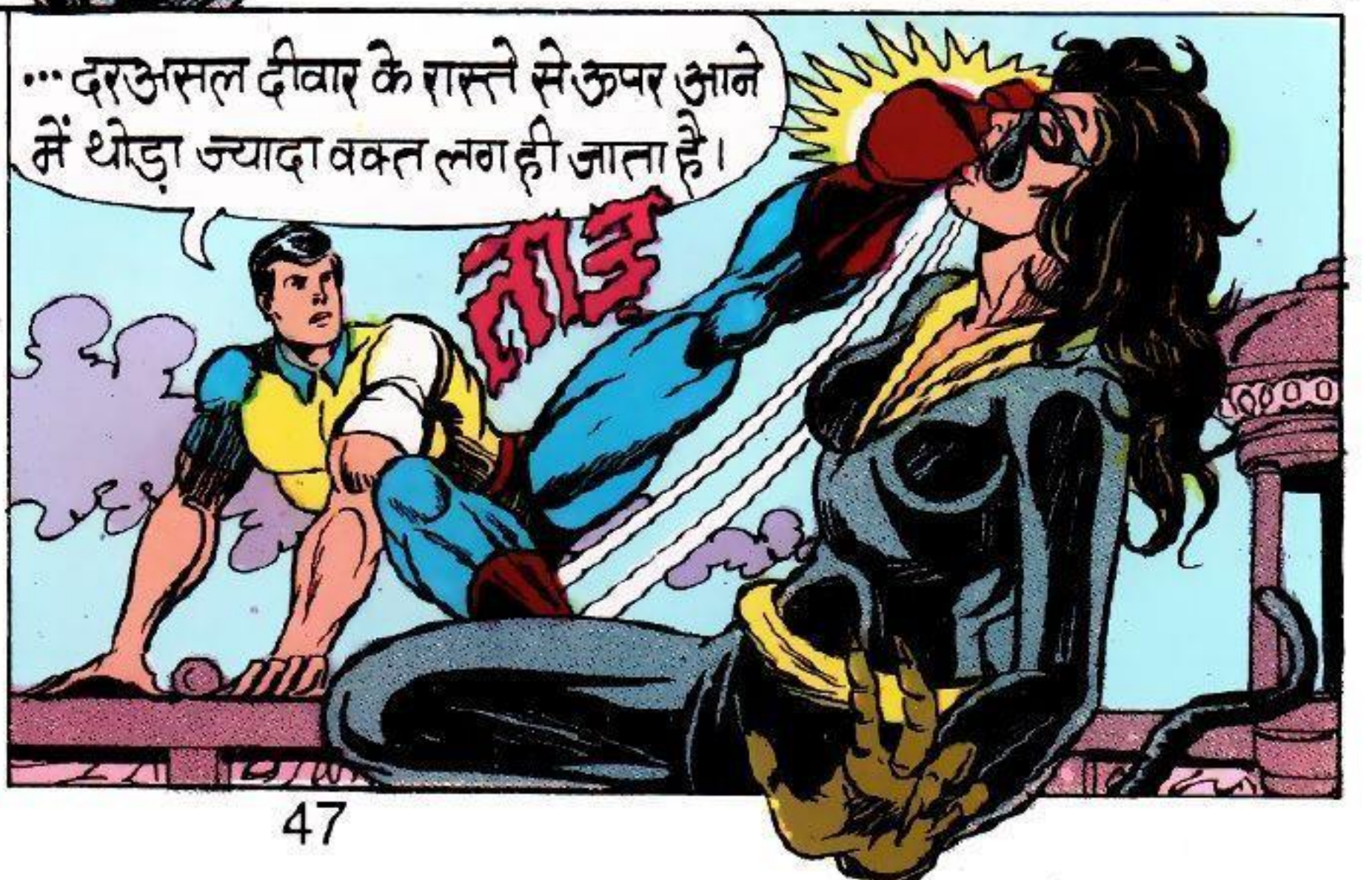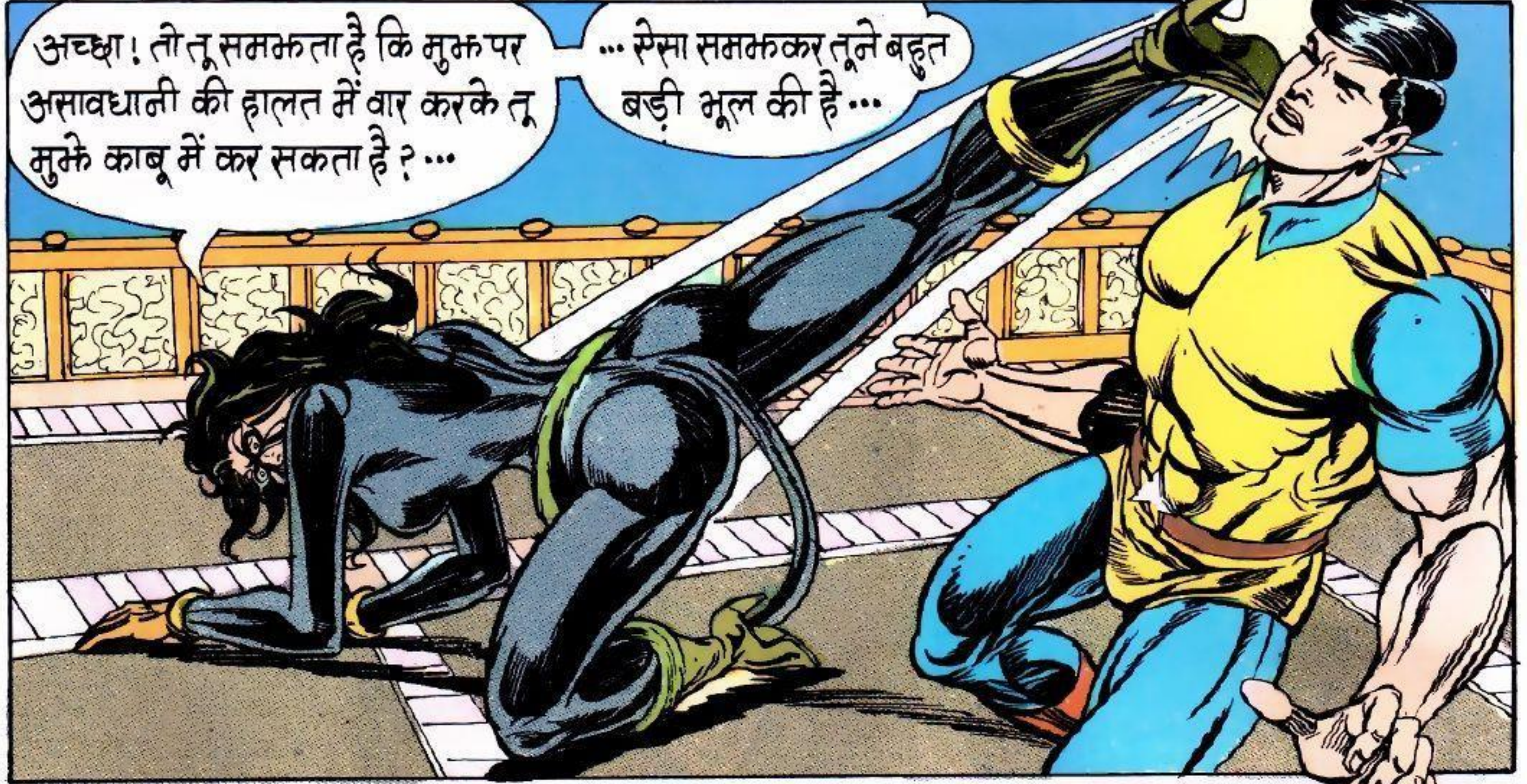
अच्छा! तो तू समझता है कि मुझ पर असावधानी की हालत में वार करके तू मुझे काबू में कर सकता है?...
...ऐसा समझकर तूने बहुत बड़ी भूल की है...
...और ये तेरी जिन्दगी की आखिरी भूल साबित होगी!
आ ह!
धाऽऽऽऽड़.
वा...वाह! सब-कुछ मेरी स्कीम के अनुसार ही जा रहा है। ध्रुव ब्लैककैट का पीछा करते-करते छत तक आ पहुंचा है। अब मुझे सिर्फ पुलिस के आने का इंतजार है, जिनको मैंने पहले ही खबर भेजकर बुलवा लिया है। और तब मैं करूंगा इस स्प्रे जेट गन का इस्तेमाल!
स्कीमर को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। क्योंकि कुछ ही सेकेंडों बाद–
तड़ाक
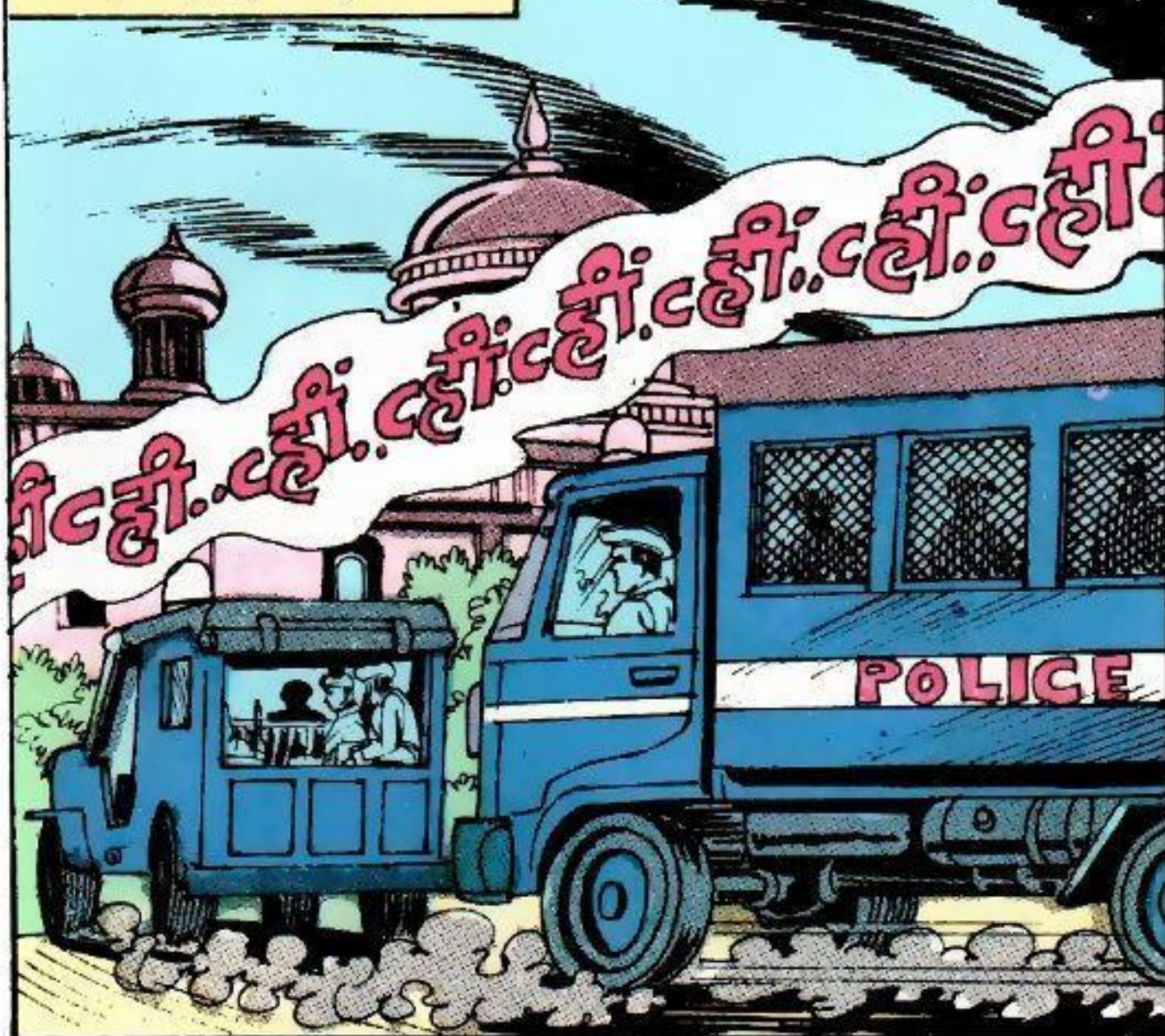
...ताकि, स्कीमर अपनी 'स्पयर-जेटगन' का प्रयोग ध्रुव पर करके उसे मुंडेर से नीचे गिरा सके!...

...मुझे बस यही समझ में नहीं आया कि यह काम स्कीमर पुलिस के सामने क्यों करना चाहता है?...

...खैर मुझे क्या? मुझे तो सिर्फ अपना काम करना है...

ताड़.

ये मूर्ख लड़की समझ रही है कि मैं अपना वार ध्रुव पर करूंगा! यह नहीं जानती कि मेरा निशाना ध्रुव नहीं यह छोकरी है! ध्रुव पर वार करने का मतलब अपनी उपस्थिति को चिल्ला-चिल्लाकर बता देना। आज तो इस छोकरी की हत्या होगी, और यह हत्या करेगा ध्रुव!

तााड़.

खबर सही थी, सर! ऊपर देखिए!

ध्रुव, ब्लैककैट पर बेरहमी से वार कर रहा है!

ब्लैककैट, ध्रुव को खींचकर मुंडेर तक ले आई थी–

ताड़.

इधर ध्रुव ने ब्लैककैट पर वार किया...

धड़ाक
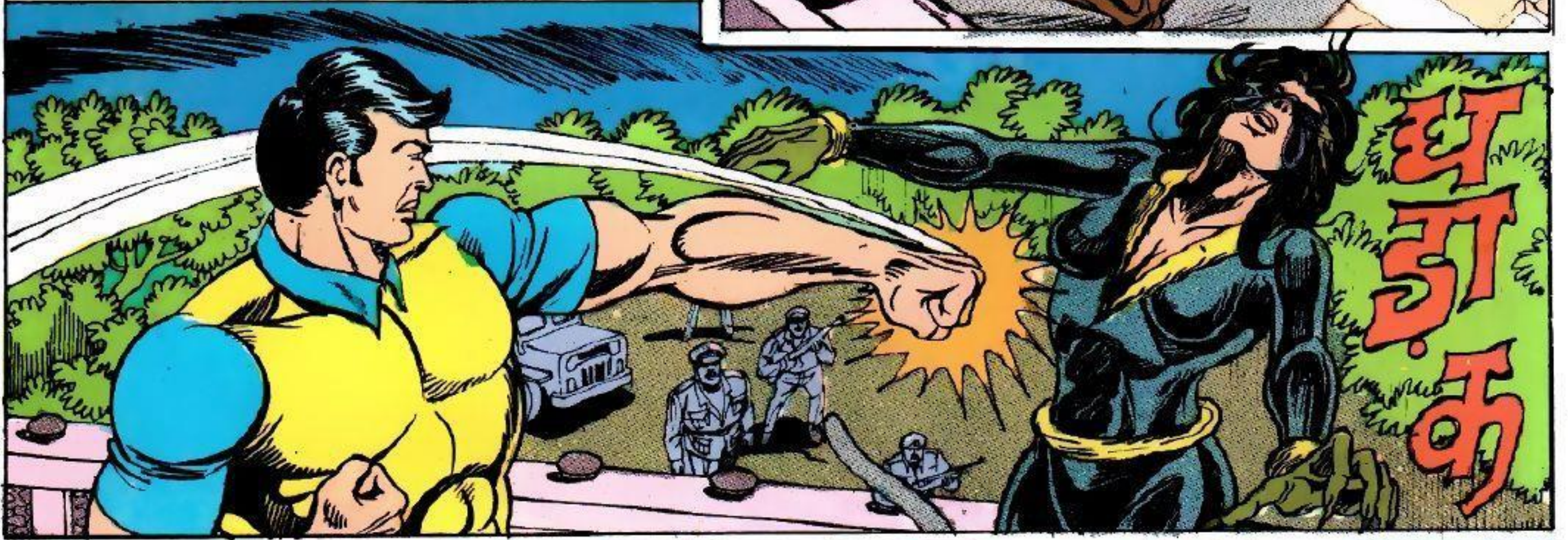
...और ब्लैककैट के लड़खड़ाते बदन से हवा का एक तेज जेट टकराया–

अरे! अरे! ये तो नीचे गिर गई! उफ्! ये क्या हो गया?

मुझे अपना वार इतनी जोर से नहीं करना चाहिए था!

हवा के जेट को ध्रुव देख नहीं पाया–
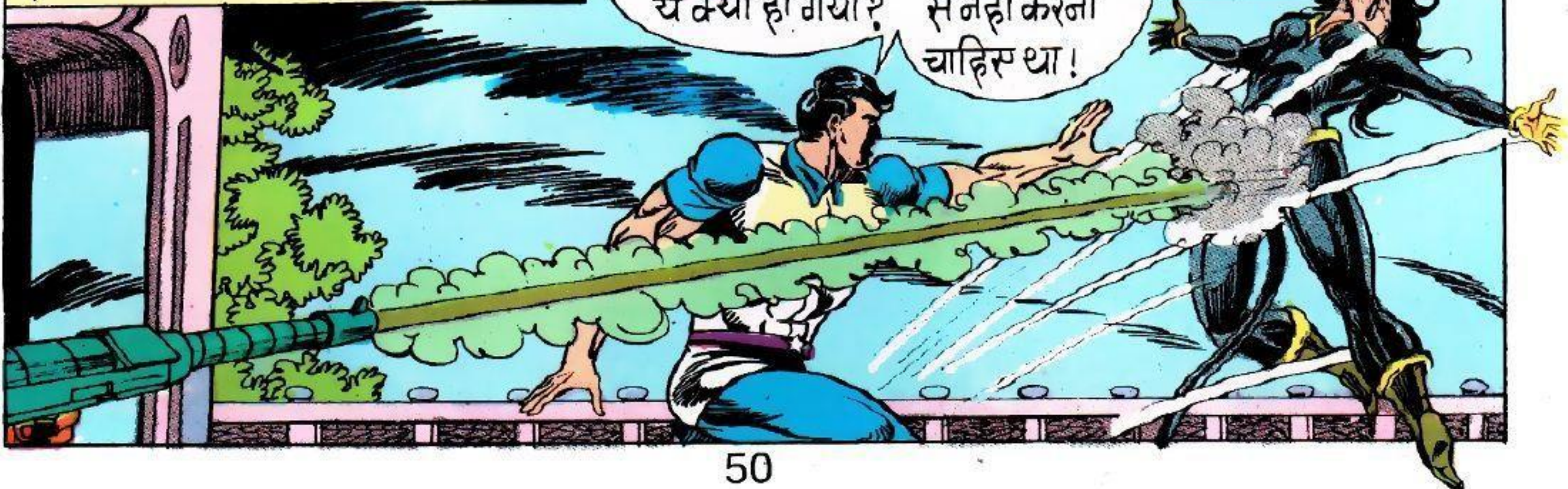
... और ब्लैककैट के नीचे गिरने का दोषी अपने-आपको मानने लगा-

आज उसके हाथों से एक हत्या हो जानी थी-

आआाााााह

?

क्योंकि इतनी ऊंचाई से गिरने का मतलब था, एक अवश्यभावी मौत-

एक दिल को दहला देने वाली चीख हवा में खिंचती चली गई-

जो किसी के कानों की घंटी की मधुर आवाज जैसी लगी-
हा हा हा... सफल हो गई मेरी स्कीम! ऑपरेशन सजा ए मौत का तीसरा सीन फ्लॉप नहीं हुआ...
आ T T T T T T ह!
...पुलिस ऊपर आती ही होगी...
...मुझे छिपने का स्थान बदल लेना चाहिए!
और अपने नए छिपने के स्थान से स्कीमर ने वह दृश्य देखा, जिसको देखने के लिए वह तरस रहा था-
यू आर अंडर अरेस्ट मिस्टर ध्रुव।
हम तुमको ब्लैककैट की हत्या के जुर्म में गिरफ्तार करते हैं।
ही ही ही ही ही!
मेरा बुरी तरह से चीखने और नाचने का मन कर रहा है!...
...लेकिन यहां पर अपनी खुशी का इजहार करने का मतलब है, अपनी मौत को बुला लेना।...
...अब तो मैं अपने अड्डे पर ही जाकर हंसूंगा और... और इतना हंसूंगा कि उसकी दीवारें कांपकर टूट जाएं!
महलों के गुप्त रास्ते से भागते स्कीमर ने अपनी हंसी को तब तक दबाए रखा...
...जब तक वह अपने अड्डे तक नहीं पहुंच गया-
हा हा हा हा
स्कीमर इज ग्रेट! ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल!
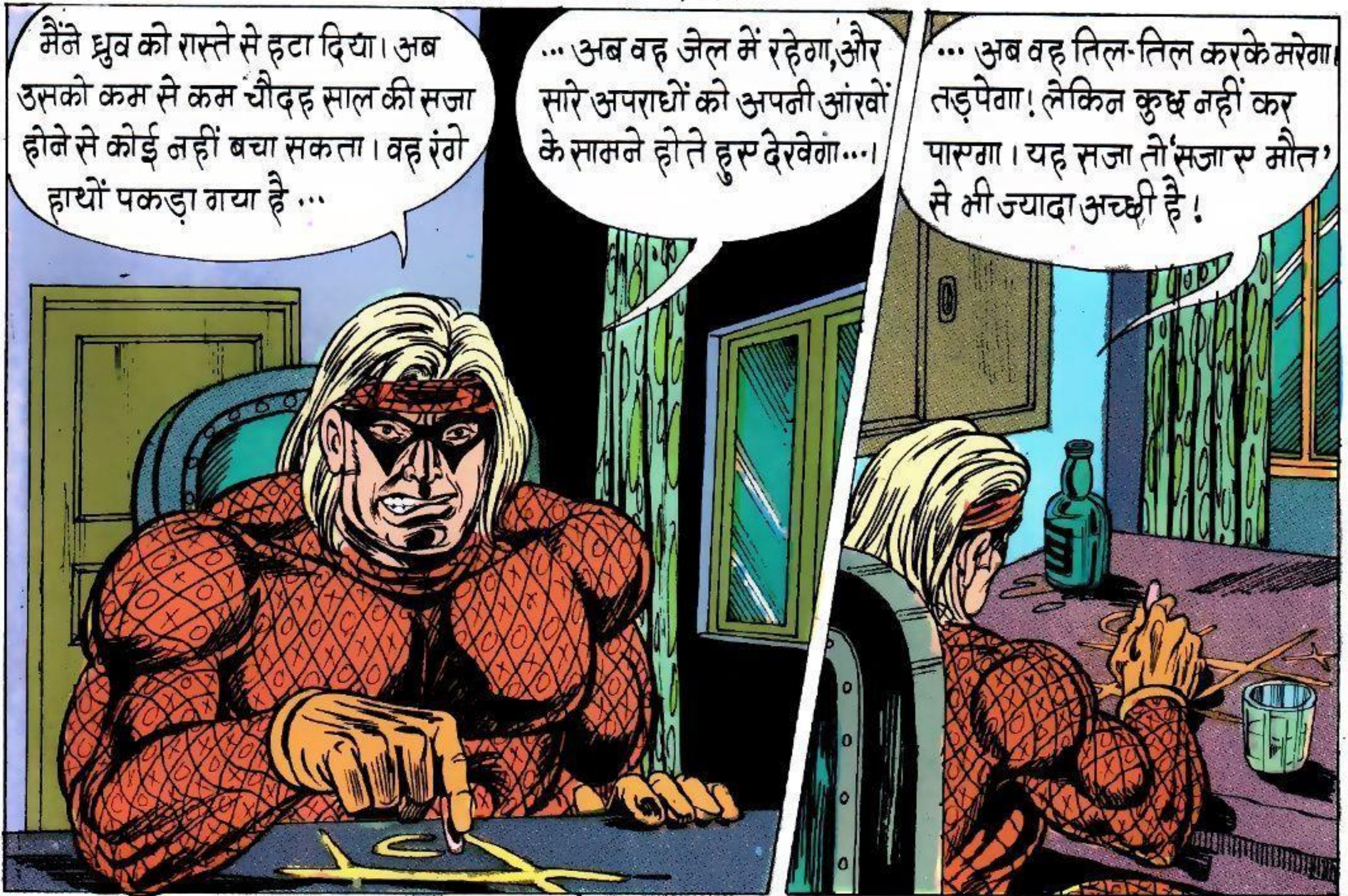
मैंने ध्रुव को रास्ते से हटा दिया। अब उसको कम से कम चौदह साल की सजा होने से कोई नहीं बचा सकता। वह रंगे हाथों पकड़ा गया है ...

... अब वह जेल में रहेगा, और सारे अपराधों को अपनी आंखों के सामने होते हुए देखेगा...।

... अब वह तिल-तिल करके मरेगा। तड़पेगा! लेकिन कुछ नहीं कर पाएगा। यह सजा तो 'सजाए मौत' से भी ज्यादा अच्छी है!

मैंने ब्लैककैट की हत्या के आरोप में ध्रुव को पुलिस के सामने ही ऐसा फंसाया है...कि वाह... वाह...

?

तुमने किसी को किसी की हत्या के आरोप में नहीं फंसाया है, स्कीमर...

सुपर कमांडो ध्रुव!...

... त... तुम यहां कैसे? तुमको तो पुलिस ने ब्लैककैट की हत्या के जुर्म में गिरफ्तार कर लिया था!

जरूर गिरफ्तार कर लेती स्कीमर...

...अगर मेरे हाथों से 'ब्लैककैट' का खून हुआ होता तो ! यानी तुम्हारे द्वारा ब्लैककैट का मेक-अप करके भेजी गई इस लड़की का ।
?
य... ये बच कैसे गई ?...
...मैंने तो इसे अपनी आंखों से नीचे गिरते देखा था। इ...इसका तो एक नाखून तक नहीं टूटा पर कैसे ?
अभी बताती हूं कैसे, कमीने! मुझसे डबल क्रास करता है ? जेट स्पर गन तुझे ध्रुव पर चलानी थी, और वह तूने मुझ पर चला दी ! मुझे बताया कुछ और किया कुछ और ?
ताड़.
अब मैं तेरी ऐसी हालत बनाऊंगी कि तेरा हुलिया पांचवीं मंजिल से गिरे आदमी जैसा हो जाएगा !
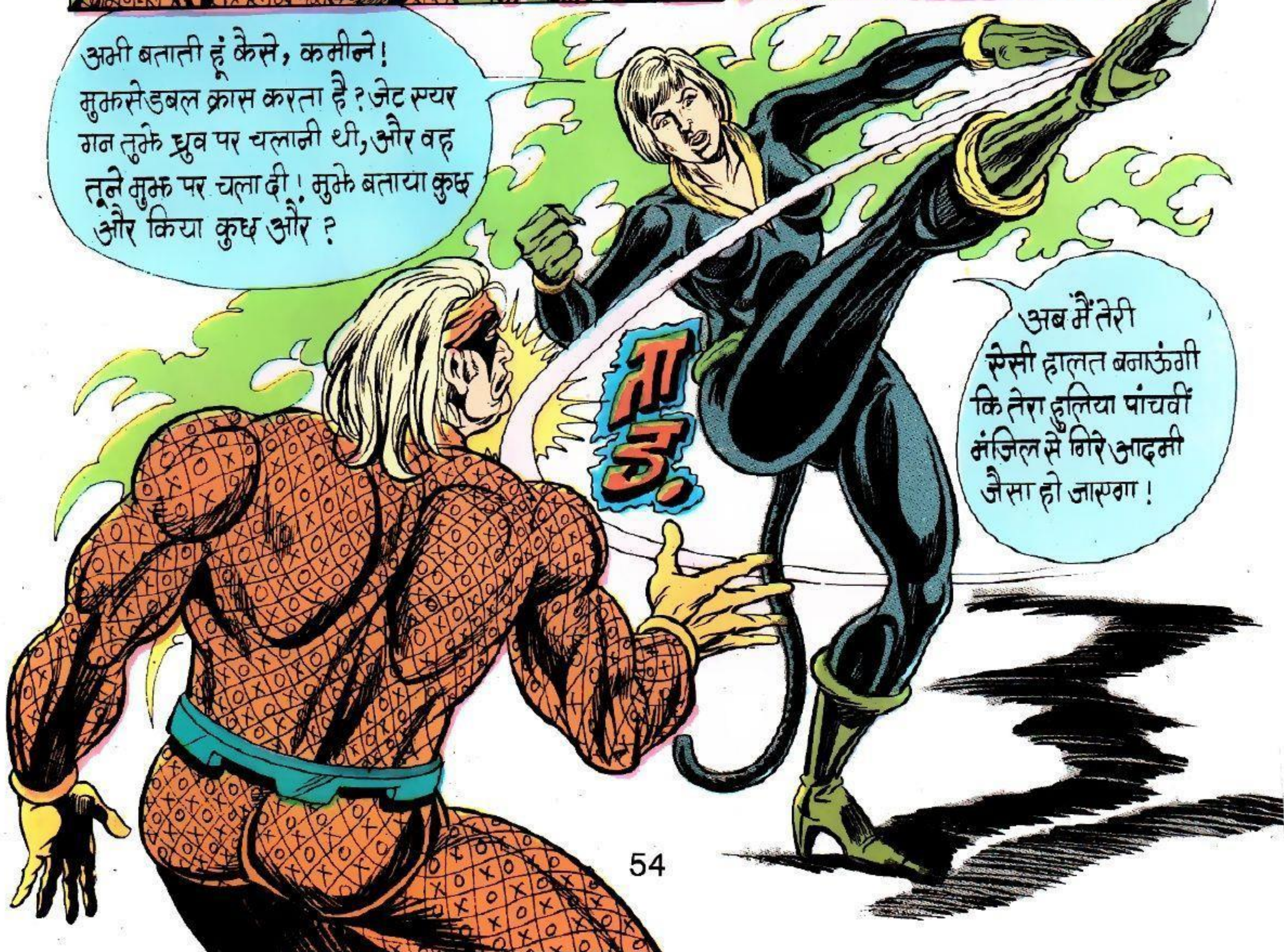
अरे मर गया! अगर मुझे पता होता कि ये जूडो- कराटे मुझी पर आजमाया जाएगा तो मैं तेरे जैसे एक्सपर्ट फाइटर को ब्लैक-कैट बनाकर कभी न लाता!
देखा स्कीमर! मैंने तुमको हाथ तक नहीं लगाया, और फिर भी तुम पिट गए। बहुत घटिया स्कीम थी तुम्हारी!
खटाक
मान गया मेरे बाप! पहले मुझे इस लेडी जैकी चैन से तो बचाओ!
और फिर मुझे ये बताओ कि जो लड़की मेरी आंखों के सामने नीचे गिरी थी, वह बची कैसे? ये सब क्या ड्रामा है?
रुक जाओ, लाइला!...
...अब तुम एक पुलिस गवाह हो!

सबसे पहले तो मैं तुमको यह बता दूं स्कीमर कि मैं न तो कभी गिरफ्तार हुआ, और न ही मैं जमानत पर छूटा हुआ था। यह सब तुमको भ्रम में रखने के लिए नाटक रचा गया था। पेट्रोल-पंप ऑपरेटर गंगाराम के बयान के बाद पुलिस ने यह मान लिया था कि जिस वक्त मैं 'स्टार-ब्लेड' फेंक रहा था...

...उस वक्त मेरे और स्वर्गीय शामनाथ जी के बीच में पेट्रोल पंप का बॉक्स था। गलती से भी मेरे द्वारा फेंके गए स्टार-ब्लेड उनको नहीं लग सकते थे...
OIL
...वैसे भी, जिस कोण से ब्लेड उनकी गर्दन में धंसा था, उससे साफ जाहिर हो रहा था कि ब्लेड, मेरी विपरीत दिशा से फेंका गया था!

और तुम उसी दिशा से निकल कर भागे थे। मैं तो सारा खेल तभी समझ गया था। इसी लिए अपने गिरफ्तार होने और जमानत पर होने का नाटक रचा ताकि तुम मुझ पर फिर हमला करो और मैं तुमको पकड़ सकूं।
बूमबैंग वाले हादसे में तुमने मुझे लगभग फंसा ही दिया था। लेकिन मेरी किस्मत अच्छी थी कि मुझे ऐन वक्त पर उस मुसीबत से बाहर निकलने का रास्ता सूझ गया...
...मुझे मालूम था कि तुम बौखला उठोगे, और तीसरा हमला जल्दी ही करोगे। मैं हर तरफ से सतर्क हो गया था!

लेकिन लाइला की ब्लैककैट के रूप में भेजकर तुमने मुझे कुछ देर के लिए चक्कर में डाल दिया।...

...परन्तु लाइला से कुछ देर तक लड़ने के बाद, इसकी फाइटिंग स्टाइल देखकर मैं समझ गया कि ये असली ब्लैककैट नहीं हो सकती।

मैं सतर्क हो गया। और जब इसने लड़ाई बीच में छोड़कर महल की छत पर भागने की कोशिश की तो मैं सोच में पड़ गया...

...छत पर जाने का एक ही मतलब हो सकता था। और वह यह कि योजना छत से नीचे गिराकर मारने की है। मैंने तुरन्त सीढ़ियों पर ही रुककर अपने स्टार-☆ ट्रांसमीटर पर पुलिस से संपर्क किया...

...और यह जानकर आश्चर्यचकित रह गया कि पुलिस को पहले ही किसी ने खबर भेजकर विजय महल में मुझे पकड़ने को बुलाया है।

मैंने पुलिस वालों से उस जाल को भी साथ लेते आने का अनुरोध किया, जिसका इस्तेमाल फायर ब्रिगेड वाले ऊपर से नीचे कूद रहे व्यक्ति को लपकने के लिए करते हैं। बस, अब मामला फिट था!

ब्लैककैट से मेरी लड़ाई हुई। पुलिस आ गई और ब्लैककैट ऊपर से नीचे आ गिरी। लेकिन जमीन पर नहीं, सीधी पुलिस वालों द्वारा पकड़े गए जाल पर—

☆ इसी वक्त करीम कमांडो ट्रांसमीटर पर ध्रुव से संपर्क करने की कोशिश कर रहा था-

मैं जानता था कि तुम किसी गुप्त स्थान पर छिपकर सारा दृश्य देख रहे हो। इसीलिए पुलिस ने छत पर आकर मुझे गिरफ्तार किया। पुलिस तुम्हारे लिए भी महल की तलाशी लेना चाहती थी। पर मैंने उनको रोक दिया...
... क्योंकि मैं जानता था कि महल में छिपने की सैकड़ों जगहें हैं, और भागने के दर्जनों रास्ते। वैसे भी लाइला हमारे कब्जे में थी।...

... तुम्हारे दोगलेपन ने लाइला को बुरी तरह नाराज कर दिया था। वह तुरन्त पुलिस गवाह बनने पर राजी हो गई। और मुझे यहां तक ले आई! तुम्हारी सारी स्कीम भी इसी ने मुझे बताई।...

... मैं जान गया हूं कि तुमको बार्को ने किराए पर बुलवाया था। मुझे मारने के लिए। और यहां पर बार्को बेवकूफी कर गया। पहले तो मेरे पास बार्को के खिलाफ सिर्फ एक ही गवाह था, अब तीन गवाह हैं। अब बार्को मुझसे बच नहीं सकता!

बार्को के खिलाफ सबूत तू तभी इस्तेमाल कर पाएगा, जब तू जिन्दा बचेगा ध्रुव!
बार्को!

मुझे तो इस स्कीमर ने यहां पर पचास लाख रुपए लेने के लिए बुलवाया था। लेकिन मेरा इसको पैसे देने का जरा सा भी मन नहीं था...
...इसीलिए मैं इसको खत्म करने के लिए ये 'ग्रेनेड लांचर' लेकर आया था!

अच्छा ही हुआ न! अब इससे मैं तुम तीनों को एक साथ ही ठिकाने लगा सकता हूं।

यह सही कह रहा है। ग्रेनेड का एक धमाका कमरे के इस पूरे कोने को तबाह कर देगा!
छिपने की कोई जगह नहीं है। और न ही समय रहते बार्को तक पहुंच सकने की कोई संभावना। सिर्फ एक ही रास्ता है कि मैं रिस्क लेकर बार्को की तरफ लपकूं...
ध्रुव की सोच अधूरी ही रह गई-

क्योंकि उसी पल दो हल्की सी 'पिट' की आवाज़ों के साथ-साथ बार्को और कैप्टन की खोपड़ियां, खून से सने लोथड़ों में बदल गईं-
अह!
पिट
पिट
आऽऽऽ
गोलियां साइलेंसर-युक्त गनों से चलाई गई थीं-
और गोलियां चलाने वाले हाथ थे...
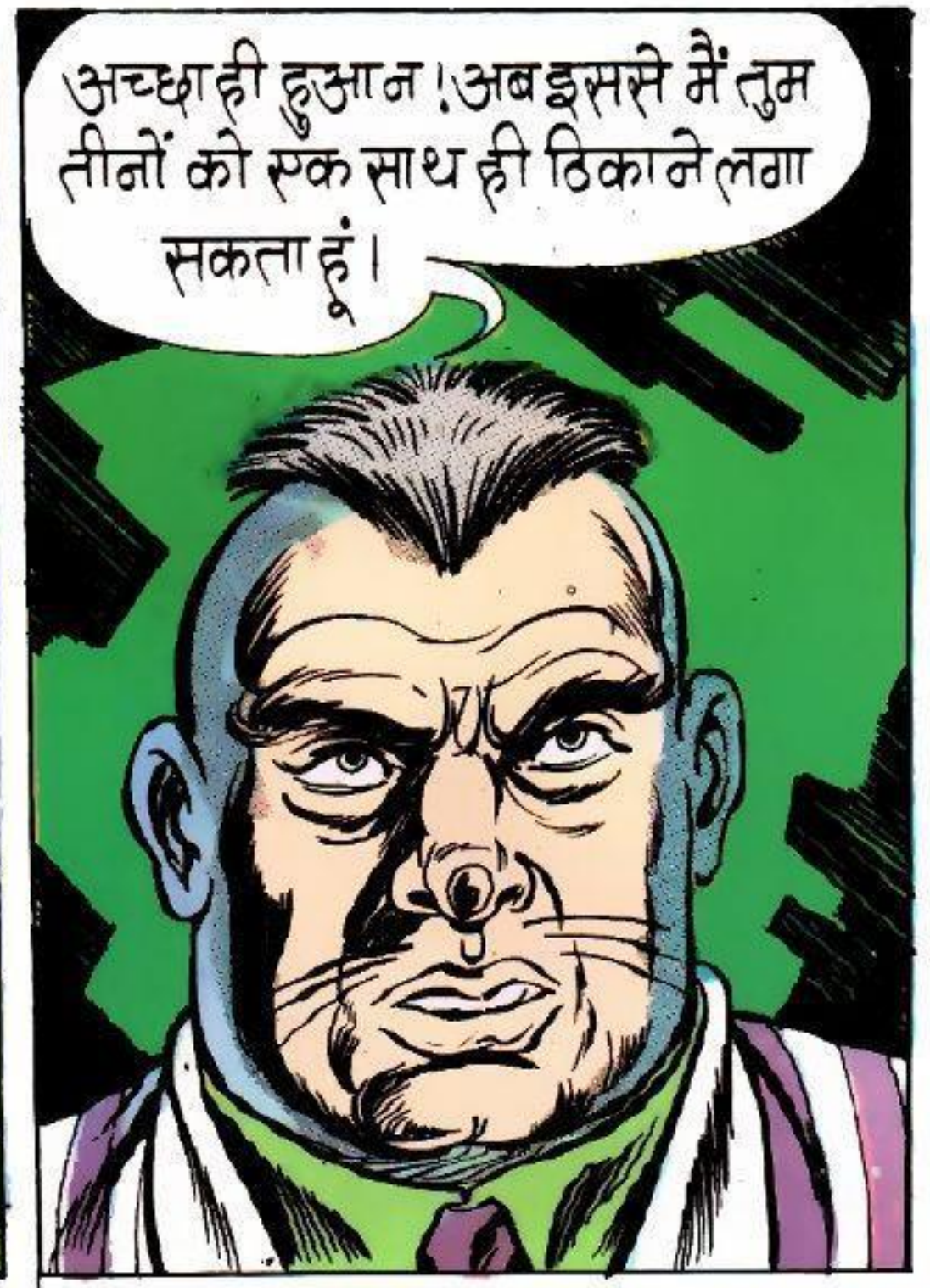
...नताशा और हल्क के-
इस कुत्ते बार्को के पीछे ! यह गद्दार नमक हराम था, और नमक हरामों की रोबो की अदालत में एक ही सजा है...
...सजा ए मौत !
नताशा ! तुम यहां पर कैसे ?
मेरा काम खत्म हुआ ! अब मैं जा रही हूं।
रुक जाओ नताशा ! तुम मेरी आंखों के सामने दो-दो हत्याएं करके नहीं जा सकती !
यह तुम कभी साबित नहीं कर पाओगे, ध्रुव !...
...क्योंकि मेरे पास सैकड़ों ऐसे गवाह हैं, जो कसम खा सकते हैं कि इस वक्त मैं एक शानदार पार्टी में खाना खा रही हूं।
तुम्हारा कमजोर कानून मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता !
ध्रुव खामोश रह गया। वह जानता था कि इस वक्त कानून के मुकाबले अपराध का पलड़ा भारी है-
लेकिन वह यह भी जानता था कि एक न एक दिन नताशा को वह गिरफ्तार करके ही रहेगा।